Page 11

खेल

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 09

देश

नीरज चोपड़ा दोहा डायमंड लीग में लेंगे हिस्सा, 9 महीने बाद करेंगे वापसी, श्रीलंका के रुमेश...

एनसीपीआई में शामिल हुए टीएमसी के 20 सांसदों ने चली चाल, काकोली घोष को बनाया...

मूल्य ₹ 2.00

शुक्ल पक्ष, पुष्य, विक्रम संवत् 2083

• औरंगाबाद • बुधवार • 17 जून 2026 • वर्ष 28 • अंक 195 • पृष्ठ 12

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,38,750	₹ 2,65,000

आज का इतिहास

1961 : जर्मन इंजीनियर कर्ट टैंक द्वारा डिजाइन किए गए HF-24 मारुत सुपरसोनिक फाइटर ने अपनी पहली उड़ान भरी। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स एचएफ -24 मारुत 1960 के दशक का एक भारतीय लड़ाकू-बमवर्षक विमान था। यह भारत का पहला जेट विमान था।

1858 : 1857 के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की नायिका झांसी की रानी लक्ष्मीबाई शहीद हुई।

न्यूज बाइट्स

बिहार के 24 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

पटना (नि.सं.) बिहार में दक्षिण-पश्चिम मानसून के प्रवेश के बावजूद राज्य के अधिकांश हिस्सों में उमस भरी गर्मी और तेज धूप से लोगों को राहत नहीं मिल रही है। मौसम विज्ञान केंद्र ने मंगलवार को राज्य के 24 जिलों में आंधी और बारिश की चेतावनी जारी की है। इनमें 14 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट तथा 10 जिलों के लिए येलो अलर्ट घोषित किया गया है। मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों में 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवा चलने, गरज-चमक के साथ बारिश और कुछ स्थानों पर वज्रपात की आशंका जताई है। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान सुपौल जिले में बारिश दर्ज की गई।

मुंडेश्वरी धाम से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की बड़ी घोषणाएं

रोहतास-कैमूर के बीच बनेगा एयरपोर्ट

- मां ताराचंडी, तुतला भवानी और गुप्ता धाम के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की जाएगी।
- मॉडल स्कूलों में नीट, जेईई और आईआईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी।
- 125 यूनिट से अधिक बिजली उत्पादन होने पर सरकार अतिरिक्त बिजली का भुगतान करेगी।

निज संवाददाता | कैमूर

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को कैमूर जिले के प्रसिद्ध माता मुंडेश्वरी धाम से क्षेत्र के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि रोहतास और कैमूर के बीच जल्द ही एयरपोर्ट का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को भूमि चिह्नित करने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि माता मुंडेश्वरी धाम को अंतरराष्ट्रीय धार्मिक एवं पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में सरकार तेजी से कार्य कर रही है। लंबे समय से लंबित रोप-वे परियोजना का निर्माण कार्य बरसात समाप्त होते ही शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगली बार दौरे के दौरान स्वयं इस परियोजना का शिलान्यास करेंगे।

सभी प्रखंडों में खुलेंगे मॉडल स्कूल

शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगले दो वर्षों में बिहार के सभी प्रखंडों में मॉडल स्कूल स्थापित किए जाएंगे। इन विद्यालयों में छात्रों को नीट, जेईई और आईआईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि इन स्कूलों में अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के बच्चे भी अध्ययन करेंगे, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा।

धार्मिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

सम्राट चौधरी ने घोषणा की कि मां ताराचंडी, तुतला भवानी और गुप्ता धाम जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों को पर्यटन मानचित्र पर बेहतर ढंग से विकसित करने के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार कैमूर को प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंडेश्वरी धाम परिसर स्थित धर्मशाला का भी नवीनीकरण कराया जाएगा, जिससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

बिहार में खुलेगी बीएचयू की शाखा

मुख्यमंत्री ने कहा कि कैमूर सहित आसपास के क्षेत्रों के अनेक छात्र उच्च शिक्षा के लिए वाराणसी स्थित बीएचयू जाते हैं। इसे देखते हुए बिहार में बीएचयू की शाखा खोलने की संभावनाओं पर कार्य करने का निर्देश अधिकारियों को दिया गया है। मुख्यमंत्री ने सहयोग शिविरों का उल्लेख करते हुए बताया कि अब तक राज्यभर में 3.36 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें 90 प्रतिशत से अधिक का निष्पादन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि निर्धारित समय सीमा में कार्य नहीं करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। 30 दिनों तक आदेश लंबित रखने वाले अधिकारियों को निलंबित करने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

बीपीएल परिवारों को मिलेगा सोलर योजना का लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार 25 लाख बीपीएल परिवारों के घरों पर सोलर पैनल लगाने की योजना पर काम कर रही है। इससे लोगों को बिजली बिल से राहत मिलेगी। यदि 125 यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन होगा तो सरकार अतिरिक्त बिजली के बदले भुगतान भी करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार तेजी से विकास की ओर अग्रसर है और सरकार आधारभूत संरचना, शिक्षा, पर्यटन तथा जनकल्याण के क्षेत्र में लगातार नई योजनाओं को लागू कर रही है।

शिक्षकों के तबादले में मिलेगी सुविधा,

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शिक्षकों के तबादले और शिक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ा संदेश देते हुए कहा कि सरकार शिक्षकों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रख रही है, लेकिन बच्चों की पढ़ाई से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्थानांतरण की सुविधा मिलने के बाद शिक्षकों को पूरी जिम्मेदारी के साथ विद्यालय में पढ़ाना होगा। राज्य सरकार ने शिक्षकों के स्थानांतरण की प्रक्रिया को सरल बनाया है। महिला शिक्षिकाओं को उनके घर या गांव के निकट स्थित पंचायत में पदस्थापित करने की व्यवस्था की जा रही है, जबकि पुरुष शिक्षकों को भी उनके घर के नजदीकी प्रखंड में पदस्थापन का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा, जहां ट्रांसफर कराना है करा लीजिए, लेकिन पढ़ाना तो पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षकों की सुविधाओं के प्रति संवेदनशील है, लेकिन अब पढ़ाई को लेकर किसी भी प्रकार का बहाना स्वीकार नहीं किया जाएगा। सभी शिक्षकों को नियमित रूप से विद्यालय जाकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देनी होगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल विद्यालय खोलना नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना है।

पूर्वांचल क्षेत्र को मिलने जा रहा है तीन रेल सेवाओं का उपहार

- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी हरी झंडी दिखाकर करेंगे ट्रेनों को रवाना
- छपरा-दिल्ली नई रेल सेवा का शुभारम्भ, दोहरीघाट-औड़िहार रेल सेवा का वाराणसी तक विस्तार
- मऊ-दिल्ली रेल सेवा का नियमित रेल सेवा के रूप में संचालन की शुरुआत

निज संवाददाता | पटना

पूर्वांचल और बिहार के रेल यात्रियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। क्षेत्र को जल्द ही तीन महत्वपूर्ण रेल सेवाओं की सौगात मिलने जा रही है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी छपरा में आयोजित कार्यक्रम में इन सेवाओं का शुभारंभ करेंगे। नई रेल सेवाओं के शुरू होने तथा एक मौजूदा रेल सेवा के विस्तार से बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के लाखों यात्रियों को बेहतर रेल संपर्क और यात्रा सुविधा मिलेगी। सबसे महत्वपूर्ण घोषणा छपरा-आनंद विहार टर्मिनल (दिल्ली) के बीच नई रेल सेवा की है। यह ट्रेन बलिया, मऊ, आजमगढ़, लखनऊ और कानपुर के रास्ते दिल्ली तक संचालित होगी। इससे बिहार और पूर्वांचल के यात्रियों को राष्ट्रीय राजधानी तक पहुंचने के लिए एक नया और सुविधाजनक विकल्प उपलब्ध होगा।

इसके अलावा मऊ-आनंद विहार टर्मिनल (दिल्ली) रेल सेवा का नियमित संचालन भी शुरू किया जाएगा। यह ट्रेन मऊ, आजमगढ़, जौनपुर, प्रयागराज और कानपुर होते हुए दिल्ली पहुंचेगी। इस नई नियमित सेवा से इस मार्ग पर यात्रियों को अधिक सीटें उपलब्ध होंगी तथा यात्रा का दबाव भी कम होगा। यात्रियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को स्वीकार करते हुए रेल मंत्रालय ने दोहरीघाट-औड़िहार रेल सेवा का विस्तार वाराणसी तक करने का निर्णय लिया है। इस विस्तार से मऊ, गाजीपुर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को वाराणसी तक सीधा रेल संपर्क मिलेगा। इससे धार्मिक, शैक्षणिक, व्यावसायिक और चिकित्सा संबंधी यात्राएं पहले की तुलना में अधिक आसान हो जाएंगी। नई रेल सेवाओं एवं विस्तार का लाभ छपरा, बलिया, मऊ, गाजीपुर, आजमगढ़, देवरिया सहित पूरे पूर्वांचल और बिहार के यात्रियों को मिलेगा। दिल्ली और वाराणसी जैसे प्रमुख शहरों से बेहतर रेल संपर्क स्थापित होने से व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रेल मंत्रालय के अनुसार इन रेल सेवाओं का शुभारंभ जल्द ही छपरा में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में किया जाएगा। इसे पूर्वांचल और बिहार की रेल कनेक्टिविटी को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बिहार प्रशासनिक सेवा के 14 अधिकारी बने आईएएस सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी की अधिसूचना

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार ने बिहार प्रशासनिक सेवा (बीएएस) के 14 वरिष्ठ अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) कैडर में प्रोन्नत कर दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने मंगलवार को भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) की अधिसूचना के आलोक में इस संबंध में अधिसूचना जारी की। सभी अधिकारियों को वर्ष 2025 की चयन सूची के आधार पर बिहार कैडर में आईएएस पदोन्नति प्रदान की गई है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, प्रोन्नत अधिकारियों के वर्तमान पदों को अस्थायी रूप से आईएएस (संयुक्त सचिव स्तर) के समकक्ष घोषित किया गया है। अगले आदेश तक सभी अधिकारी अपने वर्तमान पदों पर ही कार्य करते रहेंगे।

आईएएस कैडर में प्रोन्नत होने वाले अधिकारियों में मृणायक दास (अपर सचिव, स्वास्थ्य विभाग), मनोरंजन कुमार (निदेशक-प्रशासन, शिक्षा विभाग), विकास कुमार (अपर सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग एवं सचिव, बिहार युवा आयोग का अतिरिक्त प्रभार), डॉ. गगन (प्रबंध निदेशक, बिहार राज्य भंडार निगम), अंजनी कुमार (उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, पूर्णिया), मो. इजतबा हुसैन (संयुक्त सचिव, वित्त विभाग), रजनीश कुमार (अपर सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग), विधु भूषण चौधरी (संयुक्त सचिव, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग), मो. वसीम अहमद (विशेष कार्य पदाधिकारी, पंचायती राज विभाग), कृत्यानंद रंजन (संयुक्त सचिव, परिवहन विभाग), मो. राशिद आलम (जिला पंचायती राज पदाधिकारी, पटना), इबरार अहमद खां (सहायक निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग), मनोज कुमार (संयुक्त सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग) तथा हेमंत कुमार सिंह (अपर सचिव, युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग) शामिल हैं।

राज्य में प्रभावी ढंग से लागू है पीएम राहत योजना, सड़क हादसे के घायलों को मिलेगा 1.50 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज

निज संवाददाता | पटना

सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने वाले लोगों को समय पर बेहतर इलाज उपलब्ध कराने और उन्हें आर्थिक बोझ से राहत देने के उद्देश्य से राज्य में 'पीएम राहत योजना' प्रभावी रूप से संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल प्रत्येक व्यक्ति को 1.50 लाख रुपये तक का कैशलेस (निःशुल्क) उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। दुर्घटना की तिथि से अगले सात दिनों तक इलाज पर होने वाला पूरा खर्च सरकार वहन करती है। राज्य परिवहन आयुक्त आरिफ अहसन ने बताया कि सड़क हादसे के बाद का पहला घंटा, जिसे 'गोल्डन ऑवर' कहा जाता है, घायल व्यक्ति की जान बचाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। योजना का उद्देश्य इसी अवधि में पीड़ित को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा

सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि राज्य की सीमा में सड़क दुर्घटना का शिकार होने वाला देश का कोई भी नागरिक इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकता है।

उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति को 24 घंटे के भीतर आयुष्मान भारत योजना से संबद्ध (नामित) अस्पताल में भर्ती कराना आवश्यक है। अस्पताल में भर्ती होने के बाद संबंधित अस्पताल प्रशासन मरीज का विवरण एवं दुर्घटना से जुड़ी जानकारी ऑनलाइन ट्रांजेक्शन मैनेजमेंट सिस्टम (टीएमएस) पोर्टल पर दर्ज करता है। इसके बाद स्थानीय पुलिस द्वारा सत्यापन एवं आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी होने पर पीड़ित को योजना का लाभ प्रदान किया जाता है। परिवहन विभाग के अनुसार, राज्य में अब तक इस योजना के तहत 87 मामलों में कार्रवाई की गई है। इनमें से 60 सड़क दुर्घटना पीड़ितों का आयुष्मान भारत से संबद्ध अस्पतालों में पूरी तरह निःशुल्क उपचार कराया जा चुका है। विभाग का मानना है कि यह योजना गंभीर रूप से घायल लोगों के लिए जीवनरक्षक साबित हो रही है और समय पर इलाज मिलने से सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने में मदद मिलेगी। परिवहन आयुक्त आरिफ अहसन ने आम लोगों से अपील की कि सड़क दुर्घटना होने पर लोग मूकदर्शक बनने के बजाय मानवता का परिचय देते हुए घायलों को तुरंत नजदीकी आयुष्मान भारत से संबद्ध अस्पताल पहुंचाएं।

बिहार को मिलेगी 400 इलेक्ट्रिक बसों की सौगात

पटना(नि.सं.)। बिहार में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल और अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं से युक्त बनाने की दिशा में एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। केंद्र सरकार की 'पीएम ई-बस सेवा योजना' के तहत बिहार को कुल 400 नई इलेक्ट्रिक एसी बसों की मंजूरी मिली है। इस योजना को धरातल पर उतारने के लिए बुधवार, 17 जून 2026 को बिहार राज्य पथ परिवहन निगम, परिवहन विभाग और ग्रीनसेल मोबिलिटी के बीच एक महत्वपूर्ण कंसेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर परिवहन विभाग के मंत्री दामोदर रावत मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

20 लाख जीविका दीदियों को मिलेंगे 20-20 हजार रुपये

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की दूसरी किस्त जुलाई में

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत लाभुक महिलाओं के लिए बड़ी राहत की खबर है। योजना की दूसरी किस्त का वितरण अगले महीने जुलाई से शुरू किया जाएगा। इसके तहत जीविका से जुड़ी करीब 20 लाख महिलाओं के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 20-20 हजार रुपये भेजे जाएंगे। वहीं, पहली किस्त से वंचित महिलाओं को भी 10-10 हजार रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गया में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए यह घोषणा की। उन्होंने बताया कि बिहार की 1.81 करोड़ जीविका दीदियों के बैंक खातों में स्वरोजगार शुरू करने के लिए पहली किस्त के रूप में 10-10 हजार रुपये भेजे जा चुके हैं। इनमें से करीब 20 लाख महिलाओं को दूसरी किस्त के लिए चिन्हित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि अगले महीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रस्तावित बिहार दौरे के दौरान एक बड़े कार्यक्रम में दूसरी किस्त जारी की जाए।

पिछले वर्ष शुरू हुई थी योजना

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरुआत वर्ष 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव से पहले की गई थी। 26 सितंबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस योजना का शुभारंभ किया था। उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी कार्यक्रम में मौजूद थे। योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना है। पहली किस्त के रूप में 10 हजार रुपये देकर महिलाओं को स्वरोजगार शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया गया था।

झारखण्ड सरकार GOVERNMENT OF JHARKHAND

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

संदेश

विश्व मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण दिवस

प्रति वर्ष मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण दिवस पर हम भूमि और जल के महत्व पर चिंतन करते हैं। मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण दिवस 2026 का विषय "चारागाह पहचानें। सम्मान करें। पुनर्स्थापित करें" है। यह हमें दर्शाता है कि पृथ्वी की आधी से अधिक सतह को आच्छादित करने वाले चारागाह खाद्य सुरक्षा, जैव विविधता और जलवायु सहनशीलता बनाए रखने में कितने महत्वपूर्ण हैं। कई पीढ़ियों से पशुपालक और आदिवासी समुदाय अपनी संरक्षकता के माध्यम से इन भू-भागों की सुरक्षा करते आए हैं।

झारखण्ड राज्य जो समृद्ध वनों, उपजाऊ मिट्टी और विविध पारिस्थितिक तंत्रों से संपन्न है, आज वनों की कटाई, भूक्षरण और जल संकट जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। ये खतरे हमारे कृषि, जल संसाधनों और असंख्य परिवारों की आजीविका को प्रभावित कर रहे हैं। वैश्विक समुदाय का हिस्सा होने के नाते हमें अपनी भूमि के मूल्य को पहचानना होगा, पारंपरिक ज्ञान का सम्मान करना होगा और बंजर क्षेत्रों को पुनर्स्थापित करना होगा ताकि एक सतत् भविष्य सुनिश्चित किया जा सके।

यह दिवस हमें याद दिलाता है कि हमारी भूमि का स्वास्थ्य हमारे लोगों की समृद्धि से जुड़ा हुआ है। जल संरक्षण, वनों की रक्षा, पर्यावरण से अनुकूल खेती अपनाने और भूमि क्षरण को रोकने के माध्यम से हम झारखण्ड की प्राकृतिक संपदा को आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रख सकते हैं। हमारी भूमि ही हमारा जीवन है और इसे पहचान कर, सम्मान देकर और पुनर्स्थापित करके हम न केवल अपने पर्यावरण की रक्षा करते हैं, बल्कि अपने बच्चों के भविष्य को भी सुरक्षित बनाते हैं।

जोहार !

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखण्ड

PR. No. - 382549/IPRD/2026-27

संक्षिप्त समाचार

कौआकोल प्रखण्ड में जन कल्याण शिविर आयोजित, 20 काउंटरों पर लिए गए लोगों के आवेदन

कौआकोल। राज्य सरकार के निर्देश पर 15 जून से 18 जून तक राज्य के सभी प्रखण्ड कार्यालयों में प्रखण्ड सहयोग सह जन कल्याण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को कौआकोल प्रखण्ड कार्यालय परिसर में विशेष शिविर का आयोजन किया गया। "सबका सम्मान, जीवन आसान" अभियान के तहत आयोजित इस शिविर में आम लोगों की समस्याओं के समाधान और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ सुलभ कराने के उद्देश्य से 20 अलग-अलग काउंटर बनाए गए थे। इन काउंटरों पर विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याओं,शिकायतों और विभिन्न योजनाओं से संबंधित आवेदन जमा किए। शिविर में मौजूद प्रखण्ड विकास पदाधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार ने बताया कि सरकार की मंशा है कि आम जनता को एक ही स्थान पर सभी जरूरी सेवाएं और योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके। उन्होंने कहा कि शिविर में प्राप्त आवेदनों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान बीसीओ कुंदन बर्णवाल,पीओ मनरेगा असलम हुसैन, बीपीआरओ शमा बानो समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

खड़सारी पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में उमड़े फरियादी

कौआकोल। प्रखंड के खड़सारी पंचायत अंतर्गत करमाटांड़ गांव में मंगलवार को सरकार के निर्देश पर सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दर्जनों ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन को प्रशासन द्वारा बनाये गए विभिन्न विभागों के काउंटर पर जमा कराया। वहीं शिविर में सदर एसडीओ अमित अनुराग ने स्वयं उपस्थित होकर जनसमस्याओं को सुना। मौके पर बीडीओ डॉ. अखिलेश कुमार,सीओ मनीष कुमार,बीपीआरओ शमा बानो समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने लोगों की समस्याओं को सुना तथा संबंधित मामलों में आवेदन प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान कई लाभुकों को विभिन्न सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का स्वीकृति पत्र मौके पर ही सदर एसडीओ द्वारा उपलब्ध कराया गया।

प्रतिबंध के बावजूद कौआकोल में धड़ल्ले से हुआ बालू का खनन

कौआकोल। राज्य सरकार द्वारा 15 जून से बालू खनन पर रोक लगाए जाने के बावजूद क्षेत्र में अवैध खनन का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है। मंगलवार को कौआकोल प्रखंड के भोरमबाग मलाही नदी घाट एवं रधवा नदी घाट से खुलेआम बालू का उठाव किया गया। सरकारी प्रतिबंध के बावजूद दिनदहाड़े हो रहे इस अवैध खनन से प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि खनन माफिया बेखौफ होकर नियमों की अनदेखी कर रहे हैं,जबकि संबंधित विभाग और प्रशासन इस पर रोक लगाने में विफल साबित हो रहे हैं। क्षेत्र में लगातार जारी अवैध बालू खनन से सरकार के आदेशों की अवहेलना तो हो ही रही है,साथ ही पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है।

नरहट में 18 जून को खरीफ महाअभियान सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

नरहट (नवादा)। प्रखंड कृषि कार्यालय, नरहट के प्रांगण में 18 जून 2026 को (शारदीय) खरीफ महाअभियान-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान कृषि विभाग द्वारा खरीफ मौसम में संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी किसानों को दी जाएगी। साथ ही कृषि वैज्ञानिकों द्वारा मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, प्राकृतिक खेती, मोटे अनाज (श्री अन्न) की खेती तथा आधुनिक कृषि तकनीकों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की जाएगी। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को नई कृषि तकनीकों एवं सरकारी योजनाओं से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करना है। कृषि समन्वयक अमरेंद्र भारती ने बताया कि क्षेत्र के सभी किसान भाइयों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में भाग लेकर विशेषज्ञों के मार्गदर्शन एवं विभागीय योजनाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक साबित होगा।

सहयोग शिविर में दर्जनों मामलों का हुआ निष्पादन

नारदीगंज(नवादा)। परमा पंचायत के प्राथमिक विद्यालय पन्छेका में मंगलवार को सबका सम्मान, जीवन आसान के निश्चय के तहत सहयोग शिविर आयोजित हुई। एसडीएम अनिल कुमार तिवारी, डीएसपी राहुल कुमार,बीडीओ सोनिया ढनढनिया,सीओ रईस आलम,समेत अन्य ने कार्यक्रम का विधिवत उदघाटन किये। इस मौके पर बीएओ विवेक कुमार गौरव, डा.इंद्रदेव कुमार, श्रम पर्वतन पदाधिकारी राम सागर पाल,बीईओ दीपक सक्सेना,कृषि समन्वयक संजय कुमार, समेत अन्य पदाधिकारी व कर्मी शामिल रहे। अधिकारियों ने कहा आमजनों के समस्याओं को सुनकर निष्पादित किया जाएगा। इसी बीच कोसला गांव स्थित भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी डा.नवनीत कुमार ने पशुपालन सम्बंधित सभी पशुपालक को जानकारी देकर जागरूक किया गया है। टीकाकरण, जिया टैकिंग के अलावा कृत्रिम गर्भाधारण के बारें (जिसमे केवल बछिया का जन्म होगा) में जानकारी दी गई है।

इस दौरान विभिन्न विभागों के 33 मामले आये। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी केंद्र पन्छेका(कोड संख्या 94) द्वारा पांच लाभुकों को पोषक,और प्राथमिक विद्यालय पन्छेका बेलदारी द्वारा पांच छात्रों को बैग उपलब्ध कराई गई। इसके अलावा दस लाभुकों को राशनकार्ड दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुखिया प्रतिनिधि दर्शनिया देवी व संचालन मुखिया संघ प्रखंड अध्यक्ष सह मुखिया प्रतिनिधि रामाधीन प्रसाद चौहान ने की। मुखिया प्रतिनिधि रामाधीन प्रसाद चौहान ने कहा यह शिविर में आप सबों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा, अधिकारी आपके द्वार में पंहुचे हैं,आप बेहिचक अपनी बात को रखें। इस शिविर में शिक्षा, राशन,बाल विकास परियोजना, स्वास्थ्य, कृषि, मनरेगा,लोहिया स्वच्छता अभियान, पशुपालन, बिजली समेत अन्य नौ विभाग के स्टाल लगाकर लाभुकों से आवेदन पत्र लेकर समस्याओं को सुनी गईं। इस दौरान आगत अतिथियों को मुखिया और मुखिया प्रतिनिधि समेत अन्य ने शाल और बुके देकर सम्मानित किया। मौके पर सुनील कुमार सिंह,सुभाष चौहान, रामाश्रय चौहान, रामजन्म चौहान, खुशीहाल चौहान, गुनगुन सिंह,मंटू राजवंशी ,राकेश कुमार स्वच्छता पर्यवेक्षक सतीश कुमार समेत विभिन्न गांव के ग्रामीण शामिल हुए।

खड़सारी पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में उमड़े फरियादी

कौआकोल। प्रखंड के खड़सारी पंचायत अंतर्गत करमाटांड़ गांव में मंगलवार को सरकार के निर्देश पर सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में दर्जनों ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन को प्रशासन द्वारा बनाये गए विभिन्न विभागों के काउंटर पर जमा कराया। वहीं शिविर में सदर एसडीओ अमित अनुराग ने स्वयं उपस्थित होकर जनसमस्याओं को सुना। मौके पर बीडीओ डॉ. अखिलेश कुमार,सीओ मनीष कुमार,बीपीआरओ शमा बानो समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने लोगों की समस्याओं को सुना तथा संबंधित मामलों में आवेदन प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान कई लाभुकों को विभिन्न सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का स्वीकृति पत्र मौके पर ही सदर एसडीओ द्वारा उपलब्ध कराया गया।

सहयोग शिविर में हो रहा त्वरित समाधान : जिला पदाधिकारी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में नवादा सदर प्रखंड अंतर्गत भगवानपुर पंचायत में बिहार सरकार के सात निश्चय-3 कार्यक्रम के तहत सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी ने कहा कि सहयोग शिविर आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को जिले के विभिन्न पंचायतों एवं वार्डों में सहयोग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां विभिन्न विभागों की सेवाएं एवं योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

जिला पदाधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा "सहयोग पोर्टल" भी प्रारंभ किया गया है, जिसके माध्यम से नागरिक अपनी शिकायतें एवं आवेदन ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों के निष्पादन हेतु 30 दिनों के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने संबंधित विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि वे संवेदनशीलता, जवाबदेही एवं तत्परता के साथ आमजनों की समस्याओं का समाधान करें, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर पात्र लाभुकों तक पहुंच सके।

शिविर के दौरान जिला पदाधिकारी द्वारा राशन कार्ड सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्वीकृति पत्र लाभुकों के बीच वितरित किए गए। कार्यक्रम के क्रम में जिला पदाधिकारी ने भगवानपुर पंचायत में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने पंचायत भवन परिसर स्थित पोखर का निरीक्षण भी किया तथा उसके जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण के लिए योजना तैयार कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया।

जिले के अन्य प्रखंडों एवं नगर निकायों में भी सहयोग शिविरों का आयोजन किया गया।वारिसलीगंज के कुटरी, सिरदला प्रखंड के बांधी, गोविंदपुर के बुधवारा, नारदीगंज के परमा, पकरीबरावां के दत्तरौल, कौआकोल के खड़सारी, अकबरपुर के पांती, रजौली के अमावां पूर्वी, नरहट के पालीखुर्द, हिसुआ के हदसा, मेसकौर के बिजू विगहा, रोह के भट्टा तथा काशीचक के पार्वती पंचायतों में शिविर आयोजित किए गए।

इसके अतिरिक्त नगर परिषद नवादा के वार्ड संख्या-38, नगर परिषद वारिसलीगंज के वार्ड संख्या-16, नगर परिषद हिसुआ के वार्ड संख्या-21 तथा नगर पंचायत रजौली के वार्ड संख्या-06 में भी सहयोग शिविर आयोजित किए गए। सभी शिविरों में प्राप्त एवं निष्पादित आवेदनों से संबंधित स्वीकृति पत्र लाभुकों के बीच वितरित किए गए। कार्यक्रम में वरीय पदाधिकारी, संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय जनकल्याण सह जन सहियोग शिविर का आयोजन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पकरीबरावां। सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम के तहत मंगलवार को प्रखंड मुख्यालय अवस्थित इंटर स्कूल पकरीबरावां में बीडीओ मृत्युंजय कुमार एवं पीओ बिनोद कुमार के देखरेख में तीन दिवसीय जनकल्याण सह जनसहियोग शिविर का आयोजन जिसका शुभारम्भ सामान्य प्रशासन विभाग का संयुक्त सचिव अनिल कुमार के द्वारा किया गया । बीडीओ मृत्युंजय कुमार ने बताया कि शिविर में प्रखंड स्तर के 21 विभाग मनरेगा राजस्व आंगनवाड़ी जीविका स्वास्थ्य श्रम संसाधन शिक्षा आपूर्ति सहित 21विभागों का स्टॉल लगाया गया जहां विभागीय पदाधिकारी एवं कर्मी जनता के समस्या से जुड़े आवेदन प्राप्त कर निष्पादन की प्रक्रिया किया गया।मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी बिनोद कुमार बताया 105 मजदूरों के आवेदन के आधार पर सभी को विभिन्न योजना के अंतर्गत काम मुहैया कराया गया।5 किसान पशुशेड का आवेदन दिया गया है जिसपर विचार किया जाएगा साथ ही VB-G Ram जी की जानकारी लोगो को दी गई। शिविर में co निशांत कुमार पीटीए राजदर्शी पीआरएस प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष संजीव कुमार सदस्य देवेंद्र सिंह मुकेश पासवान दिलीप राम संगीता कुमारी अभिमन्यु कुमार अजीत कुमार कार्यपालक सहायक जितेंद्र कुमार जीविका बीपीएम पूनम कुमारी प्रजापति सामुदायिक समन्वयक लक्ष्मी कुमारी अर्जुन चौधरी जेई रूपम कुमारी लेखपाल नीतू कुमारी लिपिक जितेंद्र प्रसाद थे।

सात प्रखंडों के स्वास्थ्य अधिकारियों को वेक्टर जनित बीमारियों की पहचान व उपचार का प्रशिक्षण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कौआकोल। प्रखंड के जेपी आश्रम सोखोदेवरा परिसर अवस्थित राजेंद्र भवन में मंगलवार को जिले के सात प्रखंडों-कौआकोल,काशीचक ,पकरीबरावां,रोह,अकबरपुर,गोविंद पुर एवं वारिसलीगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) के लिए मलेरिया,कालाजार, डेंगू एवं फाइलेरिया जैसे वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम,पहचान,जांच,उपचार एवं रिपोर्टिंग को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम निर्माण मण्डल के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य अधिकारियों को वेक्टर जनित रोगों के लक्षणों की शीघ्र पहचान, समय पर जांच, उचित उपचार तथा जनजागरूकता बढ़ाने के तरीकों की जानकारी दी। साथ ही इन बीमारियों की रोकथाम के लिए मच्छरों के प्रजनन को रोकने, साफ-सफाई बनाए रखने तथा लोगों को मच्छरदानी के उपयोग के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया गया। मौके पर राजेश पांडेय,आरिफ, रणविजय,विभीषण सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। प्रशिक्षण के अंत में सभी स्वास्थ्य अधिकारियों से अपने-अपने क्षेत्रों में लोगों को जागरूक करने और रोग नियंत्रण अभियान को प्रभावी ढंग से चलाने की अपील की गई।

रजौली के लाल हिमांशु सिंह जमशेदपुर में सम्मानित

नेशनल वन-स्टार बॉक्सिंग रेफरी व जज बनने पर क्षत्रिय संघ ने किया सम्मानित,परिजनों में खुशी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कार्यक्रम में सम्मानित करते विधायक, डिप्टी मेयर व संघ अध्यक्ष समेत अन्य

रजौली। रजौली के एक छोटे से गांव छपरा से निकलकर राष्ट्रीय मंच पर पहचान बनाने वाले हिमांशु सिंह नवादा जिले का पहला नेशनल वन-स्टार बॉक्सिंग रेफरी व जज बनने पर जमशेदपुर के माइकल जॉन ऑडिटोरियम में झारखंड क्षत्रिय संघ द्वारा सम्मानित किया गया। उनकी इस उपलब्धि से परिजनों समेत बिहार-झारखंड के खेल जगत में खुशी की लहर है। इस कार्यक्रम में पूर्वी सिंहभूम विधायक सरयू राय, डिप्टी मेयर अंकुर सिंह, झारखंड क्षत्रिय संघ के अध्यक्ष शम्भू नाथ सिंह, संघ के महिला इकाई के अध्यक्ष डॉ. कविता परमार, कार्यक्रम समन्वयक मंजू सिंह एवं एपी सिन्हा मौजूद रहे। बीते मार्च माह में आंध्र प्रदेश में आयोजित 'सामी रामकृष्णम राजू ट्रॉफी 2026' यू-23 पुरुष एवं महिला ओपन बॉक्सिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था। इसी दौरान इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन द्वारा नेशनल 'वन-स्टार' रेफरी एवं जज की परीक्षा ली गई। हिमांशु ने तकनीकी और व्यावहारिक दोनों चरणों में बेहतरीन अंकों के साथ सफलता प्राप्त की थी।

नवादा के पहले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी:- हिमांशु की यह जीत कई मायनों में ऐतिहासिक है। वे नवादा जिले के पहले ऐसे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने अब जिले के पहले नेशनल रेफरी और जज बनने का गौरव भी हासिल कर लिया है। झारखंड मुक्केबाजी संघ से जुड़े होने के कारण वे राज्य के छठे ऐसे अधिकारी बन गए हैं, जिन्होंने आईबीएफ के अंतर्गत नेशनल लेवल वन-स्टार का दर्जा प्राप्त किया है।

अब राष्ट्रीय मंचों पर निभाएंगे भूमिका:- इस कामयाबी के साथ हिमांशु अब राष्ट्रीय स्तर के मैचों में आधिकारिक निर्णायक की भूमिका निभाने के लिए अधिकृत हो गए हैं। एक खिलाड़ी के रूप में रिंग के भीतर जलवा बिखेरने के बाद अब वे बाहर एक निष्पक्ष निर्णायक के रूप में देश के मुक्केबाजों के भविष्य का फैसला करेंगे।

गांव में जश्न का माहौल:- हिमांशु की इस दोहरी सफलता की खबर जैसे ही उनके पैतृक गांव छपरा पहुंची, जश्न का माहौल बन गया। ग्रामीणों और स्थानीय खेल प्रेमियों ने इसे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक पल बताया। लोगों का कहना है कि हिमांशु ने साबित कर दिया कि दृढ़ संकल्प हो, तो संसाधनों की कमी और छोटे शहर की सीमाएं राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने में बाधा नहीं बन सकतीं। उनकी यह उपलब्धि रजौली और नवादा के उभरते खिलाड़ियों के लिए ऊर्जा का नया संचार करेगी।

प्रभारी मंत्री ने सदर प्रखंड में प्रखंड सहयोग-सह-जन-कल्याण शिविर का किया निरीक्षण

पात्र लाभुकों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर बल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा। जिले के सभी प्रखंडों मे तीन दिवसीय प्रखंड सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर का शुभारंभ किया गया। यह शिविर 16, 17 एवं 18 जून 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इसी क्रम में बिहार सरकार के लघु जल संसाधन विभाग के माननीय मंत्री-सह-नवादा जिला प्रभारी मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने जिला पदाधिकारी, नवादा श्री रवि प्रकाश की उपस्थिति में नवादा सदर प्रखंड परिसर में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान माननीय मंत्री ने उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस शिविर का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्तियों तक प्रभावी रूप से पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सरकार आमजन को एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराने तथा उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत है।

कार्यक्रम के दौरान माननीय मंत्री ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया तथा वहां उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं एवं योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर माननीय मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिविर के दौरान प्राप्त सभी आवेदनों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को योजनाओं का लाभ शीघ्रता से प्राप्त हो सके। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई तथा लाभुकों से आवेदन भी प्राप्त किए गए। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

रजौली में फर्जी ई-चालान पर अवैध पत्थर ले जा रहे दो ट्रक जब्त, 17.34 लाख का जुर्माना

दो लोग गिरफ्तार, भेजे गए जेल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। खनन विभाग और रजौली पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बीते सोमवार की रात्रि को चितरकोली समेकित जांच चौकी के पास अवैध पत्थर लदे दो ट्रकों को जब्त किया गया है। दोनों ट्रक चालक फर्जी ई-परिवहन चालान के आधार पर मध्यप्रदेश से पत्थर लाने का दावा कर रहे थे, जबकि जांच में 650 किमी की दूरी 12 घंटे में तय करना असंभव पाया गया। दोनों चालकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच चौकी पर अवैध चालान एवं इंट्री माफियाओं के विरुद्ध खनन विभाग लगातार कार्रवाई में जुटा हुआ है। इससे अवैध चालान के साथ चलने वाले ट्रक मालिकों एवं चालकों के साथ-साथ इंट्री माफियाओं में खौफ का माहौल व्याप्त है।

पहला मामला - 12 चक्का ट्रक:- बीते 15 जून की रात करीब 9:10 बजे कोडरमा की तरफ से आ रहे ट्रक संख्या जेएच12क्यू0558 को रोका गया। चालक रतनपुर दिबौर गांव निवासी मुकेश प्रसाद यादव के पुत्र बिक्कू कुमार ने मध्यप्रदेश का ई-चालान नंबर 2610401862 दिखाया।

ई-चालान के अनुसार लोडिंग प्वाइंट मध्यप्रदेश के सीधी से 15 जून सुबह 9:20 बजे पत्थर लोड कर पटना ले जाना था। जांच में पाया गया कि मध्य प्रदेश के सीधी से बिहार के नवादा की 650 किमी दूरी 12 घंटे में तय करना भौतिक रूप से संभव नहीं है। ट्रक में लगभग 587 घनफीट पत्थर लदा था। चालक के पास से दो मोबाइल जब्त किए गए। इस मामले में ट्रक पर 8.62 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

दूसरा मामला - 14 चक्का ट्रक:- रात करीब 9:50 बजे दूसरे ट्रक संख्या जेएच13एफ4091 को पकड़ा गया। चालक छतनी ढाब गांव निवासी कैलाश यादव के पुत्र संतोष कुमार यादव ने ई-चालान नंबर 2610401513 दिखाया। इसमें 15 जून सुबह 8:10 बजे सीधी से छपरा के लिए लोडिंग दिखाई गई थी। इस ट्रक में 674 घनफीट पत्थर लदा मिला। चालक के पास से भी मोबाइल जब्त किया गया। इस मामले में ट्रक पर 8.72 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

फर्जी चालान का खुलासा:- थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि खनन निरीक्षक संतोष प्रकाश झा के आवेदन के अनुसार, अवैध चालान के साथ दो ट्रकों को जब्त कर जांच चौकी पर लगाया गया है। साथ ही दो ट्रक चालकों को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार चालकों में छतनी गांव के संतोष कुमार यादव एवं दिबौर गांव निवासी बिक्कू कुमार शामिल है। उक्त मामले को लेकर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वहीं गिरफ्तार दोनों लोगों को मंगलवार को मेडिकल जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

रजौली और अमावां पूर्वी में सहयोग शिविर का आयोजन, 159 आवेदन पहुंचे, सुविधा के लिए लगाए गए 18 काउंटर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मंगलवार को रजौली प्रखंड में दो स्थानों पर सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित सभागार और अमावां पूर्वी पंचायत सरकार भवन में आयोजित इन शिविरों में कुल 159 आवेदन प्राप्त हुए। प्रशासन की सक्रियता से 51 आवेदनों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया, जबकि शेष मामलों के शीघ्र निष्पादन का भरोसा दिया गया। सहयोग शिविर में जिला स्तर के वरीय पदाधिकारियों की मौजूदगी रही। डीटीओ नवादा नवीन कुमार पाण्डेय व जिला उद्योग केंद्र से राहुल कुमार विशेष रूप से उपस्थित थे। इनके अलावा बीडीओ संजीव झा, सीओ मो. गुफरान मजहरी, सीडीपीओ सीता कुजूर, बीपीआरओ हरिमोहन कुमार समेत राजस्व, आपूर्ति, पंचायती राज, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा सहित सभी विभागों के प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी पदाधिकारियों ने टेबल लगाकर एक-एक कर आवेदकों की शिकायतें सुनीं और संबंधित विभाग को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

अमावां पूर्वी में 78 आवेदन, 51 का निष्पादन:- अमावां पूर्वी पंचायत सरकार भवन में आयोजित शिविर में कुल 78 आवेदन पहुंचे। शिविर से पूर्व प्राप्त 36 आवेदनों में से 34 का निपटारा शिविर में ही कर दिया गया। वहीं शिविर के दिन 42 नए आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 17 का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया। इस तरह पंचायत में कुल 51 आवेदनों का तत्काल समाधान हुआ। शेष 27 आवेदनों को संबंधित विभाग को भेज दिया गया है और अधिकारियों ने एक सप्ताह के भीतर निपटारे का आश्वासन दिया।

सहयोग शिविर में पदाधिकारी एवं ग्रामीण

प्रखंड मुख्यालय में 81 आवेदन दर्ज:- रजौली प्रखंड सभागार में आयोजित शिविर में कुल 81 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें जमीन विवाद, राशन कार्ड, पेंशन, आवास योजना, नल-जल, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, म्यूटेशन और उद्योग विभाग से जुड़े मामले प्रमुख थे। अधिकतर मामलों में कागजी कार्रवाई पूरी कर आवेदकों को रिसीविंग दी गई।

शिविर में रही बेहतर व्यवस्था:- गर्मी को देखते हुए शिकायत लेकर पहुंचे ग्रामीणों के लिए दोनों शिविर स्थलों पर बैठने के लिए टेंट, कुर्सी और शुद्ध पेयजल की उत्तम व्यवस्था की गई थी। टोकन सिस्टम से लोगों को बारी-बारी से बुलाया गया, जिससे किसी को असुविधा नहीं हुई। शिविर में शिकायतकर्ताओं की सुविधा के लिए 18-18 काउंटर लगाए गए थे।

बीडीओ संजीव झा ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर आयोजित होनेवाली सहयोग शिविर का मुख्य उद्देश्य जनता की समस्याओं का समाधान करना है। डीटीओ नवीन कुमार पाण्डेय ने कहा कि लंबित आवेदनों की मॉनिटरिंग जिला स्तर से की जाएगी और तय समय में निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। प्रशासन ने अपील की है कि लोग अपनी समस्या से जुड़े सभी कागजात के साथ शिविर में आएं, ताकि मौके पर ही समाधान हो सके।

संक्षिप्त समाचार

नालंदा में लोडेड कंटेनर में लगी आग, फायर ब्रिगेड की 4 गाड़ियों ने पाया काबू, शॉर्ट सर्किट की आशंका

नालंदा। नालंदा में बिहार शरीफ-बरबीघा मुख्य मार्ग पर इलेक्ट्रॉनिक्स सामानों से लदे चलते कंटेनर में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते लपटें और धुएं का गुबार उठने लगा। जिससे हाईवे पर कुछ समय के लिए वाहनों का परिचालन पूरी तरह ठप हो गया। इस हादसे में कंटेनर में रखे करीब 50 फीसदी से अधिक एसी और सामान जलकर खाक हो गए। घटना सारे थाना क्षेत्र के बहादुरपुर मोड़ के पास की है। ड्राइवर राजीव कुमार ने बताया कि एसी लोड करके सहरसा की ओर जा रहा था। रास्ते में अचानक कंटेनर से भारी मात्रा में धुआं निकलता हुआ दिखाई दिया। तुरंत गाड़ी को सड़क किनारे खड़ा किया और इसकी सूचना डायल-112 पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए बिहारशरीफ, अस्थावां, सरमेरा और बिंद से फायर ब्रिगेड की चार छोटी-बड़ी गाड़ियों को बुलाया गया। अग्निशमन पदाधिकारी अमरजीत कुमार के नेतृत्व में पहुंचे फायर फाइटर्स ममता शुभम, अभनिक, प्रभाकर ने कड़ी मशक्कत से आग पर पूरी तरह काबू पाया। जब तक आग बुझाई जाती, तब तक कंटेनर में लदे आधे से ज्यादा एसी जलकर नष्ट हो चुके थे। शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। सारे थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने बताया कि हाईवे पर आवागमन को सुचारू करा दिया गया है। वाहन मालिक या कंपनी की तरफ से लिखित आवेदन मिलने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस अपने स्तर से पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रही है।

मुहर्रम को लेकर धमौल थाना परिसर में शांति समिति की बैठक, शांतिपूर्ण त्योहार मनाने पर जोर

पकरीबरावां। मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं विधि-व्यवस्था के अनुरूप संपन्न कराने को लेकर मंगलवार को धमौल थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष हिमांशु कुमार ने की। बैठक में जनप्रतिनिधियों, समाज के प्रबुद्धजनों, ताजियादारों एवं शांति समिति के सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान मुहर्रम के आयोजन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। थानाध्यक्ष ने कहा कि मुहर्रम आपसी भाईचारे और सौहार्द का पर्व है। इसे शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने ताजियादारों एवं अखाड़ा समितियों से प्रशासन का सहयोग करने तथा निर्धारित नियमों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं दें और किसी तरह की समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल पुलिस प्रशासन को सूचित करें। बैठक में विभिन्न गांवों से निकलने वाले ताजियाओं की संख्या, अखाड़ों की संख्या, ताजिया के पहलाम की व्यवस्था, निर्धारित रूट एवं समय सीमा सहित अन्य आवश्यक जानकारियां ली गईं। साथ ही आयोजन के दौरान आने वाली संभावित समस्याओं एवं उनके समाधान को लेकर उपस्थित लोगों से सुझाव भी मांगे गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सभी ताजिया एवं अखाड़ा समितियों को निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा। थानाध्यक्ष ने सभी ताजियादारों को समय पर लाइसेंस के लिए आवेदन करने का निर्देश दिया। उन्होंने आवेदन की प्रक्रिया एवं उससे संबंधित शर्तों की भी जानकारी दी। साथ ही कहा कि बिना लाइसेंस किसी भी प्रकार के जुलूस या आयोजन की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा निर्धारित मार्ग और समय सीमा का अनुपालन अनिवार्य होगा। बैठक में जानकारी दी गई कि हर वर्ष की तरह इस बार भी धमौल, तुर्कबन, जसत, धरहरा और जम्हड़िया के अलावा जमुई जिले के आढ़ा एवं कैथा गांवों के ताजियादार धमौल इमामबाड़ा पर एकत्रित होंगे। यहां से सभी ताजिया जुलूस पड़रिया स्थित करबला तक जाएंगे, जहां पारंपरिक रीति-रिवाज के अनुसार ताजिया का पहलाम किया जाएगा। बैठक में धमौल सरपंच इंद्रजीत सिन्हा, पंचायत समिति सदस्य उपेंद्र सिंह, मोईन आलम, कैसर मंसूरी, ढोढ़ा के पूर्व मुखिया डॉ. अरुण कुमार, मो. तसौअर, गुलनी सरपंच धर्मेंद्र यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि, ताजियादार एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

बरियारपुर गांव में तीन दिवसीय माँ भगवती प्राण प्रतिष्ठा सह गायत्री महायज्ञ का हुआ भव्य समापन

कौआकोल। प्रखण्ड क्षेत्र के बरियारपुर गांव में रविवार से आयोजित तीन दिवसीय माँ भगवती प्राण प्रतिष्ठा सह गायत्री महायज्ञ का मंगलवार को पूरे विधि-विधान एवं श्रद्धा के साथ समापन किया गया। महायज्ञ के अंतिम दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरे भक्तिभाव के साथ माँ भगवती की विशेष पूजा-अर्चना की गई। समापन के अवसर पर भक्ति माहौल के बीच कीर्तन,भजन-गीत, संगीत तथा धार्मिक प्रवचन का आयोजन किया गया,जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आयोजन स्थल पर भक्तों के लिए कन्या पूजन का विशेष कार्यक्रम रखा गया,वहीं बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच भंडारे का भी आयोजन किया गया,जिसमें लोगों ने खीर के रूप में प्रसाद ग्रहण किया। गायत्री परिवार के प्रमुख सुरेश प्रसाद की देखरेख में महायज्ञ के दौरान कई धार्मिक एवं वैदिक संस्कार संपन्न कराए गए। इनमें जनेऊ संस्कार, अन्नप्राशन संस्कार समेत अन्य धार्मिक अनुष्ठान शामिल रहे। पूरे आयोजन के दौरान क्षेत्र का माहौल भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर ग्रामीण श्रीचंद प्रसाद,जवाहर यादव, महेंद्र यादव,प्रिंस कुमार,हरगौरी सिंह, मसुधन सिंह,मेघनाथ साव,दिनेश कुमार,दामोदर यादव,उमेश यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

48 लाख लूट के 2 आरोपियों को दौड़ाकर गोली मारी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गयाजी। गयाजी में ज्वेलरी शॉप से 48 लाख की लूट में शामिल 2 अपराधियों के पैर में गोली लगी है। इस दौरान लूट का सोना भी बरामद हुआ है। लूटकांड के मुख्य आरोपी सुजीत चौधरी के पैर में 3 गोलियां लगी हैं। दूसरे अपराधी मल्लाह के पैर में एक गोली लगी है। दोनों को मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां भारी सुरक्षा के बीच इलाज चल रहा है। SSP सुशील कुमार ने बताया, 'सोमवार रात करीब 12:00 बजे पुलिस को सूचना मिली थी। गुरूआ डकैती कांड से जुड़े अपराधी किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने के लिए मूवमेंट कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने जाल बिछाया। आमस थाना क्षेत्र के बनाही बालू घाट के पास घेराबंदी की गई। पुलिस ने अपराधियों को चारों तरफ से घेरकर सरेंडर करने की चेतावनी दी थी, लेकिन खुद को फंसता देख बेखौफ अपराधियों ने भागने की कोशिश की। पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दोअपराधियों के पैर में गोली लगी और वे वहीं गिर पड़े।'

गुनाह कबूला और लूट का सोना भी बरामद: अस्पताल के बेड पर पड़े अपराधियों ने पूछताछ में गुरुआ बाजार की डकैती में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। पकड़े गए अपराधी शेरघाटी और आमस थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। सबसे बड़ी कामयाबी यह रही कि पुलिस ने इनके पास से लूटा गया सोना बरामद कर लिया है। हालांकि, बरामद सोने की सटीक मात्रा कितनी है, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

पुलिस को चकमा देकर 3 अपराधी भागे: हालांकि, इस गिरोह के तीन अन्य अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। पुलिस की स्पेशल टीम फरार अपराधियों के ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है। SP ने दावा किया है कि जल्द ही बाकी के तीन आरोपी भी सलाखों के पीछे होंगे।

पुलिस मुठभेड़ में जख्मी होने के बाद पकड़े गए अपराधी सुजीत चौधरी और श्रवण मल्लाह आदतन अपराधी हैं। दोनों के खिलाफ जिले के आमस, गुरुआ, छकरबन्धा, शेरघाटी, थाना में लूट की वारदात को अंजाम दिए जाने का केस दर्ज है। श्रवण जेल भी जा चुका है। उसके खिलाफ खिलाफ झारखंड के कई थानों में भी केस दर्ज हैं।

गयाजी के गुरुआ में 27 मई को अपराधियों ने ज्वेलरी कारोबारी से 48 लाख की लूट की वारदात को अंजाम दिया था। चार हथियारबंद बदमाशों ने ज्वेलरी व्यवसायी को पहले गोली मारी। इसके बाद ज्वेलरी और कैश लूटकर फरार हो गए थे। घटना गुरुआ थाना क्षेत्र में हुई थी। पुलिस अपराधियों की तलाश में छापेमारी कर रही थी। घायल व्यवसायी की पहचान गुरुआ बाजार निवासी प्रभाकर बरनवाल के रूप में हुई थी। प्रभाकर गुरुआ बाजार स्थित एस ब्रदर्स ज्वेलर्स दुकान बंद कर अपने घर कार से लौट रहे थे। इसी दौरान करमाईन की तरफ से दो बाइक पर सवार चार अपराधी पहुंचे और उनको घेर लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया था कि बदमाशों ने कारोबारी पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। करीब 6 राउंड गोली चलने से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। फायरिंग के दौरान एक गोली प्रभाकर बरनवाल के दाहिने पैर में जांघ में लग गई। गोली लगते ही वह घायल होकर गिर पड़े। इसके बाद अपराधियों ने उनके पास मौजूद बैग छीन कर फरार हो गए।

फायरिंग के दौरान लगातार धमकी दे रहे थे बदमाश: ड्राइवर और स्टाफ सुभाष संगत ने बताया कि फायरिंग के दौरान बदमाश लगातार धमकी दे रहे थे। बदमाश कह रहे थे कि जमीन क्यों नहीं लिख रहे हो। इसके बाद उन्होंने बैग छीन लिया। बैग में करीब 40 लाख रुपए मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात और करीब पांच लाख रुपए नकद थे। लूट की घटना को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी गुरारू की ओर भाग निकले।

स्थानीय लोगों ने पहुंचाया हॉस्पिटल: घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर जुट गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायल व्यवसायी को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुरुआ पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल गया रेफर कर दिया गया।

फाफर प्रीमियम लीग (FPL) सीजन-1 का भव्य आगाज, खेल भावना के साथ हुआ सफल समापन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गुरारू (गया)। गुरारू प्रखंड के फाफर गांव में आयोजित फाफर प्रीमियम लीग (FPL) सीजन-1 नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ पंचायत समिति सदस्य कोंची-06 सुनीता कुमारी ने किया। उद्घाटन अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। अपने संबोधन में सुनीता कुमारी ने कहा कि खेल युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम है। खेलकूद से अनुशासन, संघर्ष, समर्पण और टीम भावना विकसित होती है, जो जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान करते हुए सभी टीमों के बेहतर प्रदर्शन की कामना की।

टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल, अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया। नाइट क्रिकेट प्रतियोगिता का रोमांच देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी मैदान में मौजूद रहे। पूरे आयोजन के दौरान दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। प्रतियोगिता के समापन समारोह में विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता शशांक कुमार मोनू ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित होने वाले ऐसे खेल प्रतियोगिताएं युवाओं की प्रतिभा को निखारने और उन्हें बेहतर मंच प्रदान करने का कार्य करती हैं। खेल सामाजिक समरसता, भाईचारे और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को भी मजबूत बनाता है। उन्होंने आयोजन समिति, खिलाड़ियों और सभी सहयोगियों को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में वार्ड सदस्य मंजू देवी, रजनीकांत शर्मा, डॉ. अरुण कुमार, समीर शेखर सोनू सहित कई गणमान्य लोग और खेल प्रेमी उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने इस आयोजन को क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय पहल बताया।

गयाजी में डेल्हा सहित केपी रोड में जाम

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गया। गया शहर की सबसे व्यस्त सड़कों में से एक केपी रोड और आसपास के क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित है। दिघी तालाब, केदारनाथ मार्केट, टावर चौक, रामना रोड, बाईपास, समीर तकिया, गेवाल बिगहा, डेल्हा, काशीनाथ मोड़, बाटा मोड़ और स्टेशन जैसे इलाकों में ऑटो और टोटो चालकों की मनमानी और सड़क किनारे अतिक्रमण के कारण रोजाना लंबा जाम लग रहा है।

केपी रोड पर पंजाब नेशनल बैंक के पास, जो कोतवाली थाना से कुछ ही दूरी पर है, ऑटो और टोटो चालक मनमाने ढंग से गाड़ी खड़े कर सवारियां बैठाते और उतारते हैं। वे निर्धारित स्थानों के बजाय सड़क के बीच और किनारों का उपयोग करते हैं। इससे सड़क की चौड़ाई कम हो जाती है और थोड़ी सी भी भीड़ बढ़ने पर गाड़ी की लंबी कतारें लग जाती हैं।

दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रहती: यह एक व्यस्त बाजार क्षेत्र है, जहां दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रहती है, जिससे जाम की समस्या और गंभीर हो जाती है। इस जाम के कारण राहगीर, छात्र, कर्मचारी और मरीज घंटों फंसे रहते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस का ध्यान केवल गाड़ी जांच और चालान काटने पर अधिक रहता है, जबकि जाम की मूल समस्या पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो रही है। गया शहर के निवासी रमेश कुमार ने बताया कि ऑटो और टोटो चालक सड़क के बीच और किनारों पर गाड़ी खड़ा कर सवारियां बैठाते-उतारते हैं, जिससे यातायात बाधित होता है। नागरिकों का कहना है कि कोतवाली थाना के आसपास पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं और रोजाना वाहन जांच अभियान चलाकर चालान भी काटे जाते हैं। इसके बावजूद, सड़क पर अव्यवस्थित ढंग से खड़े ऑटो और टोटो के खिलाफ लगातार और प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से यह समस्या बनी हुई है।

जाम के कारण ग्राहकों को भी परेशानी होती: लोगों का मानना है कि यदि सड़क पर अवैध पार्किंग और अतिक्रमण हटाने के लिए नियमित अभियान चलाया जाए, तो जाम की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है। कपड़ा दुकानदार पिंटू कुमार और अमरेश सिंह ने बताया कि जाम के कारण ग्राहकों को भी परेशानी होती है। कई बार एंबुलेंस और जरूरी काम से निकलने वाले लोगों को भी जाम में फंसना पड़ता है। इससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है और लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

गया शहरवासियों ने जिला प्रशासन और यातायात पुलिस से मांग की है कि केपी रोड पर ऑटो-टोटो के लिए निर्धारित स्टैंड की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, अतिक्रमण हटाने के लिए नियमित अभियान चलाया जाए और यातायात नियंत्रण के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाए। लोगों का कहना है कि केवल चालान काटने से व्यवस्था नहीं सुधरेगी, बल्कि जाम के मूल कारणों को दूर करने के लिए ठोस और स्थायी कदम उठाने होंगे। तभी केपी रोड पर यातायात सुचारु हो सकेगा और आम जनता को राहत मिल पाएगी। यातायात थानाध्यक्ष का कहना है कि शहर के सभी चौक चौराहों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। जाम की समस्या के लिए लगातार पहल हो रही है, पहले की जाम से काफी हद तक कम हुई है।

नालंदा में कड़ी सुरक्षा में पिंटू-श्रवण का हुआ अंतिम संस्कार, चोरी के शक में पीट-पीटकर हुई थी हत्या

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

लोजपा(रा.) के जिलाध्यक्ष का आरोप- जात पूछकर मारा

नालंदा। नालंदा में सोमवार सुबह चोरी के शक में उग्र भीड़ ने 2 युवकों की पीट-पीटकर हत्या कर दी। जिसके बाद से गांव में तनाव का माहौल है। मंगलवार को कड़ी सुरक्षा के बीच शव का अंतिम संस्कार किया गया है। सुरक्षा के लिए गांव में पुलिस की तैनाती की गई है। पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड में हैं।

'जात पूछकर मारा, 24 घंटे में हो गिरफ्तारी': वहीं, डबल मर्डर के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। लोजपा(रा.) जिलाध्यक्ष सत्येंद्र पासवान 'मुकुट' ने आरोप लगाया कि बच्चे राजगीर मेला घूमने गए थे। सुबह होने पर शौच जा रहे थे, तभी अपराधियों ने उन्हें घेर लिया। लड़कों से जात पूछी गई। पासवान सुनकर उनकी हत्या कर दी गई। अगर 24 घंटे के अंदर हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं हुई और पीड़ित परिवार को 20-20 लाख रुपए मुआवजा-सरकारी नौकरी नहीं मिली, तो लोजपा समर्थक सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन करेंगे। मलमास मेले में चप्पे-चप्पे पर पुलिस, मजिस्ट्रेट और सुरक्षाबल तैनात हैं। इसके बावजूद युवकों को एक-दो घंटे तक बेरहमी से पीटा गया और पुलिस नदारद रही। अगर पुलिस समय पर पहुंचती तो जान नहीं जाती।

उच्चस्तरीय जांच की उठाई मांग: जनसुराज नेता सत्येंद्र पासवान ने भी इसे प्रशासन का पूर्ण 'फेलियर' बताया। उन्होंने दावा किया कि यह एक सोची-समझी साजिश है। मंदिर परिसर के मुख्य पंडा की मिलीभगत से इस दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। इसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए।

'आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी': इस संबंध में राजगीर डीएसपी संजीत कुमार गुप्ता ने बताया कि कानून हाथ में लेने का अधिकार किसी को नहीं है। पुलिस साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर कड़ी कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

क्या है पूरा मामला: राजगीर में मलमास मेला देखने गए श्रवण और पिंटू की चोरी के शक में सोमवार तड़के 3 बजे पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। करीब 20 से अधिक लोगों ने दोनों की लाठी-डंडों और लात-घूंसों से आधे घंटे तक पिटाई की। शुरुआती पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक, श्रवण का एक हाथ टूट गया था। लिंचिंग के दौरान श्रवण और पिंटू को अंदरूनी चोटें आई थी। इंटर्नल ब्लिडिंग की वजह से दोनों की मौत हुई है। हालांकि, मौत की असली वजह की जानकारी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मिल पाएगी।

दीपनगर थाना क्षेत्र के रहने वाले गंजपर गांव के रहने वाले 24 साल के पिंटू पासवान और 22 साल के श्रवण पासवान चचेरे भाई थे। दोनों के घरवालों ने मृतकों के दोस्तों पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतकों के घरवालों ने बताया कि श्रवण और पिंटू के दोस्त रविवार शाम उनके घर आए थे। मलमास मेला का बहाना बनाकर अपने साथ ले गए और उनकी हत्या कर दी। चोरी का आरोप झूठा है। पुलिस इस मामले की पड़ताल करे और हम लोगों को न्याय दिलाए।

मलमास मेले में 4 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी, 33 कोटि देवी-देवताओं को दी गई विदाई

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

नालंदा। अनादि काल से सनातन परंपरा चली आ रही है। इसका सबसे बड़ा गवाह राजगीर का ऐतिहासिक मलमास मेला (पुरुषोत्तम मास) सोमवार को वैदिक मंत्रोच्चार, शांति और पूर्ण आध्यात्मिकता के साथ संपन्न हो गया। एक महीने तक 33 कोटि देवी-देवताओं का आतिथ्य करने वाली इस पवित्र धर्मनगरी से देवताओं को ससम्मान विदाई दी गई। इस बार राजगीर मलमास मेले ने आस्था और भीड़ के मामले में इतिहास के सारे पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं।

टूटा रिकॉर्ड- 30 दिन में 4 करोड़ श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी: 30 दिनों तक चले इस धार्मिक महाकुंभ में करीब 4 करोड़ श्रद्धालुओं ने पवित्र ब्रह्मकुंड, सप्तधारा, सरस्वती और वैतरणी में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया। पिछले मलमास मेले में करीब 2 करोड़ 70 लाख श्रद्धालु राजगीर पहुंचे थे। इस बार गर्मी की छुट्टियां, बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था, सुगम यातायात और रेलवे की ओर से चलाई गई स्पेशल ट्रेनों के कारण भीड़ में बेतहाशा वृद्धि दर्ज की गई। बिहार के हर जिले के अलावा झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा और नेपाल तक से भारी संख्या में श्रद्धालु पापों से मुक्ति और मोक्ष की कामना लेकर राजगीर पहुंचे।

उतरा धर्म ध्वज, देवताओं को दी गई विदाई: एक महीने तक राजगीर की फिजाओं में गूंजने वाले शंख-घड़ियाल और वैदिक मंत्रोच्चार सोमवार को देव-विदाई के मधुर स्वरों में बदल गए। राजगृह तीर्थ रक्षार्थ पंडा समिति के अध्यक्ष नीरज उपाध्याय और सचिव विकास उपाध्याय ने बताया कि पुरुषोत्तम महीने में राजगीर में प्रवास करने वाले 33 कोटि देवी-देवताओं की विधिवत विदाई के लिए विशेष अनुष्ठान किया गया। सोमवार सुबह 7 बजे से लेकर 8:46 बजे तक शुभ मुहूर्त में विशेष वैदिक अनुष्ठान, हवन और देव-पूजन संपन्न कराया गया। ब्रह्मकुंड और सप्तधारा परिसर में पूजा-अर्चना के बाद उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। इसके बाद, एक महीने पहले जिस धर्म ध्वजा को फहराकर मेले का शंखनाद किया गया था, यज्ञ स्थल पर स्थापित उसी ध्वज का वैदिक रीति से 'कड़ा' (विसर्जन/उतारने की प्रक्रिया) कर मेले की धार्मिक समाप्ति की गई।

चमका बाजार, व्यापारियों की हुई चांदी: मलमास मेला केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी नई जान फूंक दी। 30 दिनों तक राजगीर में पैर रखने की जगह नहीं थी, जिसका सीधा फायदा छोटे-बड़े हर तबके के कारोबारियों को मिला। स्थानीय व्यापारियों के मुताबिक, इस बार मेले में करीब 100 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हुआ है। मेले में बिहार के अलावा झारखंड और पश्चिम बंगाल से भी बड़ी संख्या में व्यापारी अपनी दुकानें लगाने पहुंचे थे।

एक महीने तक खिलौने, श्रृंगार सामग्री, धार्मिक पुस्तकें, प्रसिद्ध खाजा-पेड़ा, पूजन सामग्री, हस्तशिल्प वस्तुएं और कपड़ों की दुकानों पर ग्राहकों की भारी भीड़ रही। सबसे ज्यादा मुनाफा होटल, धर्मशाला और गेस्ट हाउस संचालकों को हुआ, जहां कमरों के लिए 'नो-रूम' की स्थिति बनी रही। इसके अलावा ई-रिक्शा, ऑटो चालकों, रेस्टोरेंट मालिकों और मनोरंजन (थिएटर, सर्कस, झूला) व्यवसाय से जुड़े लोगों की भी बंपर आमदनी हुई।

चौथे शाही स्नान में खली संतों की कमी: मेले के अंतिम चरण में सोमवार को ही चौथा अमावस्या शाही स्नान भी था। हालांकि, इस बार एक कसक जरूर रह गई। परंपरागत रूप से इस अंतिम शाही स्नान में निकलने वाली साधु-संतों, महंतों और नागा साधुओं की भव्य शोभायात्रा और सामूहिक शाही स्नान इस बार देखने को नहीं मिला। इसके पीछे के कारणों पर विभिन्न अखाड़ों ने चुप्पी साधे रखी। हालांकि, संतों के न आने के बावजूद आम श्रद्धालुओं की आस्था रत्तीभर भी नहीं डिगी और हजारों श्रद्धालुओं ने अहले सुबह से ही पवित्र कुंडों में स्नान किया।

सुनहरी यादें लेकर लौटे श्रद्धालु, अब तीन साल का इंतजार: एक महीने तक राजगीर पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा। 22 अग्निकुंडों और 52 जलधाराओं की इस नगरी में प्रवचनों, भजन-कीर्तन, रासलीला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मेले को एक अंतरराष्ट्रीय पहचान दी। सोमवार को ध्वज विसर्जन के साथ ही राजगीर की सड़कों पर रौनक भले ही कुछ कम हो गई हो, लेकिन यहां आए करोड़ों श्रद्धालु अपने साथ आध्यात्मिक शांति, मोक्ष का विश्वास और सुखद स्मृतियां लेकर अपने घरों को लौटे हैं। अब पावन नगरी को अगले तीन साल (अगले मलमास) का इंतजार रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

सहयोग शिविर मे 53 आवेदन पड़े 47 का निष्पादन

कोचस (रोहतास)। कोचस प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत रेड़िया अंतर्गत पंचायत सरकार भवन पर मंगलवार को वरीय उप समहर्ता विनीता कुमारी के नेतृत्व में सहयोग शिविर आयोजित की गयी। जिसमें ग्रामीणों द्वारा कुल 53 आवेदन प्राप्त हुए। प्रखंड विकास पदाधिकारी कोचस चन्द्रभूषण गुप्ता के अनुसार पेंशन से सम्बंधित 37 राजस्व से सम्बंधित पांच,जॉबकार्ड से सम्बंधित छः, आवास से सम्बंधित दो एवं आंगनवाड़ी केंद्र निर्माण, शिक्षा तथा पीएचड़ी से सम्बंधित एक एक आवेदन कुल 53 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें 47 आवेदनों का निष्पादन तुरंत कर दिया गया। बीडीओ ने बताया कि पिछले सहयोग शिविर से लेकर अबतक कुल 277 आवेदन मिला था जिसमें 246 आवेदनों का निष्पादन कर दिया गया है।

मीटर बायपास मे छः पर प्राथमिकी दर्ज

कोचस (रोहतास)। थाना क्षेत्र के कपसिया गांव में विद्युत विभाग की धावा दल की टीम ने सोमवार की देर शाम छापेमारी किया । जिसमें मीटर बाईपास कर बिजली चोरी करने वाले छः लोगों के ऊपर जुर्माना लगाते हुए कोचस थाना में प्राथमिकी करायी है। विद्युत विभाग के कनीय अभियंता राहुल रंजन ने बताया कि बिजली चोरी करने वाले कपसिया निवासी बच्चूलाल साह पर 12899 रुपये, अरुण कुमार पर 15007 रुपये,मुस्लिम मियां पर 12804 रुपये, विजय साह पर 11578 रुपये रामजी साह पर 13135 रुपये एवं दशरथ साह 15841 रुपये जुर्माना लगा कोचस थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है।

चोरी करते देख महिला चिल्लई, चोरों ने महिला को मार पीट समान फेक भागे

कोचस (रोहतास)। कोचस प्रखंड के नरवर गांव में सोमवार की देर रात अज्ञात चोरो के द्वारा चोरी करने का प्रयास घर के सदस्य के जागने के कारण टल गया. घटना के बाद घर के सभी सदस्य भयभीत हो पूरी रात जगे रह गए. घटना के बारे में बताया जाता है कि ग्राम पंचायत नरवर मे सीटू चौबे के घर मे बीती रात अज्ञात चोरों ने चारदीवारी फान घर के खुले दरवाजे के रस्ते प्रवेश किया, चोरों ने चोरी का कार्य शुरू ही किया था कि घर मे सोई सीटू चौबे की मां पानी पीने के लिए जगी और छत से उतर नीचे जाने लगी तभी समान गिरने की आवाज आई, जब उन्होंने आंगन मे पहुंचा तो देखा कि दो चोर बैग तथा घर मे रखे अन्य सामान लेकर भाग रहे हैं तभी उन्होंने शोरगुल मचाना शुरू किया जहां एक चोर ने बैग तथा कुछ सामान फेंक कर भाग निकला, जब की उन्होने दूसरे चोर को पकड़ने के लिए काफी प्रयास किया लेकिन चोर ने उनके साथ मारपीट उनको घायल कर हाथ छुड़ा भागने में कामयाब रहा। इतने में सीटू चौबे तथा परिवार जग कर आए तब तक वहां से चोर भाग निकले थे, सभी घरों में देखा गया कि समान तीतर वितर पड़ा हुआ है, वहीं इसकी जानकारी सीटू चौबे ने स्थानीय थाने को दी जहां सूचना पर पहुंचे दिनारा थाना एस आई राधेश्याम सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण कर अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

यज्ञ को ले हुई बैठक, कई निर्णयों पर बनी सहमति

कोचस (रोहतास)। आगामी होने वाली चातुर्मास व्रत सह श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की तैयारी को लेकर मंगलवार को गंगवलिया वन स्थित बाबा गंगेश्वर नाथ मंदिर परिसर में मासिक समीक्षा बैठक किया गया। बैठक में पिछले हुई बैठक के कार्यकलापों की समीक्षा की गई इसके बाद आगे की कार्यवाही शुरू करते हुए कई बिंदुओं पर चर्चा की गई।अगली बैठक की तिथि 15 जुलाई को निर्धारित की गई।बैठक मे सर्वसम्मत से यज्ञ समिति के नाम से खाता संचालन एवं समिति गठन को लेकर चर्चा की गई।साथ ही महायज्ञ की तैयारियों को जमीनी स्तर पर गति देने, कार्यों के विभाजन, व्यवस्थाओं एवं जनसहयोग को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि महायज्ञ के प्रत्येक कार्य को सुव्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाया जाएगा, जिससे यह आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन भव्य रूप से सम्पन्न हो सके।सभी श्रद्धालुजन, एवं धर्मप्रेमी बंधुओं से इस पुण्य कार्य में तन, मन एवं धन से सहयोग करने का विनम्र अनुरोध किया गया।बैठक की अध्यक्षता ललन चौबे एवं संचालन सुरेंद्र दुबे ने किया।मौके पर निरंतर पान्डेय,दीनानाथ ओझा, मुन्ना तिवारी, अरविंद ओझा, अशोक राय, सोनू शर्मा, वंश नारायण ओझा, रविकांत दूबे, रविंद्र तिवारी सहित अन्य उपस्थित थे।

बर्थडे पार्टी में जा रहे युवकों को बदमाशों ने घेरा, पिस्टल के बल पर लूटे मोबाइल और रुपये

करगहर (रोहतास)। बर्थडे पार्टी में शामिल होने जा रहे तीन युवकों को हथियारबंद बदमाशों ने बीच रास्ते में घेरकर लूट का शिकार बना लिया। चार बाइकों पर सवार आठ अपराधियों ने पिस्टल का भय दिखाकर तीनों युवकों से मोबाइल फोन और नकदी लूट ली। घटना सोमवार को करगहर थाना क्षेत्र के नयका रोड स्थित धर्म कांटा के समीप हुई। पीड़ित आदित्य कुमार ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि वह अपने साथी रितिक कुमार और अनुपम राज के साथ करगहर क्षेत्र में रहने वाले मित्र सूरज कुमार के जन्मदिन समारोह में शामिल होने जा रहे थे। सुबह करीब 10 बजे धर्म कांटा के पास पहुंचते ही दो बाइकों पर सवार चार युवकों ने उनकी बाइक रोक दी। इसी बीच पीछे से दो अन्य बाइकों पर सवार चार अपराधी भी पहुंच गए और तीनों को घेर लिया। बताया जाता है कि कुछ अपराधियों ने अपने चेहरे गमछे से ढंक रखे थे। बदमाशों ने युवकों से मोबाइल और रुपये छीनने शुरू कर दिए। विरोध करने पर एक अपराधी ने आदित्य कुमार की कनपटी पर पिस्टल सटा दी। हथियार देखकर तीनों युवक सहम गए, जिसके बाद अपराधियों ने उनसे मोबाइल फोन और नकदी लूट ली। लूट के दौरान आदित्य कुमार से मोबाइल और दो हजार रुपये, रितिक कुमार से मोबाइल व छह सौ रुपये तथा अनुपम राज से मोबाइल और पंद्रह सौ रुपये छीन लिए गए। घटना के बाद बदमाशों ने धमकी दी कि यदि किसी को जानकारी दी या शोर मचाया तो गोली मार दी जाएगी। करगहर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि मामले में आठ अज्ञात अपराधियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है। बाइकों के रजिस्ट्रेशन नंबर और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर छापेमारी की जा रही है।

प्रथम गटका गोल्ड कप बिहार राज्य चैंपियनशिप 2026 में रोहतास का शानदार प्रदर्शन, खिलाड़ियों ने जीते पदक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

(रोहतास) पटना। पटना स्थित मोइन-उल-हक स्टेडियम में 14 जून 2026 को आयोजित प्रथम गटका गोल्ड कप बिहार राज्य चैंपियनशिप 2026 में रोहतास जिले के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। बता दें कि प्रतियोगिता में खिलाड़ियों की शानदार उपलब्धियों के साथ-साथ रोहतास जिला गटका संघ के पदाधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। वही कार्यक्रम के दौरान रोहतास जिला गटका संघ के कोषाध्यक्ष सुधाकर मिश्रा को बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के सहायक निदेशक (क्रीड़ा) संजय कुमार द्वारा सम्मानित किया गया। वहीं संघ की सचिव एवं खिलाड़ी शालू सिंह राजपूत को अररिया की महापौर नीतू कुमारी ने सम्मानित किया। रोहतास जिला गटका संघ के कोषाध्यक्ष सुधाकर मिश्रा ने बताया कि अंडर-23 वर्ग में शालू सिंह राजपूत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक (द्वितीय स्थान) हासिल किया। वहीं अंडर-14 वर्ग में अमृत कुमार ने कांस्य पदक (तृतीय स्थान) जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया।प्रतियोगिता की विशेष उपलब्धि यह रही कि रोहतास जिला गटका संघ की सचिव शालू सिंह राजपूत ने 26 प्रतिभागी बालिकाओं के बीच कड़े मुकाबले में रजत पदक अपने नाम किया। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर उनका चयन राष्ट्रीय गटका प्रतियोगिता के लिए भी सुनिश्चित हो गया है।अपनी

सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए शालू सिंह राजपूत ने कहा कि जिले में गटका खेल के विकास की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए बच्चों को कम उम्र से ही व्यवस्थित प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है। उनका लक्ष्य है कि रोहतास की अधिक से अधिक बेटियां इस खेल में आगे बढ़ें और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा, हम सभी का सपना है कि हमारे बच्चे भविष्य में ओलंपिक जैसे बड़े मंच पर देश के लिए पदक जीतें। इसके लिए खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग, बेहतर प्रशिक्षण और निरंतर प्रोत्साहन मिलना चाहिए। इस अवसर पर खिलाड़ियों, अभिभावकों एवं खेल प्रेमियों ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी। रोहतास जिला गटका संघ के पदाधिकारियों ने भी शालू सिंह राजपूत और अमृत कुमार की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता में रोहतास के खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया कि जिले में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और उचित मार्गदर्शन मिलने पर वे बड़े स्तर पर सफलता हासिल कर सकते हैं।

सासाराम चेंबर ऑफ कॉमर्स की कोर कमेटी का हुआ गठनः व्यापारियों के हितों को मिलेगी नई मजबूती

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

सासारामः स्थानीय व्यापार जगत को नई दिशा देने और व्यापारियों की समस्याओं के प्रभावी समाधान के लिए सासाराम चेंबर ऑफ कॉमर्स की कोर कमेटी का विधिवत गठन किया गया है। इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को रोहतास चेंबर ऑफ कॉमर्स के मार्गदर्शन में संपन्न किया गया।

रोहतास चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री सच्चिदानंद प्रसाद जी की उपस्थिति में कोरे कमिटी का गठन किया गया। उन्होंने व्यापारिक एकता पर बल देते हुए नई कमेटी को शुभकामनाएं दीं। वहीं, इस अवसर पर सासाराम चेंबर ऑफ कॉमर्स के सेक्रेटरी अमित कुमार आर्या जी ने कमेटी की भावी योजनाओं और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

इस आयोजन के दौरान सदस्यों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। यह कोर कमेटी आने वाले समय में सासाराम के व्यापारियों के उत्थान और उनके व्यापारिक अधिकारों की रक्षा के लिए एक सक्रिय भूमिका निभाएगी।

कार्यक्रम में व्यापारिक समुदाय के कई प्रमुख सदस्य और पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने एक स्वर में चेंबर की मजबूती और व्यापारियों के हित में कार्य करने का संकल्प लिया।

नए सदस्यों का स्वागत.....

इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने सासाराम चेंबर ऑफ कॉमर्स की सदस्यता ग्रहण की, जिनमें प्रमुख हैंः

डॉ. इरफान अहमद, सरदार मनजीत सिंह, एडवोकेट अंजनी श्रीवास्तव, पंकज कुमार सोनी, अनुराग कुमार, अमित सोनी, जय प्रकाश सोनी, सोनू कुमार, दीपू कश्यप, काशी नाथ गुप्ता।

काराकाट प्रखंड मुख्यालय व अमौना में विशेष सहयोग शिविरः 277 आवेदनों में अधिकतर का त्वरित निपटारा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

काराकाट। प्रखंड मुख्यालय काराकाट और अमौना पंचायत के पंचायत सरकार भवन में मंगलवार को आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निपटान के उद्देश्य से विशेष सहयोग शिविर आयोजित किया गया। दोनों स्थलों पर विभिन्न विभागों के स्टाल लगे रहे और कुल 277 आवेदनों का नि-पत्रण/पंजीकरण हुआ, जिनमें से कई मामलों का मौके पर ही निपटारा कर दिया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह ने बताया कि अमौना पंचायत के शिविर में आज 109 आवेदन प्राप्त हुए, जबकि इससे पहले मिले आवेदनों सहित कुल 237 आवेदन पंजीकृत हुए। उन्होंने बताया कि इन आवेदनों में से भौतिक सत्यापन हेतु 13 आवेदन

शेष हैं; बाकी सभी का निष्पादन कर दिया गया है। प्रखंड मुख्यालय काराकाट में आयोजित जन-कल्याण सह सहयोग शिविर में विभिन्न विभागों को मिलाकर आज तक कुल 168 आवेदन प्राप्त हुए। उन्होंने पुष्टि की कि कुछ मामलों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। प्रखंड मुख्यालय शिविर में प्राप्त प्रमुख आवेदनों में पंचायत राज विभाग से हरीओम पंडित (बेनसगर पंचायत) की सोलर समस्या, फूलवन्ती कुमारी (अमरथा पंचायत) की सौर ऊर्जा संबंधी शिकायतें शामिल हैं। राजस्व विभाग के माध्यम से किरही के मंगल राम की भूमिहीनता से संबंधित शिकायत और मुंजी के रामनाथ सिंह का प्लॉट सुधार से संबंधित आवेदन भी उठाए गए। कुल मिलाकर प्रखंड मुख्यालय से सिविल प्रकरणों के 168 मामले सामने आए। राहुल कुमार सिंह ने बताया कि बिहार सरकार के निर्देशानुसार प्रखंड स्तर पर और भी सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे। प्रखंड मुख्यालय पर 16, 17 व 18 जून को विशेष शिविर की रूपरेखा तैयार की गई है; वर्तमान में 17 और 18 जून के शिविर बचे हैं। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि अधिक से अधिक लोग 17 व 18 जून को प्रखंड मुख्यालय पहुंचकर अपनी समस्याओं का निस्तारण कराएँ। शिविरों का उद्देश्य समस्याओं को सरल रूप में स्वीकार कर उनका समयबद्ध और प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित करना है। इसके लिए एक विस्तृत माइक्रोप्लान तैयार किया गया है, जिसके तहत शिविर से 30 दिन पहले ही आवेदन लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है। प्राप्त आवेदनों का विधिवत पंजीकरण कर संबंधित विभागों के समन्वय से शीघ्र निपटारा सुनिश्चित किया जाएगा।

काराकाट में प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, खेत बचाओ अभियान पर जोर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

काराकाट / रोहतास । शारदीय (खरीफ) महा अभियान 2026 के तहत प्रखंड मुख्यालय काराकाट में मंगलवार को प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अनुमंडल कृषि पदाधिकारी अमित कुमार और उपस्थित किसानों ने दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर कृषि समन्वयक ने आए अतिथियों का पौधे के गमले देकर स्वागत किया। प्रशिक्षण में धान विशेषज्ञ, वनस्पति अनुसंधान इकाई के डॉ. प्रकाश सिंह, मिट्टी-प्रयोगशाला के तकनीकी विशेषज्ञ प्रवीण कुमार पटेल तथा अनुमंडल कृषि पदाधिकारी अमित कुमार ने खेत बचाओ अभियान, स्वस्थ मिट्टी, स्वस्थ भोजन और स्वस्थ जीवन से जुड़ी जानकारियाँ दीं। उन्होंने प्राकृतिक नियमों के साथ खेती करने और टिकाऊ कृषि अपनाने पर जोर देते हुए मृदा संरक्षण के अनेक उपाय बताए। साथ ही उर्वरकों के समुचित उपयोग, उनके मापदंड और प्रयोग की विस्तृत निर्देशिका किसानों को समझाई गई। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि किसान आईडी (फार्मर आईडी) बनाना अनिवार्य कर दिया गया है। आगे चलकर बिना फारमर रजिस्ट्रेशन के बीज तथा उर्वरक उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे, इसलिए सभी किसानों से शीघ्र पंजीकरण कराने का आग्रह किया गया। प्रखंड तकनीकी प्रबंधक अजीत सिंह कार्यक्रम के संयोजक द्वारा किसानों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी भी दी। प्रशिक्षण के दौरान प्रश्नोत्तर सत्र में किसानों ने कृषि संबंधी तकनीकी मुद्दों पर विशेषज्ञों से मार्गदर्शन लिया। कार्यक्रम में आत्मा के अध्यक्ष राम चन्द्र राम, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष अजीत सिंह, आरएलएम प्रखंड अध्यक्ष दिनेश चंद्रवंशी व भाजपा नेता सुनील सिंह उपस्थित रहे। अन्य हिस्सेदार किसानों में बीरेंद्र सिंह, गर्जन सिंह, निखिल प्रकाश, सूरज सिंह, विमला देवी व प्रिया कुमारी शामिल थीं। आयोजन में बड़ी संख्या में स्थानीय किसान-प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया और कार्यक्रम को उपयोगी बताया।

मुहर्रम पर्व को लेकर आयर कोठा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक सम्पन्न

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

डेहरी (रोहतास)। आयर कोठा थाना परिसर में मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर मंगलवार के दिन शाम 6 बजे आयर कोठा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष शिवम कुमार ने की।

बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, दोनों समुदायों के प्रबुद्ध लोग और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। थानाध्यक्ष ने सभी से आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान कोई भी नई परंपरा शुरू न करें और निर्धारित रूट से ही ताजिया जुलूस निकालें। इस बार थाना क्षेत्र मे 7 जगहों पर ताज़िया का जुलूस निकाला जायगा।

डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा, हथियार के प्रदर्शन नहीं होगा और अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। थानाध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट से बचने की भी हिदायत दी। उन्होंने सभी से प्रशासन का सहयोग करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने का आग्रह किया। मौके पर एस आई शिव कुमार राय, ददन पासवान,सलामत मियां, मोहम्मद जहीर, मुख्तार अंसारी,असरफ अंसारी सहित अन्य लोग मौजूद रहें।

रोहतास के सभी 19 प्रखंडों में लगा प्रखंड सहयोग सह जन-कल्याण शिविर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बिक्रमगंज / रोहतास। राज्य सरकार के निर्देशानुसार रोहतास जिले के सभी 19 प्रखंडों में प्रखंड सहयोग सह जन-कल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आम नागरिकों तक सरल, पारदर्शी एवं प्रभावी तरीके से पहुंचाना है।

विद्युत अधीक्षण अभियंता, सासाराम ई. इन्द्रदेव कुमार ने बताया कि विद्युत विभाग द्वारा पंचायत स्तर पर संचालित सहयोग शिविर पूर्व की भांति नियमित रूप से जारी रहेंगे। इसके अतिरिक्त 16 से 18 जून तक प्रखंड स्तर पर विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं, जहां विभिन्न विभागों द्वारा नागरिकों को सरकारी योजनाओं की जानकारी, आवेदन संबंधी सहायता तथा समस्याओं के त्वरित समाधान की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

उन्होंने बताया कि विद्युत विभाग द्वारा शिविरों में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, कुटीर ज्योति योजना सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं से संबंधित जानकारी एवं सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इससे पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी तथा उनकी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर ही समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है, ताकि किसी भी पात्र लाभार्थी को जानकारी अथवा प्रक्रिया संबंधी कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। प्रखंड स्तर पर आयोजित इन शिविरों से योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को और गति मिलेगी।

गौरतलब है कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान तथा सरकारी योजनाओं की पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से पिछले माह से सहयोग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। ग्राम पंचायत स्तर पर इन शिविरों की शुरुआत 19 मई से हुई थी, जिसके बाद नगर पंचायत स्तर पर भी शिविर आयोजित किए गए। अब प्रखंड स्तर पर इस व्यवस्था के विस्तार से जनसेवाओं की पहुंच और अधिक सुदृढ़ होने की उम्मीद है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी सह प्रमाण-पत्र वितरण एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा। मॉडर्न शैक्षणिक समूह, नवादा के संयुक्त तत्वावधान में गुरोबिंदा कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग, त्रिवेणी कॉलेज ऑफ नर्सिंग तथा नवादा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, नवादा के सभागार में "डिजिटल हेल्थ एवं नर्सिंग प्रैक्टिस" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सह प्रमाण-पत्र वितरण एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न नर्सिंग पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण प्रशिक्षुओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथियों एवं पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं बिहार सरकार के लघु जल संसाधन विभाग बिहार सरकार सह अध्यक्ष सह प्रभारी मंत्री जिला कार्यन्वयन समिति, नवादा के माननीय मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने अपने संबोधन में कहा कि यदि विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ना है तो उन्हें निरंतर संघर्ष एवं परिश्रम करना होगा। उन्होंने कहा कि "नर्स का दूसरा स्वरूप माँ के समान होता है।" समाज में नर्सों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कोरोना काल में नर्सों ने जिस समर्पण, सेवा और त्याग का परिचय दिया, वह पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। जब लोग अपने परिजनों से भी दूर हो रहे थे, उस समय नर्सों ने मानवता की सेवा कर मातृत्व और करुणा का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने नर्सिंग पेशे से जुड़े सभी लोगों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्हें सेवा के इस महान कार्य में और अधिक सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए, क्योंकि नर्सों को सेवा की प्रतिमूर्ति भी माना जाता है। वे अस्पतालों में मरीजों की देखभाल करने के साथ-साथ चिकित्सकों की सहायता करती हैं तथा रोगियों के स्वास्थ्य एवं आराम का विशेष ध्यान रखती हैं।

मॉडर्न शैक्षणिक समूह, नवादा के सचिव डॉ. शैलेश कुमार ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि संस्थान नर्सिंग

शिक्षा के विकास एवं विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए निरंतर समर्पित है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन एवं सेवा-आव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अपने कर्तव्यों के प्रति सदैव सजग रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मॉडर्न शैक्षणिक समूह के अध्यक्ष डॉ. अनुज सिंह ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी को धन्यवाद दिया। समारोह में बड़ी संख्या में प्रशिक्षु, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। जिसमे गुरोबिंदा कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग की ओर से शोभा कुमारी, विभा कुमारी, शिवानी कुमारी, मोतीमणि, रविकांत कुमार, शंकर कुमार, अक्षय कुमार एवं गौरव कुमार उपस्थित रहे। त्रिवेणी कॉलेज ऑफ नर्सिंग की ओर से निशु कुमारी, कुंदन कुमार, रमेश कुमार एवं संजय कुमार कश्यप तथा नवादा कॉलेज ऑफ नर्सिंग की ओर से प्रीति कुमारी, सोनामणि एवं बालवीर भूषण उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन डॉ. मनीराम ने किया, जबकि प्रीति कुमारी एवं शिवानी कुमारी ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

संक्षिप्त समाचार

मां के सामने बेटे की मौत

भागलपुर । भागलपुर में तेज रफ्तार जुगाड़ गाड़ी ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गी। जबकि मां और बहन घायल हुईं हैं। घटना जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दुमका-भागलपुर मुख्य मार्ग स्थित होटल अशोक के पास की है। मृतक की पहचान बांका जिले के रजौन थाना क्षेत्र निवासी नीरज कुमार यादव(14) के रूप में हुई है। घायलों में उसकी मां ऊषा देवी और बहन करिश्मा शामिल है। मां के सामने ही बेटे ने तड़पतड़प कर दम तोड़ा। नीरज अपनी मां और बहन के साथ घरेलू सामान खरीदने के लिए बाजार जा रहा था। इसी दौरान यह हादसा हो गया। पिता विजय कुमार यादव ने बताया कि तीनों ई-रिक्शा पर सवार होकर भागलपुर की ओर जा रहे थे। जगदीशपुर-रजौन थाना क्षेत्र की सीमा के पास भागलपुर से बालू अनलोड कर लौट रही एक जुगाड़ गाड़ी ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी। नीरज गाड़ी के नीचे दब गया, जिससे उसकी जान चली गई। मां और बेटी का जगदीशपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा है। मामले की सूचना पर स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची। क्षतिग्रस्त गाड़ी को जब्त कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए मायागंज अस्पताल भेजा गया है। मामले की छानबीन की जा रही है।

परीक्षा केंद्र के बाहर से बताता था उत्तर, 8 लाख में नौकरी का सौदा

भागलपुर । सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर चल रहे एक संगठित परीक्षा गिरोह का बरारी पुलिस ने बीते रविवार को भंडाफोड़ किया था। गिरोह का तरीका इतना सुनियोजित था कि परीक्षा केंद्र के अंदर बैठे अभ्यर्थी और बाहर बैठे गिरोह के सदस्य एक साथ पूरी परीक्षा संचालित करते थे। चयन की गारंटी के बदले अभ्यर्थियों से 5 से 8 लाख तक लेता था। बड़ी खंजरपुर स्थित कांची साहू लेन में पुलिस ने पहले छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान खगड़िया निवासी कुंदन कुमार उर्फ देबु सर और झंडापुर निवासी देव कुमार को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने मौके से मोबाइल फोन, लैपटॉप, ब्लूटूथ डिवाइस, प्रवेश पत्र, मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्र और अन्य उपकरण बरामद किए। गिरफ्तार मास्टरमाइंड खगड़िया का पसराहा निवासी कुंदन कुमार, झंडापुर निवासी देव कुमार और उसके भाई अमित कुमार के साथ सहरसा निवासी दिलीप कुमार को सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। उसकी निशानदेही पर कैमूर से सोमवार को दो आरोपी को हिरासत में भागलपुर लाया गया। जांच में सामने आया है कि गिरोह प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थियों को सरकारी नौकरी दिलाने का भरोसा देता था। परीक्षा से पहले अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण देता था। उनके कान में इयर पीस लगाया जाता था। बनियान के नीचे एक अलग मशीन बांधी जाती थी। अभ्यर्थी को डिवाइस कैसे इस्तेमाल किया जाए इसकी ट्रेनिंग देता था। परीक्षा शुरू होने के बाद बाहर बैठे सदस्य प्रश्नों के उत्तर अभ्यर्थियों तक पहुंचाते थे। अभ्यर्थी उत्तर सुन उत्तरपुस्तिका भरते थे। पुलिस के अनुसार गिरोह पहले उपकरण उपलब्ध कराने के नाम पर 20 से 30 हजार लेता था। परीक्षा में सफलता मिलने और नौकरी सुनिश्चित होने के बाद लाखों की वसूली की जाती थी। गिरोह अभ्यर्थी से दसवीं और बारहवीं के मूल अंकपत्र, साइन किया हुआ बैंक के खाली चेक और स्टॉप पेपर पर लिखित गारंटी लेता था। नौकरी लगने के बाद हर अभ्यर्थी से पांच से आठ लाख मिलने के बाद ही दस्तावेज लौटाता था। छापेमारी में पुलिस को मधेपुरा, भोजपुर, गया, बांका, सहरसा और भागलपुर के कई अभ्यर्थियों के दस्तावेज मिले हैं। देव के पकड़े जाने पर गिरोह का भंडाफोड़ आरोपी देव सर बड़ी खंजरपुर स्थित राजीव कुमार घोष के मकान में रहता था। उसके साथ झंडापुर का देव कुमार और अजीत के साथ बिहपुर का जयरामपुर निवासी सुदर्शन रहता था। मुख्यालय से मिले इनपुट के आधार पर बरारी पुलिस सबसे पहले देव सर के किराये के मकान बड़ी खंजरपुर पहुंची। वहां कुंदन और देव पकड़ाया।

दामाद को ससुराल में बंधक बनाकर पीटा, मारपीट का वीडियो वायरल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

भागलपुर । भागलपुर में साला के चोरी करने का विरोध करने पर जीजा को 3 दिन तक बंधक बनाकर उसकी पिटाई की गई। मामला, पुलिस जिला नवगछिया के नवगछिया थाना क्षेत्र के चांदपुर गांव का है। घायल की पहचान सहरसा के सलखुआ थाना क्षेत्र मुबारकपुर निवासी मकसूद आलम के बेटे मोहम्मद केसर (25) के तौर पर की गई है। घायल पटना में डिज़ाइनिंग मिस्त्री का काम करता था। उन्हीं के पास उनका साला काम सीखने के लिए गया हुआ था। वहां वह एक कमरे में रह रहे 5-6 लोगों के साथ रहता था। साले ने जीजा के जेब से रुपये की चोरी कीगा। दो दिन शिकायत मिलने के बाद जीजा ने उसे समझाया। तीसरे दिन जब साले ने फिर चोरी की, तो उसे जीजा की तरफ से दो थप्पड़ मारा गया।

ससुराल में 3 दिन तक बंधक बना कर पीटा : मारपीट की घटना की जानकारी साले ने अपने पिता को दे दी, जिसके बाद मोहम्मद केसर के ससुर ने अपने बेटे को वापस नवगछिया घर बुला लिया। 10 दिन पहले मोहम्मद केसर की पत्नी ने बेटे को जन्म दिया था। छठी के अवसर का बहाना बनाकर मोहम्मद केसर को भागलपुर बुलाया गया। इसके बाद ससुराल में 3 दिन तक बंधक बनाकर उसकी जमकर पिटाई की गई। मारपीट का आरोप साला निहाल, मोहम्मद कुर्बान, चांद खातून समेत घर के सभी सदस्यों पर लगाया गया है। मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें केसर को लात-घूंसों से पीटते हुए देखा जा रहा है। वीडियो करीब 10 मिनट का है और उसमें लगभग आधा दर्जन लोग उसकी पिटाई करते हुए नजर आ रहे हैं। तीन दिन तक लगातार पिटाई के बाद जब उसकी स्थिति गंभीर हो गई, तब ससुराल पक्ष की ओर से वीडियो वायरल किया गया।

परिजनों ने घायल को अस्पताल में कराया भर्ती : वीडियो वायरल होने के बाद मोहम्मद केसर के परिजनों को इस बात की जानकारी मिली। जब मोहम्मद केसर के परिवार वाले उसके ससुराल पहुंचे, तो किसी तरह उसे घायल अवस्था में वहां से निकालकर नवगछिया अस्पताल ले गए, जहां इलाज के बाद उसे बेहतर उपचार के लिए मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायल मोहम्मद केसर की पत्नी रुखसाना खातून ने बताया कि वो पिता से बार-बार गुहार लगाती रही कि मेरे पति को मत मारो, लेकिन पिता नहीं माने। केसर के मामा मोहम्मद शाहिद ने बताया कि पत्नी जब मारपीट छुड़ाने के लिए पहुंची, तो उसके पिता ने कहा कि "यह मर जाएगा तो हम तुमसे दूसरी शादी कर देंगे।" घायल के तीन बच्चे हैं। 10 साल पहले उसकी शादी रुखसाना खातून से हुई थी। फिलहाल पुलिस को आवेदन दिया गया है। पुलिस ने उसे इलाज के लिए भेजा है। मामले की जांच की जा रही है। नवगछिया थानेदार रवि शंकर सिंह ने बताया कि आवेदन मिला हुआ है।

मिर्जापुर डैम से हथियार बरामद

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बांका । बांका जिले के बाराहाट थाना क्षेत्र में पुलिस ने मिर्जापुर डैम के पास से दो अवैध हथियार और 21 जिंदा गोलियां बरामद की हैं। पुलिस की कार्रवाई के दौरान दोनों अपराधी मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। बौसी एसडीपीओ इंद्रजीत बैठा ने मंगलवार को बाराहाट थाना परिसर में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 15 जून को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के अनुसार, मिर्जापुर लवधरिया टोला से सटे मिर्जापुर डैम के पास दो अपराधी अवैध हथियारों के साथ मछली मार रहे थे। इस सूचना पर पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा के निर्देश पर एसडीपीओ इंद्रजीत बैठा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम जब बताए गए स्थान पर पहुंची, तो दो अपराधी हथियार लेकर खड़े मिले।

पुलिस को देखते ही दोनों भागने लगे। पुलिस ने उनका पीछा किया, लेकिन वे झाड़ियों का फायदा उठाकर फरार होने में सफल रहे। भागते समय अपराधियों ने अपने हथियार झाड़ियों में फेंक दिए।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा संख्या: एलआरसी-3_सीटी_एमएलआर-150-आरएसपी, दिनांक: 12.06.2026। उप मुख्य यांत्रिक अभियंता (एलएचबी), पूर्व रेलवे, लिलुआ, हावड़ा, पिन-711204 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए वित्तीय एवं तकनीकी क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से ऑनलाइन के जरिये ई-निविदा (खुली निविदा) आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम:** कार्य के अवसर के अनुसार 150 एलएचबी कोचों की मध्य जीवन पुनर्बहाली (एमएलआर)। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 71,18,86,513.94। **बयाना राशि:** ₹ 1,42,37,700। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** ₹ 0। **निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** 02.07.2026 को दोपहर 2.00 बजे। वेबसाइट जहाँ निविदा का सम्पूर्ण विवरण उपलब्ध है: **www.ireps.gov.in**। निविदादाताओं से यह अनुरोध है कि वे निविदा सूचना के प्रकाशन के बाद प्रकाशित किसी भी संशोधनी को प्राप्त करने के लिए आईआरईपीएस पोर्टल को अक्सर देखते रहें।

(MISC-75/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट:**www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

व्याकुल राहुल गांधी सुपर फर्जीवाड़ा करने लगे हैं

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बेगूसराय । बेगूसराय में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए ट्रेन में भीड़, घुटन और बेबसी पर सवाल उठाए थे। इस पर गिरिराज सिंह ने कहा कि वो खुद फर्जी हैं, इसलिए फर्जी वीडियो जारी करते हैं। रेलवे ने इसका खंडन किया है। राहुल गांधी फर्जी काम करना बंद करें, यह नरेंद्र मोदी जी को बदनाम करने के लिए पहले झूठ बोलते हैं, अब सुपर फर्जीवाड़ा करने लगे हैं। मैं तो कहूंगा कि राहुल गांधी ने जो यह काम किया है, इसके लिए सोशल मीडिया अकाउंट को फ्रिज किया जाए। रेलवे की ओर से राहुल गांधी पर केस किया जाए।

'सत्ता के लिए झूठा माहौल बना रहे हैं' : गिरिराज सिंह ने कहा कि कोई व्यक्ति का मृत्यु होगा तो थाने में केस कैसे नहीं होगा। राहुल गांधी व्याकुल हैं, सत्ता पाने की होड़ में देश में झूठा माहौल बना रहे हैं। भ्रम फैला रहे हैं, यही उनका काम है। फर्जी वीडियो जारी करके देश में भ्रम फैलाने का काम करते हैं। स्लोवाकिया में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश का सर्वोच्च सम्मान दिया गया है। इस पर गिरिराज सिंह ने कहा कि 32 देश ने पहले भी नरेंद्र मोदी को सर्वोच्च सम्मान दिया है। यह भारत के वैभव का सम्मान है, भारत के डेढ़ सौ करोड़ जनता का सम्मान है। मोदी जी भारत के उस सम्मान के प्रतीक हैं। कौन क्या बोलता है, टुकड़े-टुकड़े क्या बोलता है, इससे मतलब नहीं है। दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ रहा है और उसके प्रतीक मोदी जी हैं।

राहुल गांधी ने वीडियो जारी कर सरकार को घेरा था : बता दें, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ने ट्विटर पर एक वीडियो शेयर करते हुए रेलवे और सरकार पर जोरदार तंज कसा था। राहुल गांधी ने कहा था कि इस वीडियो ने मुझे झकझोर दिया। ये उस भारत के लाचार युवा हैं, जिसकी सरकार अपने अरबपति दोस्तों पर लाखों करोड़ लुटा देती है, पर अपने ही छात्रों को एक सुरक्षित सफर तक नहीं दे सकती। चुनाव के वक्त यही सरकार पूरी-पूरी ट्रेनों का इंतजाम कर लेती है। परीक्षा देने जा रहे छात्रों के हिस्से में आती है भीड़, घुटन, और बेबसी। इससे बड़ा सबूत क्या होगा कि मोदी सरकार छात्रों की गूंज सुनना ही नहीं चाहती। पर मैं वादा करता हूं हम यह आवाज उन बहरे कानों तक पहुंचाएंगे। राहुल गांधी के इस ट्वीट का ECR रेलवे ने खंडन किया है। रेलवे ने ट्वीट कर कहा है कि उक्त घटना पाटलिपुत्र स्टेशन की नहीं है। यह भी स्पष्टतया बताना है कि किसी भी व्यक्ति की मृत्यु से संबंधित कोई भी सूचना किसी भी स्रोत से नहीं है।

मंजूषा कला को वैश्विक पहचान दिलाने पर मंथन

भागलपुर । बिहार संग्रहालय, आसरा सेवा केंद्र, भोजपुर और दिशा ग्रामीण विकास मंच द्वारा गांधीधाम में आयोजित दो दिवसीय मंजूषा कार्यशाला एवं प्रदर्शनी का समापन सोमवार को हो गया। मुख्य अतिथि बिहार संग्रहालय, पटना के अपर निदेशक अशोक कुमार सिन्हा ने कहा कि जिस प्रकार मिथिला कला संस्थान है। उसी तर्ज पर मंजूषा क्षेत्र के लिए कला संस्थान की स्थापना हो। जिसमें कलाकारों को डिग्री मिले और सरकार नौकरी भी दे। कलाकारों, कला प्रेमियों और संस्थाओं को एकजुट होकर कार्य करना होगा। कार्यशाला में शामिल कलाकारों की चयनित कलाकृतियों की प्रदर्शनी निकट भविष्य में बिहार संग्रहालय, पटना में आयोजित की जाएगी। लेखक शिवशंकर सिंह पारिजात व साहित्यकार डॉ.अमरेंद्र ने कहा कि मंजूषा लोक कला में केवल बाला-बिहुला की अमर गाथा ही नहीं, बल्कि समूचे अंग प्रदेश की सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहरों को भी समाहित किए जाने की आवश्यकता है। रंगकर्मी शीतांशु अरुण व वरिष्ठ पत्रकार प्रसून लतांत ने सुझाव दिया कि इस लोकगाथा को अंग क्षेत्र के विद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। इबिया के अध्यक्ष आलोक अग्रवाल ने मंजूषा कलाकारों और सिल्क उद्योग से जुड़े उद्यमियों की एक संयुक्त बैठक शीघ्र आयोजित करने की घोषणा की। दिशा ग्रामीण विकास मंच के सचिव डॉ. मनोज मीता ने संगोष्ठी का संचालन किया।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना संख्या: ईएलडी-300-डब्ल्यूसी-8-2026-27, दिनांक: 12.06.2026। वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी, सियालदह, पूर्व रेलवे, कंट्रोल बिल्डिंग, पहली मंज़िल, डीआरएम कार्यालय, काइजर स्ट्रीट, कोलकाता- 700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा संख्या: ईएलडी-300-डब्ल्यूसी-8-2026-27। कार्य का नाम:** (i) सियालदह मंडल के अप एवं डाउन मेन लाइन पर बाली घाट-बाली हाल्ट स्टेशनों के बीच पुल संख्या 19सीसीआर की री-गार्डरिंग; (ii) डानकुनी प्लेटफॉर्म-1 एवं प्लेटफॉर्म-2 के प्लेटफॉर्म को 600 मीटर तक विस्तारित करने के सम्बन्ध में 25 केवी ओएचई तथा सम्बंधित विद्युतीय कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,04,81,239.40। **बयाना राशि:** ₹ 2,09,600। **निविदा दस्तावेज की कीमत:** शून्य। **पूरा करने की अवधि:** स्वीकृति पत्र जारी किये जाने की तारीख से 12 (बारह) महीना। **निविदा बंद होने की तारीख:** 09.07.2026 को अपराह्न 3.00 बजे। निविदा सूचना और समय-समय पर जारी की जाने वाली संशोधनी का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

(SDAH-80/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट:**www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

अतिक्रमण हटाने पर हंगामा

बांका । बांका जिले के रजौन थाना क्षेत्र में एक कंपनी के सामने अतिक्रमण हटाने के दौरान हंगामा हुआ। इस दौरान कंपनी संचालक ने मंगलवार को गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी और 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है। प्रोपराइटर ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराई है। कंपनी के प्रोपराइटर ओंकार कुमार भारती, जो लश्करी निवासी हैं, ने रजौन पुलिस और अंचलाधिकारी को आवेदन दिया है। उन्होंने बताया कि अंचलाधिकारी रजौन के निर्देश पर प्रशासनिक टीम, कर्मचारी और अमीन की मौजूदगी में नीलू प्रेसिजन कास्टिंग कंपनी के सामने से अतिक्रमण हटाने के लिए जेसीबी से मलबा हटाया जा रहा था। इसी दौरान कथित अतिक्रमणकारी सिद्धार्थ कुमार यादव, ममता कुमारी, दीपक यादव, मनोज यादव समेत अन्य लोग मौके पर पहुंचे और अतिक्रमण हटाने का विरोध करने लगे। आरोप है कि उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों और कंपनी संचालक के साथ गाली-गलौज की तथा जान से मारने की धमकी दी।

भागलपुर – कटिहार – भागलपुर अनारक्षित स्पेशल ट्रेन और ट्रिप के लिए चलेगी

शुद्धिपत्र

भागलपुर–कटिहार–भागलपुर अनारक्षित स्पेशल ट्रेन के संचालन के संबंध में पहले प्रकाशित विज्ञापन के संदर्भ में, यह सूचित किया जाता है कि **03407 / 03408 भागलपुर–कटिहार–भागलपुर अनारक्षित स्पेशल ट्रेनें** 16.06.2026 के बजाये **19.06.2026** तक नवगछिया स्टेशन पर संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेंगी / नवगछिया स्टेशन से संक्षिप्त यात्रा शुरू करेंगी। साथ ही, ये अनारक्षित स्पेशल ट्रेनें **20.06.2026** से **22.06.2026** की अवधि के दौरान सामान्य रूप से चलेंगी। अन्य सभी निर्देश अपरिवर्तित रहेंगे।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के तहत नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के लिए ट्रेनों की नियंत्रण व्यवस्था

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के तहत कटिहार मंडल के कटिहार जंक्शन-सोनाली तथा कटिहार जंक्शन-कुरेठा अनुभागों के बीच दोहरी लाइन चालू करने के लिए, कटिहार जंक्शन, मनियां, कुरेठा, दंडखोरा एवं सोनाली स्टेशनों में **दिनांक 16.06.2026 से 18.06.2026 तक प्री नॉन-इंटरलॉकिंग एवं नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य** संपादित किया जा रहा है इसके साथ ही **दिनांक 19.06.2026 को सीआरएस निरीक्षण** किया जाएगा। फलस्वरूप, नीचे उल्लेखित ट्रेनें निम्नानुसार नियंत्रित की जाएंगी:

- **निरस्तीकरण: (1) 55702** कटिहार जंक्शन-मालदा टाउन पैसेंजर (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 17.06, 18.06 एवं 19.06.2026)। **(2) 55701** मालदा टाउन-कटिहार जंक्शन पैसेंजर (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 17.06, 18.06, 19.06 एवं 20.06.2026).
- **संक्षिप्त यात्रा समाप्त/संक्षिप्त यात्रा शुरू : (1) 13159** कोलकाता-जोगबनी एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 17.06.2026) कटिहार जंक्शन में संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेगी एवं **13160** जोगबनी-कोलकाता एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 18.06.2026) कटिहार जंक्शन से संक्षिप्त यात्रा शुरू करेगी एवं दोनों दिशाओं में कटिहार जंक्शन एवं जोगबनी स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। **(2) 03407/03408** भागलपुर-कटिहार जंक्शन-भागलपुर स्पेशल (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 17.06, 18.06 एवं 19.06.2026) नौगछिया स्टेशन में संक्षिप्त यात्रा समाप्त करेगी/वहीं से संक्षिप्त यात्रा शुरू करेगी एवं दोनों दिशाओं में नौगछिया एवं कटिहार जंक्शन स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

मार्ग परिवर्तन : (1) 15925 देवघर-डिब्रुगढ़ एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 18.06.2026) परिवर्तित मार्ग कटिहार जंक्शन-मनियां-कुमेदपुर-मुकुरिया जंक्शन होकर चलेगी। **(2) 13170** सहरसा जंक्शन-सियालदह हाटे बाजारे एक्सप्रेस (यात्रा आरम्भ होने की तारीख 17.06.2026) परिवर्तित मार्ग सहरसा जंक्शन-नौगछिया-कटिहार जंक्शन होकर चलेगी एवं दौरम मधेपुरा, मुरलीगंज, बनमनखी जंक्शन एवं पूर्णिया जंक्शन स्टेशनों पर नहीं ठहरेगी तथा ठाकुरगंज में अतिरिक्त ठहराव प्रदान करेगी। असुविधा के लिए खेद है।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

Format C-2

(For political party to publish in website, newspaper, TV)

Declaration about criminal antecedents of candidates set up by the party

(As per the judgment dated 25th September, 2018 of Hon'ble Supreme Court in WP (Civil) No. 536 of 2011 (Public interest Foundation & Ors. Vs. Union of India & Anr.

Name of Political Party : Rashtriya Janata Dal

*Name of the Election : Bihar Legislative Council

Name of State/UT : Bihar

1	2	3	4		5		
Sl No.	Name of Constituency	Name of Candidate	(A) Pending Criminal Cases		(B) Details about cases of conviction for criminal offences		
			Name of Court, case No. & status of the case(s)	Sections of the Acts concerned & brief description of offence(s)	Name of Court & date(s) of order(s)	Description of offence(s) & punishment imposed	Maximum Punishment Imposed
1.	Bihar Legislative Assembly	Dr. Sunil Kumar Singh	MP/MLA Court Sub Judge-1, FIR Case No.- 2326/ 2025, Dated- 13-11-2025, under Cyber Thana	Under Section- 174/353/352 and 123(4) /125 Act-66, Hate Speech & Violation of Model Code of Conduct.	NA	NA	NA
2.	Bihar Legislative Assembly	Dr. Sunil Kumar Singh	ACJM-13, Patna Civil Court, FIR Case No.- 305/ 2025, Dated- 01-06-2025 Under Gardanibag Thana	Under Section- 316(2)318(4) 319(2), Breach of Trust and Cheating	NA	NA	NA
3.	Bihar Legislative Assembly	Dr. Sunil Kumar Singh	91-ACJM-1, Special Court MP/ MLA,Patna, Economic Offence P.S. Case No.- 8/2018, Patna	U/s 409, 34 & 120B IPC, Against Organisation for PF Amount.	NA	NA	NA
4.	Bihar Legislative Assembly	Dr. Sunil Kumar Singh	J.M. 1st, Saran, Bihar,Complaint Case No.- 3200/2012 Saran	U/s 147,148,323, 379 & 149 IPC, Causing Hurt	NA	NA	NA
5.	Bihar Legislative Assembly	Dr. Sunil Kumar Singh	1-Principal District & Sessions Judge Patna, Gandhi Maidan P.S. Case No. - 366/2012, Patna	U/s 406,420 IPC, Cheating	NA	NA	NA
6.	Bihar Legislative Assembly	Dr. Sunil Kumar Singh	Principal District & Sessions Judge Patna, Gandhi Maidan P.S. Case No.- 367/2012, Patna, Bihar	U/s 406, 420 IPC, Cheating	NA	NA	NA
7.	Bihar Legislative Assembly	Dr. Sunil Kumar Singh	CJM, Saran, Nayagaon P.S. Case No.- 22/2004, Saran	U/s 147,148,149, 307,114, 326 IPC & 27 Arms Act., Attempt to Murder	NA	NA	NA
8.	Bihar Legislative Assembly	Dr. Sunil Kumar Singh	JM Railway, Patna, R.P.U.P. Act. 28/2001 Patna Railway.	U/s 3, R.P.U.P Act. 28/2001 Patna	NA	NA	NA

* In the case of election to Council of States or election to Legislative Council by MLAs, mention the election concerned in place of names of constituency.

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या: 222-एस/1/डब्ल्यू-II, दिनांक: 12.06.2026। वरिष्ठ मंडल अभियंता/I, पूर्व रेलवे, दूसरी मंज़िल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, काइज़र स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन के जरिये निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **क्रम संख्या:** 1। **निविदा संख्या: टीएन-33-26-27। कार्य का नाम:** सीपीओएच/कांचरापाड़ा- ट्रैक मशीनों के लिए मध्यवर्ती/समय-समय पर ओवरहॉलिंग सुविधाओं का सृजन/वृद्धि। **निविदा मूल्य:** ₹ 5,06,16,890.25। **जमा बयाना राशि:** ₹ 10,12,300। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 (बारह) महीना। **क्रम संख्या:** 2। **निविदा संख्या: टीएन-48-26-27। कार्य का नाम:** वरिष्ठ मंडल अभियंता/1/सियालदह के अधीन रेलवे परिसरों के अंदर समपार फाटकों को जोड़ने वाली सड़क सहित क्षतिग्रस्त स्टेशन अप्रोच एरिया की मरम्मत सहित अन्य सभी आनुषंगिक कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 56,51,097.01। **जमा बयाना राशि:** ₹ 1,13,000। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 06 (छह) महीना। **क्रम संख्या:** 3। **निविदा संख्या: टीएन-102-26-27। कार्य का नाम:** सियालदह मंडल में सहायक अभियंता/सियालदह के अधीन प्लेटफॉर्म शेड का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** ₹11,08,03,143.90। **जमा बयाना राशि:** ₹ 22,16,100। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 15 (पंद्रह) महीना। **क्रम संख्या:** 4। **निविदा संख्या: टीएन-103-26-27। कार्य का नाम:** सियालदह मंडल में सहायक अभियंता/कांचरापाड़ा के अधीन प्लेटफॉर्म शेड का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** ₹ 12,56,99,599.80। **जमा बयाना राशि:** ₹ 25,14,000। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 15 (पंद्रह) महीना। **क्रम संख्या:** 5। **निविदा संख्या: टीएन-104-26-27। कार्य का नाम:** सहायक अभियंता/कांचरापाड़ा के अधिकार क्षेत्र के अधीन एसकेवी वेल्डिंग कार्य सहित सभी आनुषंगिक कार्य का संपादन। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,02,83,721.29। **जमा बयाना राशि:** ₹ 2,05,700। **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 (बारह) महीना। निविदा दस्तावेज एवं अन्य विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर दिए गए हैं। निविदा हेतु बोलियां उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा के जरिये जमा करनी होंगी। मैनुअल प्रस्ताव सीधे रद्द कर दिए जायेंगे। निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: **08.07.2026 को अपराह्न 3.00 बजे** (क्रम संख्या 1 से 5 प्रत्येक के लिए)। निविदा खुलने की तारीख एवं समय: **08.07.2026 को अपराह्न 3.30 बजे** (क्रम संख्या 1 से 5 प्रत्येक के लिए)।

(SDAH-81/2026-27)

निविदा सूचना वेबसाइट:**www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in** पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

प्रो जितेन्द्र बने स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग के हेड

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय ने एचडी जैन कॉलेज, आरा के वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर, प्रो. जितेन्द्र कुमार को विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग का नया विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है। यह प्रशासनिक फेरबदल निवर्तमान विभागाध्यक्ष प्रो० संजय कुमार सिंह का कार्यकाल सफलतापूर्वक समाप्त होने के उपरांत किया गया है। कुलसचिव डॉ. रामकृष्ण ठाकुर ने बताया कि प्रो० जितेन्द्र कुमार की यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। आदेश पत्र के अनुसार, उनका यह कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तिथि से अगले 3 (तीन) वर्षों के लिए अथवा उनकी सेवा निवृत्ति की तिथि, जो भी पहले घटित हो, तक के लिए मान्य होगा। इस नियुक्ति पत्र से जुड़े आधिकारिक साक्ष्य और दस्तावेज विश्वविद्यालय के सूचना पट्ट पर भी जारी किए जा।

रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों ने किया रक्तदान

कोईलवर। 114 द्रुत कार्य बल (आरएएफ) परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। मानव जीवन की रक्षा और सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में वाहिनी के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रक्तदान किया। आयोजन कमांडेंट अश्विनी कुमार झा के निर्देशन में किया गया। शिविर की शुरुआत रक्तदान के महत्व पर आयोजित जागरूकता सत्र से हुई, जिसमें बताया गया कि रक्त का कोई कृत्रिम विकल्प नहीं है और जरूरत पड़ने पर किसी व्यक्ति का जीवन केवल रक्तदान के माध्यम से ही बचाया जा सकता है। वक्ताओं ने कहा कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित अंतराल पर स्वेच्छा से रक्तदान करना चाहिए, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

डॉ. वीडी सिंह का निधन अपूरणीय क्षति

आरा। डॉ. श्री कृष्ण सिंह स्मृति न्यास परिषद, आरा के तत्वावधान में नगर के प्रख्यात शिक्षक सह साहित्यकार डॉ. वी. डी. सिंह के आकस्मिक निधन पर एक श्रद्धांजलि सभा हुई। डॉ. राम बहादुर शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित इस सभा में शहर के अनेक गणमान्य जनों ने दिवंगत शिक्षाविद् को नम आंखों से याद किया। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए रांची विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. जंग बहादुर पाण्डेय ने कहा कि डॉ. वी. डी. सिंह का असमय चले जाना पूरे हिंदी जगत के लिए एक ऐसी क्षति है जिसे कभी पूरा नहीं किया जा सकता। उन्होंने सनातन संस्कृति के श्लोक का संदर्भ देते हुए कहा कि एक आदर्श शिक्षक में विद्वता, दक्षता, शील, संक्रांति, अनुशीलन, सचेतत्व और प्रसन्नता जैसे सात अनिवार्य गुण होने चाहिए। आरा के जैन स्कूल में एक उत्कृष्ट शिक्षक के रूप में उनकी एक अलग पहचान थी। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने उन्हें एक नेक दिल इंसान बताया, वहीं डॉ. जितेन्द्र कुमार ने कहा कि वे शिक्षक के साथ-साथ उच्च कोटि के साहित्यकार भी थे। डॉ. बलिराज ठाकुर और डॉ. मुक्तेश्वर उपाध्याय ने उनकी रचनाधर्मिता, कर्मठता और सज्जनता को समाज के लिए अनुकरणीय बताया। डॉ. सत्य नारायण राय और डॉ. उमेश राय ने उन्हें मानवता का पुजारी और सहृदयता की प्रतिमूर्ति कहा। डॉ. नंद जी दुबे ने भावुक होते हुए कहा कि वे अजातशत्रु थे और मित्र धर्म के साक्षात विग्रह थे। अध्यक्षीय भाषण में डॉ. राम बहादुर शर्मा ने डॉ. सिंह को अद्भुत व्यक्तित्व का धनी व सहृदय इंसान बताया संचालन डॉ. नथुनी पाण्डेय ने किया।

वीकेएसयू के मनोविज्ञान विभाग में संगोष्ठी

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में एक संगोष्ठी हुआ। बिहार विधान परिषद के सदस्य नवल किशोर यादव ने संगोष्ठी में शामिल हुए। एसो प्रो डॉ. लाल बाबू सिंह के कुशल निर्देशन में संपन्न शोधार्थी कुमारी विनीता ने भोजपुर जिले के सरकारी और प्राइवेट कॉलेज के शिक्षकों में संगठनात्मक भूमिका के तनाव, नौकरी में जुड़ाव और नौकरी से संतुष्टि का अध्ययन विषय पर अपना पेपर प्रस्तुत किया। कुमारी विनीता ने शिक्षकों के कार्य-जीवन और मनोविज्ञान से जुड़े इन सभी सवालों के अत्यंत तार्किक और संतोषजनक उत्तर दिए। उन्होंने ने साफ किया कि अलग-अलग प्रबंधनों के तहत काम करने वाले शिक्षकों में संगठनात्मक भूमिका का तनाव कितना है।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में 18 और 19 जून को विभिन्न पदों के लिए काउंसिलिंग

बक्सर। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में संचालित विभिन्न पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए 18 एवं 19 जून को काउंसिलिंग आयोजित की जाएगी। जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा जारी पत्र के अनुसार काउंसिलिंग का आयोजन बक्सर स्थित नेहरू स्मारक उच्च विद्यालय में प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक किया जाएगा। कार्यालय आदेश के अनुसार बिहार शिक्षा परियोजना परिषद, पटना के निर्देश पर जिला नियोजन समिति द्वारा पूर्व में 8 जून से 11 जून तक अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग कराई गई थी। हालांकि कई अभ्यर्थी निर्धारित तिथियों में किसी कारणवश काउंसिलिंग में शामिल नहीं हो सके थे। ऐसे अभ्यर्थियों को अंतिम अवसर प्रदान करते हुए पुनः काउंसिलिंग की तिथि निर्धारित की गई है।काउंसिलिंग में मुख्य रसोइया, सहायक रसोइया, अनुदेशक तथा रात्रि प्रहरी-सह-चौकीदार पद के अभ्यर्थी भाग लेंगे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि केवल वे अभ्यर्थी ही शामिल हो सकेंगे जो पूर्व में 8 जून से 11 जून के बीच आयोजित काउंसिलिंग में उपस्थित नहीं हो पाए थे। जिला शिक्षा कार्यालय ने सभी संबंधित अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होने का निर्देश दिया है। किसी भी परिस्थिति में निर्धारित तिथि के अतिरिक्त अन्य दिन काउंसिलिंग आयोजित नहीं की जाएगी। अभ्यर्थी अपना क्रमांक एवं उपस्थिति की तिथि बिहार शिक्षा परियोजना की वेबसाइट से भी देख सकते हैं। काउंसिलिंग के दौरान अभ्यर्थियों को आवेदन पत्र के साथ शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, आरक्षण संबंधी प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, अनुभव प्रमाण-पत्र तथा अन्य आवश्यक अभिलेखों की स्व-अभिप्रमाणित प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। साथ ही सभी दस्तावेजों की मूल प्रति भी सत्यापन के लिए साथ लाना अनिवार्य होगा। काउंसिलिंग प्रक्रिया को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए विभिन्न काउंटर बनाए गए हैं तथा अधिकारियों एवं कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क भी स्थापित किया जाएगा, जहां आवश्यक जानकारी और सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। शिक्षा विभाग ने सभी अभ्यर्थियों से समय पर पहुंचकर प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की है।

ट्रेन से गिरकर रिटायर्ड आर्मी जवान के बेटे की मौत

आरा। भोजपुर में रिटायर्ड आर्मी जवान के बेटे की मौत हो गई। ट्रेन से गिरने से हादसा हुआ है। मृतक की पहचान बिहिया के कल्याणपुर निवासी त्रिभुवन राम के पुत्र युधेश्वर कुमार(37) के तौर पर हुई है। पहले BSF में थे, किसी कारण से 2022 में नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया था। जिसके बाद से गांव में ही रहता था। घटना दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर जगजीवन हॉल्ट के पास की है। चचेरे भाई विक्रमा राम ने बताया कि रविवार को घर से आरा आने के लिए निकला था। देर शाम तक नहीं लौटने पर खोजबीन शुरू की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चला। सोमवार की सुबह जब ग्रामीण कारीसाथ रेलवे लाइन की ओर गए तो उन्होंने उसके शव को देखा। इसके बाद इसकी सूचना परिजन और रेल पुलिस को दी गई। मृतक तीन भाई-बहन में सबसे बड़ा था। पिता आर्मी से रिटायर्ड हैं। जबकि छोटा भाई ज्योत प्रकाश सीआईएसएफ में है। परिवार में पत्नी कंचन देवी, दो पुत्र प्रिंस कुमार, अंकुर कुमार और एक पुत्री अलका कुमारी है। घटना के बाद मृतक के घर में कोहराम मच गया है। परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पूर्व सैनिकों की नई ताकत बना ब्रह्मपुर कार्यालय

बक्सर। बक्सर में बिहार राज्य पूर्व सैनिक संघ, जिला इकाई ने ब्रह्मपुर प्रखंड में अपना नया कार्यालय शुरू किया। सोमवार सुबह 10 बजे जिला अध्यक्ष सूबेदार मेजर रामनाथ सिंह ने फीता काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया। इसके बाद नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। शपथ ग्रहण में सूबेदार अजय कुमार सिंह को ब्रह्मपुर प्रखंड अध्यक्ष पद की शपथ दिलाई गई। उनका चयन सर्वसम्मति से किया गया था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

इटाढ़ी रेलवे गुमटी खोलने की मांग पर कांग्रेस का धरना

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । मंगलवार को बक्सर रेलवे स्टेशन परिसर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इटाढ़ी रेलवे गुमटी को फिर से खोलने की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया और आम लोगों को हो रही परेशानियों को उजागर किया। प्रदर्शनकारियों ने जिला प्रशासन और रेलवे प्रशासन दोनों पर लापरवाही का आरोप लगाया। बक्सर कांग्रेस जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने धरने को संबोधित करते हुए बताया कि बक्सर-वरुणा आरओबी के धंसने के बाद से इटाढ़ी रेलवे फाटक बंद कर दिया गया है। इससे हजारों लोगों को प्रतिदिन आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम जनता की समस्या के बावजूद, जिला प्रशासन लगातार इस मामले की जिम्मेदारी रेलवे पर डाल रहा है।

''रेलवे प्रशासन भी फाटक खोलने के पक्ष में नहीं'' : उपाध्याय ने यह भी आरोप लगाया कि रेलवे प्रशासन भी फाटक खोलने के पक्ष में नहीं दिख रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों विभागों के बीच जिम्मेदारी टालने की इस स्थिति का खामियाजा आम जनता भुगत रही है। उनके अनुसार, लगभग 25 से 30 हजार लोग प्रतिदिन जिला मुख्यालय आने-जाने के लिए इसी मार्ग पर निर्भर हैं, और फाटक बंद होने से उनकी परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं। पंकज उपाध्याय ने बताया कि इस मामले की जानकारी जिला प्रशासन के माध्यम से बिहार सरकार तक पहुंचा दी गई है। उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशन परिसर में धरना देने का मुख्य उद्देश्य यह है कि बक्सर की यह गंभीर समस्या रेलवे के उच्च अधिकारियों तक पहुंचे और इसका जल्द समाधान हो। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि रेलवे प्रशासन शीघ्र कोई निर्णय नहीं लेता है, तो कांग्रेस चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगी।

आरओबी धंसने के मामले को लेकर भाजपा पर निशाना साधा : धरने में शामिल चौसा प्रखंड अध्यक्ष राजा रमण पाण्डेय ने बक्सर-वरुणा आरओबी धंसने के मामले को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पुल निर्माण से पहले तत्कालीन बक्सर सांसद अश्विनी कुमार चौबे अक्सर निर्माण स्थल पर नारियल फोड़कर परियोजना का शुभारंभ करते थे।

बाइक ने बुजुर्ग महिला को मारी टक्कर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा । आरा-सलेमपुर मार्ग पर सोमवार को बाइक सवार ने बुजुर्ग महिला को जोरदार टक्कर मार दी। इलाज के लिए आनन-फानन में अस्पताल में एडमिट कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। रोड क्रॉस करने के दौरान हादसा हुआ है। मृतका धनवंती देवी(60) संदेश के रेपूरा गांव की रहने वाली थी। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बभनौली गांव के पास की है। मृतका के पति राधा मोहन राम ने बताया कि 1 जून को पत्नी के बड़े भाई रंजननाथ की डेथ हो गई थी। 14 जून को उनका श्राद्धकर्म था। श्राद्धक्रम में शामिल होने के लिए पत्नी के साथ ससुराल आया था। वापस गांव लौटते समय हादसे की शिकार हो गई। इलाज के लिए अस्पताल लेकर गया, लेकिन जान नहीं बची।

घर में मचा कोहराम : सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने परिजनों को शव सौंप दिया है। मृतका को दो पुत्र सरोज, लालजी और दो पुत्री कंचन, रानी है। घटना के बाद घर में कोहराम मच गया है। परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कुएं में मिला लापता शख्स का शव

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा । भोजपुर में एक शख्स का शव कुएं से मिला है। छह दिन से लापता थे। परिजनों हत्या कर शव कुएं में फेंकने की आशंका जताई है। मृतक अमरेंद्र सिंह(55) विशंभरपुर गांव के रहने वाले थे। घटना चौरी थाना क्षेत्र की है। मृतक के भतीजे श्याम बाबू ने बताया कि 9 जून की सुबह चाचा घर से निकले थे। उसके बाद वापस नहीं लौटे। काफी खोजबीन के बाद भी कुछ पता नहीं चला। आवेदन देने के लिए थाना गए थे। वहां बोला गया कि उनकी पत्नी को बुलाइए, इसके बाद आवेदन दीजिएगा। जिसके बाद परिजन वापस घर लौट आए। अपने स्तर से परिवार के सदस्य खोजबीन कर रहे थे। इस दौरान सोमवार को बेरथ गांव के बधार स्थित कुएं में शव पड़ा मिला। कपडे और उंगली से उनकी पहचान की गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शव को बाहर निकला। शव अधिक सड़-गल जाने के कारण पोस्टमार्टम के लिए पटना भेज दिया है। श्याम बाबू ने हत्या कर शव को कुएं में फेंकने का आरोप लगाया है ।हालांकि उसने किसी भी व्यक्ति पर किसी प्रकार का कोई आशंका या आरोप नहीं लगाया है। साथ ही उसने अपने चाचा के गांव में किसी भी व्यक्ति से किसी भी प्रकार की दुश्मनी और विवाद की बातों से साफ इनकार किया है। मृतक पांच भाइयों में तीसरे स्थान पर थे। परिवार में पत्नी गुड़िया देवी और एक पुत्र श्याम सुंदर है। मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया है। उनकी पत्नी गुड़िया देवी और परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

नीट पेपर लीक होने पर शिक्षा मंत्री का फूंका दहन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर रविवार को बक्सर में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। जिला मुख्यालय पर आयोजित इस प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का पुतला दहन किया। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि देश की महत्वपूर्ण प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रही गड़बड़ियों से छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ रहा है और युवाओं का भरोसा परीक्षा व्यवस्था से उठता जा रहा है। प्रदर्शन का नेतृत्व आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष रमेश वर्मा ने किया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि लाखों छात्र-छात्राएं वर्षों तक कड़ी मेहनत कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाएं उनकी मेहनत पर पानी फेर देती हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन लगातार सामने आ रहे मामलों से व्यवस्था की गंभीर खामियां उजागर हुई हैं। जिला मुख्य प्रवक्ता शुभम उपाध्याय ने मांग की कि नीट प्रश्नपत्र लीक प्रकरण की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा इसमें शामिल सभी दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि यदि ऐसे मामलों में सख्त दंड नहीं दिया गया तो भविष्य में भी युवाओं का शोषण होता रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने प्रश्नपत्र लीक के दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग करते हुए कहा कि इससे ऐसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लग सकेगी। विरोध प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने उन अभ्यर्थियों का भी मुद्दा उठाया, जिन्होंने परीक्षा संबंधी विवादों और मानसिक तनाव के कारण आत्महत्या जैसा कदम उठाया। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि ऐसे अभ्यर्थियों के परिजनों को 50-50 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी उपलब्ध कराई जाए। उनका कहना था कि इससे प्रभावित परिवारों को कुछ राहत मिल सकेगी। कार्यक्रम में जिला महासचिव रंजीत कुमार, जिला विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजेश कुमार, राजकुमार श्रीवास्तव, ब्रजेश कुमार, सोहन वर्मा सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सड़क पर बिखरी निर्माण सामग्री से बढ़ा खतरा, अंधा मोड़ बन रहा हादसों की वजह

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । चौसा-बक्सर मुख्य मार्ग स्थित भैया-बहिनी पुल के समीप चल रहे पुलिया चौड़ीकरण कार्य के कारण सड़क पर बिखरी गिट्टी और बालू राहगीरों के लिए गंभीर समस्या बन गई है। निर्माण सामग्री सड़क पर फैले रहने से यह क्षेत्र लगातार दुर्घटना संभावित जोन में तब्दील होता जा रहा है। अंधा मोड़ होने के कारण स्थिति और भी खतरनाक हो गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस मार्ग पर पहले से ही मोड़ बेहद जोखिम भरा है, जहां सामने से आने वाले वाहनों का स्पष्ट दृश्य नहीं मिल पाता। ऐसे में सड़क पर फैली गिट्टी और बालू ने खतरे को कई गुना बढ़ा दिया है। पिछले एक सप्ताह में यहां कई बाइक सवार फिसलकर गिर चुके हैं और घायल हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि खासकर रात के समय स्थिति और गंभीर हो जाती है। पर्याप्त रोशनी और चेतावनी संकेतों के अभाव में वाहन चालक अचानक सामने आए खतरे को समझ नहीं पाते, जिससे दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। रविवार की रात कृतपुरा निवासी रौशन कुमार बाइक से गुजर रहे थे, तभी सड़क पर पड़ी गिट्टी पर उनका वाहन असंतुलित होकर फिसल गया। इस हादसे में वह सड़क पर गिरकर घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत नजदीकी निजी क्लिनिक पहुंचाया, जहां उनका उपचार कराया गया। ग्रामीणों के अनुसार इस तरह की घटनाएं लगातार हो रही हैं। स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य करा रही एजेंसी पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सड़क पर न तो बैरिकेडिंग की गई है और न ही किसी प्रकार के चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं, जिससे राहगीरों को खतरे का अंदाजा तक नहीं लग पाता। पंचायत समिति सदस्य बबन यादव, राजू चौधरी समेत अन्य ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग और जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

महादलित टोले में सखी वार्ता कार्यक्रम, महिलाओं को योजनाओं की दी जानकारी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर । सोमवार को महिला एवं बाल विकास निगम के तत्वावधान में सिमरी प्रखंड की मझवारी पंचायत के गोपालपुर गांव स्थित महादलित टोला के सरकारी भवन आंगनबाड़ी केंद्र में सखी वार्ता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सखी वन स्टॉप सेंटर एवं जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन के कर्मियों ने महिलाओं और किशोरियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं तथा उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, पीसीपीएनडीटी एवं एमटीपी एक्ट, साइबर अपराध, नशा मुक्ति अभियान तथा महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा से संबंधित विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, महिला हेल्पलाइन 181 और साइबर क्राइम टोल फ्री नंबर 1930 के उपयोग के बारे में भी बताया गया। जिला हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन के कर्मियों ने विभिन्न पेंशन योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। वहीं वन स्टॉप सेंटर द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं की भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में दहेज प्रताड़ना, घरेलू हिंसा और यौन शोषण जैसे गंभीर सामाजिक मुद्दों पर भी संवाद किया गया। उपस्थित महिलाओं एवं किशोरियों से बातचीत कर यह जानने का प्रयास किया गया कि उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं तथा किन योजनाओं से वे अभी वंचित हैं।

नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में मिश्रवलिया फाइनल में

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। कमरपुर पंचायत के लक्ष्मीपुर गांव में आयोजित नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें मिश्रवलिया की टीम ने कम्हरिया को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबला सोमवार की रात बलरामपुर बलुआ और मिश्रवलिया के बीच खेला जाएगा, जिसे लेकर ग्रामीण क्षेत्र में उत्साह चरम पर है। छह-छह ओवर के इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कम्हरिया की टीम ने निर्धारित ओवरों में 65 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मिश्रवलिया की टीम ने संयमित और रणनीतिक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और चार विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। मैच के दौरान हर गेंद पर बदलते समीकरण और चौके-छक्कों की बरसात ने दर्शकों को आखिरी पल तक बांधे रखा। मैदान में मौजूद भारी भीड़ ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और पूरा माहौल तालियों और जयकारों से गूंजता रहा।

दियरा के मुक्केबाजों ने राज्य स्तरीय ट्रायल में जीते 2 स्वर्ण व 6 रजत पदक

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा । भागलपुर के खेल भवन में राज्य स्तरीय सब जूनियर बालक-बालिका मुक्केबाजी ट्रायल प्रतियोगिता में भोजपुर जिले के दियरा क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्गों में मुकाबला करते हुए कुल दो स्वर्ण और छह रजत पदक अपने नाम किए। इस उपलब्धि से पूरे जिले में खुशी का माहौल है।प्रतियोगिता के बालक वर्ग में भोजपुर के खिलाड़ियों ने बेहतरीन मुक्केबाजी का प्रदर्शन किया। 30 से 33 किलोग्राम भार वर्ग में समर यादव ने रजत पदक हासिल किया। वहीं 40 से 43 किलोग्राम वर्ग में उमेश कुमार, 46 से 49 किलोग्राम वर्ग में विक्की कुमार तथा 75 किलोग्राम भार वर्ग में मयंक शेखर सिंह ने रजत पदक जीतकर जिले का मान बढ़ाया हैं।

बालिका वर्ग में दो स्वर्ण सहित चार पदक : बालिका वर्ग में भी भोजपुर की बेटियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। 35 से 37 किलोग्राम भार वर्ग में मीरा कुमारी तथा 37 से 40 किलोग्राम वर्ग में गुड़िया कुमारी ने रजत पदक प्राप्त किया। वहीं 40 से 43 किलोग्राम भार वर्ग में बबली कुमारी और 43 से 46 किलोग्राम भार वर्ग में खुशबू कुमारी ने स्वर्ण पदक जीतकर भोजपुर को गौरवान्वित किया। सीमित संसाधनों के बावजूद शानदार उपलब्धि बड़ारा प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय अलेखिटोला के शारीरिक शिक्षक एवं अनुदेशक रमेश यादव ने खिलाड़ियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि दियरा क्षेत्र के बच्चों में प्रतिभा और दमखम की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि इन खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, खेल उपकरण और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तो वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बिहार के लिए पदक जीत सकते हैं। उन्होंने सरकार और खेल विभाग से ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग भी की। खिलाड़ियों को मिला अधिकारियों का प्रोत्साहन प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों के प्रति जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया, जिला शिक्षा पदाधिकारी मानवेन्द्र राय, डीपीओ रमेश पाल, जिला खेल पदाधिकारी आलोक कुमार, प्रधानाचार्य जयराम शाह, पूर्व प्रधानाचार्य दिनेश नंदन प्रसाद, सचिव रवि रंजन सिंह, मंजू सिंह, शशि सिंह, त्रिपुरारी सिंह, श्रीमन नारायण, दयानिधि राय, शीला सिंह, अनिता यादव, अमरजीत कुमार, अमरेंद्र कुमार, ओमप्रकाश राम एवं जितेन्द्र कुमार सहित अन्य लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है।

संक्षिप्त समाचार

पिता के खिलाफ मां ने दर्ज कराई रेप की शिकायत

हाजीपुर। हाजीपुर सदर थाना क्षेत्र में एक महिला ने अपने पति पर 14 वर्षीय नाबालिग बेटी से दुष्कर्म और मारपीट का गंभीर आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सदर थाने में दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, पीड़िता की मां ने बताया कि उनकी शादी 13 नवंबर 2006 को हुई थी। महिला का आरोप है कि उनके पति ने 8 जून 2025 और 5 सितंबर 2025 को उनकी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया। महिला ने यह भी बताया कि जब उन्होंने 8 जून 2025 को इस घटना के बारे में अपने पति को बताया, तो 8 जून 2026 को पति ने उनके साथ मारपीट और गाली-गलौज की। आरोपी ने उनकी ब्यूटी पार्लर की दुकान की चाबी भी छीन ली। महिला ने आरोप लगाया है कि उनका पति उन्हें और बेटी को जान से मारने की धमकी दे रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि पति पर पहले से दो मुकदमे (धारा 307 और 302) दर्ज हैं और वह जेल भी जा चुका है। पीड़िता की मां ने पुलिस से मांग की है कि उनकी बेटी नाबालिग है, इसलिए इस मामले में पॉक्सो एक्ट के तहत भी कार्रवाई की जाए। उन्होंने दोषी के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करने और उन्हें व उनकी बेटी को उचित सुरक्षा प्रदान करने की गुहार लगाई है। सदर थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि महिला की लिखित शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

कंप्यूटर व्यवसायी से लूट मामले में तीसरा आरोपी अरेस्ट

हाजीपुर। हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस ने कंप्यूटर व्यवसायी से लूट के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नगर थाना क्षेत्र के अनवरपुर चौक निवासी राजकुमार पासवान के बेटे मिथलेश कुमार को पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी से पूछताछ की और फिर न्यायिक प्रक्रिया पूरी कर उसे हाजीपुर जेल भेज दिया। हालांकि पुलिस अब तक व्यवसायी से लूटा गया सामान बरामद नहीं कर सकी है। पुलिस ने इस मामले में इससे पहले 19 मई को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। गिरफ्तार आरोपियों में बिदुपुर थाना क्षेत्र के दाउदनगर निवासी रामलाल सिंह के पुत्र रवि सिंह और नगर थाना क्षेत्र के छोटी मरई पोखरा मोहल्ला निवासी गणेश सिंह के पुत्र सोनू कुमार शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से एक कट्टा, कारतूस, घटना में इस्तेमाल की गई बुलेट बाइक और एक टी-शर्ट बरामद की थी। सदर-1 एसडीपीओ सुबोध कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि शुरुआती जांच में सामने आया था कि लूट की योजना रवि सिंह ने सोनू कुमार के घर पर बनाई थी। इसके बाद पूरी प्लानिंग के साथ घटना को अंजाम दिया गया। घटना बीते 7 मई की है। नगर थाना क्षेत्र के बसावन सिंह इंडोर स्टेडियम स्थित न्यू मार्केट में कंप्यूटर दुकान चलाने वाले व्यवसायी रजनीश कुमार जायसवाल दुकान बंद कर अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वे राजपूत नगर स्थित अपने घर के पास पहुंचे, बाइक सवार तीन बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। बदमाशों ने हथियार के बल पर उनके साथ गाली-गलौज की और बैग छीन लिया। इस दौरान बदमाशों ने डराने के लिए गोली भी चलाई, लेकिन रजनीश कुमार बाल-बाल बच गए। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई थी। व्यवसायी के अनुसार जिस बैग को बदमाश लेकर फरार हुए थे, उसमें दुकान की चाबी, डायरी, इनवॉइस बिल की कॉपी, हार्ड डिस्क, जमीन के कागजात की फोटो कॉपी समेत कई जरूरी सामान रखे हुए थे। घटना के बाद पुलिस ने तकनीकी जांच और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों तक पहुंचना शुरू किया। हाजीपुर औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस का कहना है कि इस मामले में अब तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस लूटे गए सामान की बरामदगी के लिए लगातार प्रयास कर रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस घटना में कोई और व्यक्ति शामिल था या नहीं। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हाजीपुर-मुजफ्फरपुर एनएच 22 पर स्कॉर्पियो पलटी, ईंट के ढेर से टकराने के बाद दुर्घटना, गाड़ी छोड़ ड्राइवर फरार

हाजीपुर। हाजीपुर-मुजफ्फरपुर एनएच-22 पर काजीपुर थाना क्षेत्र के अफजलपुर धोबघटी के पास सोमवार को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे रखे ईंट के ढेर से टकरा गई। टक्कर के बाद स्कॉर्पियो सड़क किनारे पलट गई। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद सड़क पर पलटी स्कॉर्पियो को देखकर आसपास के लोगों और राहगीरों की भीड़ जुट गई। हालांकि, हादसे में किसी के घायल होने की जानकारी सामने नहीं आई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कॉर्पियो हाजीपुर की ओर से मुजफ्फरपुर की तरफ जा रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार होने के कारण चालक गाड़ी पर नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित स्कॉर्पियो पहले एनएच किनारे रखे ईंट के ढेर से जोरदार तरीके से टकराई और इसके बाद सड़क पर ही पलट गई। हादसे की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे। लोगों ने देखा कि स्कॉर्पियो पलटी हुई थी, जबकि चालक वहां मौजूद नहीं था। स्थानीय लोगों के अनुसार, स्कॉर्पियो पलटते ही चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वाहन सराय थाना क्षेत्र निवासी मुकेश महतो का बताया जा रहा है। लोगों का कहना है कि हादसे के समय मुकेश महतो ही स्कॉर्पियो चला रहे थे। तेज रफ्तार के कारण गाड़ी अनियंत्रित हुई और यह दुर्घटना हो गई। घटना के बाद सड़क पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। लोगों ने पलटी हुई गाड़ी को देखकर पुलिस को सूचना देने की बात कही। इस संबंध में काजीपुर थाना अध्यक्ष कुंदन कुमार सिंह ने बताया कि एनएच पर गाड़ी पलटने के की सूचना थाने को नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसी घटना हुई है तो पुलिस पदाधिकारी को मौके पर भेजकर जांच कराई जाएगी। जांच के बाद ही हादसे की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जानकारी जुटाने में लगी है।

भतीजी से छेड़खानी का विरोध करने पर चाचा का मर्डर

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में 9वीं क्लास की छात्रा से छेड़खानी का विरोध करने पर एक युवक की हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान लुकेश कुमार के रूप में हुई है, जो छात्रा का चाचा था। परिजनों के मुताबिक, छात्रा के साथ पिछले करीब दो महीने से आरोपी गांव के कुछ लोग छेड़खानी करते थे। छात्रा ने इसकी शिकायत अपने परिजनों से की थी। इसी दौरान बाहर से घर आए उसके चाचा लोकेश कुमार को भी इसकी जानकारी दी गई। इसे लेकर लोकेश आरोपियों को समझाने और विरोध जताने गए थे। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया। इसी दौरान गांव के कुछ लोगों ने धारदार हथियार से उसपर हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल लोकेश की SKMCH में इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत के बाद गांव में तनाव का माहौल है। स्थिति को देखते हुए कई थानों की पुलिस तैनात की गई है। पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी राहुल कुमार को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी जारी है। मौत से पहले एसकेएमसीएच में पुलिस को दिए गए फर्द बयान में लुकेश कुमार ने बताया था कि 13 जून की सुबह करीब नौ बजे वह घर से टॉयलेट शौच के लिए निकले थे। खेतलपुर बाजार से करीब 300 मीटर दूर एक लीची बागान के पास राहुल कुमार दास, सिकंदर दास और किशोरी दास पहले से मौजूद थे। आरोप है कि तीनों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान एक महिला से हसुआ(धारदार हथियार) छीनकर उनके पेट पर वार कर दिया। हमले में उनका पेट फट गया और आंत बाहर निकल आई। इसके बाद भी आरोपियों ने लात-घूंसों से उनकी पिटाई की। अपने बयान में लुकेश कुमार ने बताया था कि हमले के दौरान आरोपी लगातार उन्हें धमका रहे थे। आरोपियों ने मारपीट करते हुए कहा, 'हम तुम्हारी भतीजी के साथ कुछ भी करें, तुम होते कौन हो मना करने वाले।' लुकेश ने यह भी आरोप लगाया था कि एसकेएमसीएच में भर्ती रहने के दौरान भी आरोपियों की ओर से उन्हें धमकियां दिलाई गईं। कहा गया कि यदि वह बच गए तो अगली बार जान से मार दिया जाएगा। घटना के बाद परिजन गंभीर रूप से घायल लुकेश कुमार को औराई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें एसकेएमसीएच रेफर कर दिया। एसकेएमसीएच में इलाज के दौरान उनका फर्द बयान दर्ज किया गया, जिसके आधार पर 14 जून को प्राथमिकी दर्ज की गई।

पंजाबी बिरादरी की स्मारिका-सह-सदस्य निर्देशिका का भव्य विमोचन, समाज की विरासत को सहेजने की पहल

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पंजाबी बिरादरी, पटना की ओर से लाला लाजपत राय भवन में मंगलवार को एक गरिमामय एवं भव्य समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें संस्था की बहुप्रतीक्षित 'पंजाबी बिरादरी स्मारिका-सह-सदस्य निर्देशिका' का विधिवत विमोचन किया गया। संस्था के अध्यक्ष दिलजीत खन्ना ने इस प्रकाशन का लोकार्पण करते हुए इसे समाज की गौरवशाली विरासत, उपलब्धियों और संगठनात्मक एकता को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। समारोह में संस्था के पदाधिकारियों, पूर्व अध्यक्षों, वरिष्ठ सदस्यों, महिला प्रकोष्ठ की पूर्व अध्यक्षाओं तथा बड़ी संख्या में बिरादरी के सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान समाज की एकजुटता, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और सामाजिक सहयोग को और मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा उमा सिंह, उपाध्यक्ष संजय सलूजा एवं अशोक कुमार सोनी, महासचिव बी.पी. धवन तथा कोषाध्यक्ष इंदरपाल सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। वहीं, संस्था के पूर्व अध्यक्ष डी.बी. गुप्ता, रमन सिंधी, गुरमीत सिंह, आर.सी. मल्होत्रा एवं गुरुदयाल सिंह की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया। वरिष्ठ सदस्य राज कपूर एवं बलराज कपूर ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर संगठन की गतिविधियों की सराहना की। महिला प्रकोष्ठ की पूर्व अध्यक्षाओं वीणा गुप्ता, नीलम

छाबड़ा, सविता जैन, डॉली कोहली, सीमा पॉल, रोशनी सिंह, बीना सेठ तथा रेशमी चौधरी ने भी समारोह में भाग लिया और इस प्रकाशन को समाज के लिए उपयोगी पहल बताया।

अपने संबोधन में अध्यक्ष दिलजीत खन्ना ने कहा कि यह स्मारिका-सह-सदस्य निर्देशिका केवल एक प्रकाशन नहीं, बल्कि पंजाबी बिरादरी की वर्षों की सामाजिक, सांस्कृतिक और सेवा संबंधी गतिविधियों का जीवंत दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से संस्था के सदस्यों के बीच आपसी संवाद और संपर्क को नई मजबूती मिलेगी, साथ ही नई पीढ़ी समाज के इतिहास, परंपराओं और मूल्यों से परिचित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि संगठन की ताकत उसकी एकता और सामाजिक सहभागिता में निहित है। ऐसे प्रकाशन समाज को एक सूत्र में बांधने के साथ-साथ भविष्य की गतिविधियों के लिए भी प्रेरणा का कार्य करते हैं। उन्होंने स्मारिका के प्रकाशन में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों, विज्ञापनदाताओं, संपादकीय टीम, सहयोगियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयास से यह महत्वपूर्ण कार्य सफल हो सका है।

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह स्मारिका पंजाबी बिरादरी के इतिहास, उपलब्धियों और सामाजिक योगदान को संजोने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सदस्य निर्देशिका के माध्यम से समाज के लोगों के बीच संपर्क और सहयोग को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा संगठन की गतिविधियों को नई गति प्राप्त होगी। समारोह के अंत में समाज की एकता, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और सामुदायिक उत्थान के लिए सभी ने मिलकर निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

24 जिलों में बारिश का अलर्ट, अगले 3-4 दिनों में मौसम में बदलाव की संभावना नहीं

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। बिहार में दक्षिण-पश्चिम मानसून की एंट्री हो चुकी है, लेकिन प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में उमस भरी गर्मी और चिलचिलाती धूप से लोग परेशान हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने आज प्रदेश के 24 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसमें 14 जिलों में ऑरेंज और 10 में यलो अलर्ट हैं। इन जिलों में 50kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो सुपौल में बारिश हुई। शेखपुरा, पटना का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, अगले तीन से चार दिनों तक अधिकतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

मानसून आने के बाद भी क्यों पड़ रही गर्मी: मानसून बिहार में पहुंच चुका है, तो फिर इतनी गर्मी और तेज धूप क्यों निकल रही है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, मानसून की एंट्री का मतलब यह नहीं होता कि पूरे राज्य में एक साथ लगातार बारिश शुरू हो जाएगी। मानसूनी बादलों की सक्रियता अलग-अलग क्षेत्रों में अलग समय पर होती है।

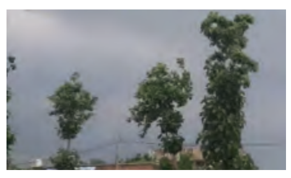

विशेषज्ञ बताते हैं कि फिलहाल बिहार के कई हिस्सों में बादलों और धूप का मिश्रित असर देखने को मिल रहा है। जहां बारिश नहीं हो रही है, वहां सूर्य की तेज किरणें और हवा में नमी बढ़ने से उमस अधिक महसूस होती है। यही कारण है कि लोगों को सामान्य दिनों की तुलना में ज्यादा गर्मी महसूस हो रही है।

पटना में मंगलवार को हल्का बादल छाए रहने की संभावना है। कुछ इलाकों में हल्की बारिश भी हो सकती है. हालांकि दिन में लोग उमस भरी गर्मी से परेशान रहेंगे। अधिकतम तापमान 37 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों में बिहार के उत्तरी और पूर्वी जिलों में बारिश की संभावना अधिक है। कई इलाकों में बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है। वहीं दक्षिणी और मध्य बिहार के कुछ हिस्सों में तापमान सामान्य से ऊपर बना रह सकता है।

नवगीतिका समर कैंप का शुभारंभ, बच्चों को मिलेगा लोक कला एवं संस्कृति का प्रशिक्षण

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। सांस्कृतिक संस्था नवगीतिका लोक रसधार की ओर से बच्चों के लिए आयोजित समर कैंप का रंगारंग शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार की प्रसिद्ध शिक्षाविद् डॉ. जूली बनर्जी, समाजसेवी शालिनी सिंह, रानी गुप्ता, नीतू सिंह, आरती मिश्रा, चंद्रभूषण सिंह तथा संस्था की सचिव नीतू कुमारी नवगीत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उद्घाटन समारोह में उपस्थित अतिथियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए कला, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ाव अत्यंत आवश्यक है। ऐसे आयोजन बच्चों की प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत से भी जोड़ते हैं।

संस्था की सचिव नीतू कुमारी नवगीत ने बताया कि ग्रीष्मकालीन

अवकाश के दौरान बच्चों की रचनात्मक ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने और उन्हें विभिन्न कलाओं का प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस समर कैंप का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष कैंप का मुख्य आकर्षण बिहार की समृद्ध लोक संस्कृति होगी, जिसमें बच्चों को विशेष रूप से लोक नृत्य, लोकगीत और पारंपरिक सांस्कृतिक विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार की लोक परंपराएं और सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध एवं गौरवशाली हैं। बदलते समय में नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़कर रखना आवश्यक है। इसी उद्देश्य के तहत बच्चों को लोक कला और संस्कृति की बारीकियों से परिचित कराया जाएगा, ताकि वे अपनी सांस्कृतिक पहचान को समझ सकें और उसे आगे बढ़ा सकें।

नीतू कुमारी नवगीत ने बताया कि समर कैंप में बच्चों को दिया जाने वाला प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों के कई प्रतिष्ठित कलाकारों, लोक गायकों और प्रशिक्षकों ने स्वेच्छा से अपनी सेवाएं देने की सहमति प्रदान की है। उनके मार्गदर्शन में बच्चे संगीत, नृत्य, मंचीय प्रस्तुति और सांस्कृतिक गतिविधियों की बारीकियां सीखेंगे।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजकों ने बताया कि आगामी दिनों में कैंप के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं, कार्यशालाएं और प्रस्तुति कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे बच्चों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। समर कैंप के शुभारंभ के साथ ही बच्चों, अभिभावकों और कला प्रेमियों में उत्साह का माहौल देखा गया। आयोजकों ने उम्मीद जताई कि यह पहल बच्चों को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाने और बिहार की लोक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर दो हिस्सों में बंटा, मंदिर की दीवार भी टूटी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना के दानापुर में सोमवार रात एक्सीडेंट हुआ था। बालू लदे ट्रक ने ट्रैक्टर को टक्कर मारी थी। ट्रैक्टर दो हिस्सों में बंट गया था। अनियंत्रित ट्रक सड़क किनारे स्थित एक मंदिर की दीवार से टकरा गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह हादसा रात करीब डेढ़ बजे हुआ। बताया जा रहा है कि बालू लदा ट्रक तेज गति से दीघा की ओर जा रहा था। इसी दौरान दीघा से दानापुर की ओर आ रहे ट्रैक्टर से उसकी आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक, ट्रैक्टर चालक और उस पर सवार अन्य लोग मौके से फरार हो गए। इस दौरान वहां से गुजर रहा एक स्कूटी सवार व्यक्ति बाल-बाल बच गया। घटना दानापुर थाना क्षेत्र की है।

स्थानीय निवासी अर्जुन पासवान

ने बताया कि देर रात तेज धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग बाहर निकले। उन्होंने देखा कि मंदिर की दीवार क्षतिग्रस्त हो चुकी थी और ट्रक अंदर घुसा हुआ था। सड़क पर ट्रैक्टर के टूटे हुए हिस्से बिखरे पड़े थे। अर्जुन पासवान ने आरोप लगाया कि रात में 'नो-एंट्री' खुलने के बाद इस मार्ग पर बालू लदे ट्रक और ट्रैक्टर बेलगाम चलते हैं। बालू खनन बंद होने के बावजूद रात के समय बड़ी संख्या में बालू लदे वाहन इस मार्ग से गुजरते हैं, जिससे आम लोगों के लिए सड़क पर चलना मुश्किल हो जाता है। सूचना मिलने पर दानापुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ट्रैफिक थाना को दी गई। दानापुर थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार भारद्वाज ने बताया कि मामले की जांच ट्रैफिक थाना की पुलिस कर रही है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

बाढ़ में 2 हजार रुपए के लिए चली गोली दलाल ने पैसे लेकर ट्रेन टिकट नहीं दिया

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। बाढ़ में 2 हजार रुपए के लिए गोली चल गई। 5 अपराधी आए थे, फायरिंग के बाद वे फरार हो गए। दरअसल, 2 महीने पहले प्रमोद कुमार ने वृंदावन जाने के लिए आरोपी रमन कुमार ट्रेन टिकट बनाने के लिए 2 हजार रुपए दिए थे। रमन ट्रेन टिकट की दलाली करता है। रमन ने न तो टिकट दिए और न ही रुपए लौटाए। 2 महीने से वो टालमटोल कर रहा था। सोमवार रात करीब 10 हजे इसी विवाद में कहासुनी हुई। विवाद इतना बढ़ गया कि रमन ने अपने साथियों को बुलाया लिया और फायरिंग की। घटना वैष्णो धाम मंदिर के पास हुई है।

पुलिस ने एक खोखा बरामद किया: सोमवार रात जब रमन प्रमोद के घर के पास पुहंचा तो प्रमोद ने उससे पैसे की मांग की। रमन पैसे लौटाने को लेकर तैयार नहीं था, जिसके कारण दोनों के बीच विवाद हो गया। विवाद के बाद रमन वहां से चला गया, लेकिन कुछ देर बाद वह अपने चार-पांच दोस्तों के साथ वापस आया। उनके हाथ में पिस्टल थी, जिसे लहराते हुए उन्होंने प्रमोद पर तान दी। अपराधियों ने प्रमोद के साथ गाली-गलौज की और एक राउंड फायरिंग की। घटना में 2 युवक पिस्टल लिए हुए थे, जबकि दो-तीन अन्य उनके साथ थे। घटना की

सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया। यह घटना थाना से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर पुरानी बाजार इलाके में हुई है। स्थानीय महिलाओं ने बताया कि फायरिंग करने वाले युवक गाली-गलौज कर रहे थे और हमें इशारे में घर जाने को कहा। जैसे ही महिलाएं पीछे मुड़कर जाने लगीं, अपराधियों ने फायरिंग कर दी। सभी अपराधी सफेद कपड़े पहने हुए थे। महिलाओं ने यह भी बताया कि घटना स्थल पर बच्चे और बुजुर्ग सभी मौजूद थे, गोली किसी को भी लग सकती थी। उस समय बिजली कटी हुई थी, जिसके कारण सभी लोग घरों से बाहर बैठे हुए थे।

अमूर्तता का विस्तार देती हैं सिद्धेश्वर की कलाकृतियाँ : राज प्रिया रानी

सुरीली आवाज़ की दुनिया में लता मंगेशकर से तनिक भी कम नहीं थीं सुमन कल्याणपुर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। कला के प्रति हमारी दृष्टि जितनी गहरी होती जाती है, उतना ही स्पष्ट होता है कि कला केवल दृश्य या शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि अनुभवों, संवेदनाओं और चेतना का विस्तार है। विशेषतः अमूर्त कला (Abstract Art) विश्व की सबसे प्रचलित और प्रासंगिक कलाधाराओं में से एक मानी जाती है, क्योंकि वह स्थापित सीमाओं को तोड़कर सीधे दर्शक के अंतर्मन से संवाद करती है। वरिष्ठ साहित्यकार एवं चर्चित चित्रकार सिद्धेश्वर का मानना है कि प्रत्येक कलाकृति का शीर्षक होना आवश्यक नहीं है। उनके अनुसार शीर्षक किसी रचना को एक निश्चित दायरे में बाँध देता है, जबकि कला का स्वभाव विस्तार और मुक्त अभिव्यक्ति है, बंधन नहीं। यह विचार मानव जीवन से भी जुड़ता है। जैसे एक नवजात शिशु जन्म के समय किसी नाम या पहचान से बंधा नहीं होता और अनंत संभावनाओं का प्रतीक होता है, किंतु नामकरण के साथ उसकी पहचान एक सीमित दायरे में परिभाषित होने लगती है।

इसी संदर्भ में यूट्यूब चैनल पर प्रसारित साप्ताहिक साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम "सिद्धेश्वर की डायरी" का 270वाँ एपिसोड कला और कलाकार विषय पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए युवा लेखिका एवं चित्रकार राज प्रिया रानी ने कहा कि अमूर्तता ही कला को व्यापक अर्थों और संभावनाओं से जोड़ती है। सिद्धेश्वर की कलाकृतियाँ दर्शकों को अपनी-अपनी दृष्टि से अर्थ ग्रहण करने की स्वतंत्रता देती हैं, जो अमूर्त कला की सबसे बड़ी विशेषता है।

कार्यक्रम के आरंभ में एपिसोड के संयोजक सिद्धेश्वर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अमूर्तता ही कला और कलाकार दोनों को विस्तार प्रदान करती है। अमूर्त कला किसी एक अर्थ, विचार या व्याख्या

तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह कलाकार की निजी संवेदना के साथ-साथ सामाजिक और वैश्विक चेतना की भी अभिव्यक्ति बन जाती है।

प्रख्यात पार्श्वगायिका सुमन कल्याणपुर को समर्पित इस विशेष एपिसोड में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सिद्धेश्वर ने कहा कि कला के इतिहास में अनेक ऐसे कलाकार हुए हैं, जिन्हें उनकी प्रतिभा के अनुरूप पहचान नहीं मिल सकी। सुमन कल्याणपुर भी ऐसे ही कलाकारों में शामिल हैं। फिल्म संगीत के इतिहास में यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है कि उन्हें अपनी असाधारण प्रतिभा के बावजूद वह प्रचार और मान्यता नहीं मिल पाई, जिसकी वे अधिकारिणी थीं। किंतु इससे उनकी कला का मूल्य कम नहीं हो जाता। कई बार समय, परिस्थितियाँ, बाज़ार, प्रचार-प्रसार और भाग्य भी किसी कलाकार की सार्वजनिक पहचान को प्रभावित करते हैं। फिर भी इसमें कोई संदेह नहीं कि मधुर और सुरीली आवाज़ की दुनिया में सुमन कल्याणपुर, लता मंगेशकर से तनिक भी कम नहीं थीं।

इस अवसर पर सिद्धेश्वर ने सुमन कल्याणपुर के लोकप्रिय गीत "मेरे महबूब न जा" तथा "दिल ने पुकारा और हम चले आए" को बिना संगीत, अपनी स्वर-प्रस्तुति में प्रस्तुत कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी प्रस्तुति की उपस्थित प्रतिभागियों ने सराहना की।

ऑनलाइन कला प्रदर्शनी में देश-विदेश के अनेक कलाकारों ने भाग लिया। इनमें प्रमुख रूप से विज्ञान व्रत, सिद्धेश्वर, सपना चंद्रा, जयंत, अपूर्व कुमार, राज प्रिया रानी, गजानन पांडेय, मुरारी मधुकर, विजया कुमारी मौर्य, नंदकुमार आदित्य, इंदु उपाध्याय, निर्मल डे, विजय शर्मा, संतोष मालवीय, सुनीता सोनी, शेख शहजाद, हांगकांग से गोपाल सिन्हा, छाया अग्रवाल, रशीद गौरी तथा पुष्पा पांडेय सहित अनेक कलाकार शामिल रहे।

कार्यक्रम के अंत में सिद्धेश्वर ने अपनी शायरी प्रस्तुत करते हुए कहा—

"तुम इश्क़ के बागवाँ हो, जंगल नहीं,
भीतर दहकता हुआ दावानल नहीं।"

संक्षिप्त समाचार

विधायक सरयू राय ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

पूर्वी सिंहभूम। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के खिलाफ बिष्टुपुर थाना में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि संबंधित व्यक्ति सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार उनकी छवि धूमिल करने और आधारहीन आरोप लगाकर चरित्र हनन करने का प्रयास कर रहा है। मंगलवार को जारी एक बयान में सरयू राय ने कहा कि पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनके खिलाफ भ्रामक, तथ्यहीन और मनगढ़ंत सामग्री प्रसारित की जा रही है। उनके अनुसार, संबंधित व्यक्ति पहले परोक्ष रूप से उन पर निशाना साधता था, लेकिन हाल के दिनों में उसने सीधे तौर पर आरोप लगाने शुरू कर दिए हैं। राय ने कहा कि उन्होंने लंबे समय तक इन आरोपों को नजरअंदाज किया, क्योंकि वे उन्हें गंभीरता से नहीं लेते थे। हालांकि, जब यह अभियान उनकी व्यक्तिगत प्रतिष्ठा और सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचाने की सीमा तक पहुंच गया, तब उन्होंने कानून का सहारा लेने का निर्णय लिया। राय का कहना है कि इन आरोपों के समर्थन में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है। विधायक ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के पास उनके खिलाफ कोई ठोस आरोप या प्रमाण हैं, तो उन्हें सार्वजनिक किया जाना चाहिए। बिना साक्ष्य लगाए गए आरोप न केवल किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि समाज में भ्रम और अविश्वास का माहौल भी पैदा करते हैं। राय ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि लगाए गए आरोपों को साबित नहीं किया जा सकता, तो आरोप लगाने वालों को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। अन्यथा उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को बिना आधार नुकसान पहुंचाना नहीं हो सकता और कानून ऐसे मामलों में उचित कार्रवाई का प्रावधान करता है।

झींकपानी का ऐतिहासिक एसीसी सीमेंट प्लांट होगा बंद, 16 अगस्त से थम जाएगा उत्पादन

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के झींकपानी स्थित एसीसी लिमिटेड के ऐतिहासिक चाईबासा सीमेंट वर्क्स के बंद होने की आधिकारिक प्रक्रिया शुरू हो गई है। वर्ष 1946 से संचालित यह सीमेंट संयंत्र आगामी 16 अगस्त 2026 से बंद कर दिया जाएगा। कंपनी प्रबंधन ने इस संबंध में 15 जून 2026 को भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय को औद्योगिक संबंध संहिता, 2020 के तहत निर्धारित प्रपत्र-13 में बंदी की सूचना भेजी है। कंपनी की ओर से भेजे गए नोटिस में कहा गया है कि संयंत्र को चलाने के लिए आवश्यक चूना पत्थर (लाइमस्टोन) का भंडार लगभग समाप्त हो चुका है। इसके साथ ही क्लिंकर उत्पादन की बढ़ती लागत और आठ दशक पुराने प्लांट की तकनीकी अक्षमता के कारण उत्पादन को आर्थिक रूप से जारी रखना संभव नहीं रह गया है। नोटिस में यह भी उल्लेख किया गया है कि कर्मचारियों को नोटिस अवधि के बदले एक माह का वेतन तथा अन्य वैधानिक लाभ दिए जाएंगे। एसीसी प्रबंधन ने बंदी संबंधी सूचना क्षेत्र के उप मुख्य श्रमायुक्त (केंद्रीय) तथा मान्यता प्राप्त श्रमिक संगठनों और कर्मचारियों के प्रतिनिधियों को भी भेज दी है। कंपनी ने अपने आवेदन में यह भी स्पष्ट किया है कि इस मामले को लेकर वर्तमान में किसी न्यायालय में कोई वाद लंबित नहीं है। चाईबासा सीमेंट वर्क्स लंबे समय से कोल्हान क्षेत्र की औद्योगिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। इसके बंद होने से न केवल कर्मचारियों और उनके परिवारों पर प्रभाव पड़ेगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और आसपास के व्यवसायों पर भी इसका असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

एसआइआर को लेकर झामुमो का विशेष प्रशिक्षण आर मैपिंग कार्यक्रम

खूंटी। तोरपा विधानसभा क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण एसआइआर अभियान को लेकर विधायक आवास, तपकारा में सोमवार को झामुमो की ओर से मंगलवार को बीएलए-2 का विशेष प्रशिक्षण और मैपिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया और झामुमो खूंटी जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में तोरपा विधानसभा क्षेत्र के सभी प्रखंडों से पहुंचे झामुमो पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ एसआइआर अभियान की तैयारियों और मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक लोगों को अनमैप्ड होने से बचाने और प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने सभी बीएलए-2 और झामुमो पदाधिकारियों से घर-घर पहुंचकर प्रत्येक पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। विधायक ने कहा कि लोकतंत्र की इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे। कार्यक्रम में बुद्धिजीवी मोर्चा खूंटी जिलाध्यक्ष एवं जिला परिषद सदस्य वीरेन कंडुलना, जिला परिषद सदस्य बिरजो कंडुलना, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सुशांति कोनगाड़ी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष अमृत हेमरोम, प्रमुख नेली डाहंगा, मेरी कोनगाड़ी, शिशिर तोपनो, पूनम बारला सहित बड़ी संख्या में झामुमो के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खूंटी में नशा विरोधी संदेश के साथ क्रॉस कंट्री दौड़, खिलाड़ियों ने दिया 'नशे को ना, जिंदगी को हां' का संदेश

खूंटी। मादक पदार्थों के सेवन के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मंगलवार को बिरसा मुंडा हॉकी एस्ट्रोटर्फ स्टेडियम से क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उपायुक्त मो. जावेद हुसैन के निर्देश पर आयोजित किया गया। इस दौड़ में जिले के बालक हॉकी आवासीय प्रशिक्षण केंद्र और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की बालिका प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने खेल और स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने तथा नशे से दूर रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों और प्रशिक्षकों ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास में सहायक हैं, बल्कि यह अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा भी प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि नशे से दूर रहकर खेल और अन्य रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ना एक स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में हॉकी प्रशिक्षक लालमिंगकिमी खिग्यान्ते, बिबियानी कोंगाड़ी और जिला खेल समन्वयक राहुल कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए जन-जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया।

रांची में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, दो युवतियों समेत पांच लोग गिरफ्तार

एजेंसी। रांची

राजधानी रांची के पॉश इलाके हरमू हाउसिंग कॉलोनी में किराए के मकान से संचालित कथित सेक्स रैकेट का अरगोड़ा पुलिस ने मंगलवार को भंडाफोड़ किया। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में दो युवतियों सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रैकेट के संचालन में संलिप्त मुख्य आरोपित को भी हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को हरमू क्षेत्र में किराए के मकान में अवैध देह व्यापार संचालित होने की सूचना मिली थी। सूचना की पुष्टि के बाद हटिया के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) नीरज कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में अरगोड़ा थाना प्रभारी अनिल तिवारी, डोरंडा थाना प्रभारी दीपिका प्रसाद, महिला मजिस्ट्रेट तथा पर्याप्त संख्या में पुलिस बल शामिल था। पुलिस टीम ने हरमू हाउसिंग कॉलोनी स्थित संदिग्ध मकान पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान दो युवतियां और तीन युवक आपत्तिजनक स्थिति में पाए गए। मौके से सभी पांचों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने मकान से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य भी बरामद किए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। हटिया डीएसपी नीरज कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि मकान पांकी निवासी एक व्यक्ति का है, जिसे किराए पर लेकर एक अन्य व्यक्ति कथित रूप से सेक्स रैकेट चला रहा था। जांच में यह भी पता चला है कि पश्चिम बंगाल से युवतियों को बुलाकर इस अवैध कारोबार का संचालन किया जा रहा था। पुलिस ने छापेमारी के बाद मकान को सील कर दिया है और गिरफ्तार आरोपितों से गहन पूछताछ की जा रही है। साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने और संभावित मानव तस्करी के पहलुओं की भी जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में आगे की जांच जारी है और पूछताछ के आधार पर अन्य आरोपितों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मानव तस्करी और अवैध देह व्यापार से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर संलिप्त लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

मादक पदार्थ बरामदगी मामले में दोषी कुंदन कुमार को पांच साल की सजा,50 हजार का जुर्माना

एजेंसी। रांची

मादक पदार्थ तस्करी के एक मामले में दोषी कुंदन कुमार को अदालत ने पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। अपर न्यायायुक्त शैलेंद्र कुमार की अदालत ने दोषी पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना अदा न करने की स्थिति में उसे एक वर्ष की अतिरिक्त साधारण सजा भुगतनी होगी। अदालत ने 12 जून को कुंदन कुमार को दोषी करार दिया था। उस समय अदालत ने माना था कि अभियोजन पक्ष ने उसके खिलाफ लगाए गए आरोपों को संदेह से परे सिद्ध किया है। इसके बाद आरोपित की जमानत याचिका खारिज कर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया था। यह मामला 30 जुलाई 2022 का है, जब हटिया के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) को मादक पदार्थ तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर जगन्नाथपुर थाना पुलिस ने लटमा रोड पर चेकिंग अभियान चलाया था। चेकिंग के दौरान खूंटी की ओर से आ रहे एक बाइक पर सवार दो लोग पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल था। तलाशी के दौरान उनके पास से 5.3 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे ओडिशा से गांजा लाकर नामकुम तुंबागुटू स्थित एक दुकान में बेचने जा रहे थे। दोनों आरोपुत बिहार के वैशाली जिले के रहने वाले बताए गए हैं।

मंत्री दीपिका पांडेय ने स्वर्ण पदक विजेता बॉक्सर शिक्षा कुमारी को दी बधाई

एजेंसी। रांची

18वीं झारखंड स्टेट सब-जूनियर बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली गोड्डा की खिलाड़ी शिक्षा कुमारी ने मंगलवार को ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से उनके आवासीय कार्यालय में मुलाकात की। इस अवसर पर मंत्री ने उन्हें शानदार उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि झारखंड के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी पहचान बना सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षा कुमारी ने स्वर्ण पदक जीतकर यह साबित किया है कि दृढ़ संकल्प, कठोर परिश्रम और आत्मविश्वास के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा की यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि गोड्डा सहित पूरे झारखंड के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। यह राज्य की उन सभी बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है, जो खेल और अन्य क्षेत्रों में आगे बढ़ने का सपना देख रही हैं। मंत्री ने कहा कि यदि अवसर, समर्पण और संकल्प साथ हों, तो बेटियाँ हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल कर सकती हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि शिक्षा कुमारी भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य और देश का नाम रोशन करेंगी। इस दौरान शिक्षा कुमारी ने चैंपियनशिप से जुड़ी अपनी तैयारियों और अनुभवों को भी मंत्री के साथ साझा किया। झारखंड बॉक्सिंग एसोसिएशन और सरायकेला-खरसावां जिला बॉक्सिंग संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता के 40-43 किलोग्राम भार वर्ग में शिक्षा कुमारी ने पश्चिम सिंहभूम की खिलाड़ी सिली को पराजित कर स्वर्ण पदक हासिल किया।

डायन-बिसाही के शक में हत्या की आरोपित महिला दोषी करार, 25 जून को सजा पर सुनवाई

एजेंसी। रांची

राजधानी रांची के नामकुम थाना क्षेत्र के जामुन टोली में वर्ष 2022 में डायन-बिसाही के शक में हुई महिला की हत्या के मामले में अपर न्याययुक्त अमित शेखर की अदालत ने आरोपित बाशो देवी को दोषी करार दिया है। अदालत अब 25 जून को सजा के बिंदु पर सुनवाई करेगी। मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से कुल नौ गवाहों की गवाही दर्ज की गई। घटना 23 जुलाई 2022 की सुबह करीब 5 बजे की है। उस दिन सीमा देवी अपने घर के पास चापाकल पर बर्तन धो रही थीं, तभी आरोपित बाशो देवी ने उन पर डायन-बिसाही के शक में हमला कर दिया। आरोपित ने सीमा देवी के सिर पर कई बार वार किया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। प्राथमिकी के अनुसार, यह मामला केवल अंधविश्वास तक सीमित नहीं था, बल्कि इसके पीछे जमीन विवाद की पृष्ठभूमि भी सामने आई है। मृतका के पति चामू लोहरा के परिवार से जुड़े जमीन विवाद को लेकर लंबे समय से तनाव की स्थिति बताई जाती है। आरोप है कि जमीन पर कब्जे की नीयत से मृतका को पहले भी डायन-बिसाही का आरोप लगाकर प्रताड़ित किया जाता था और उसके साथ मारपीट की घटनाएं भी हुई थीं। बताया गया है कि मृतका के पति चामू लोहरा के भाई जीतराम लोहरा की मृत्यु वर्ष 2012 में हो गई थी, जबकि उसके दो वर्ष बाद जीतराम लोहरा के एकलौते पुत्र कृष्णा लोहरा की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। इसके बाद परिवार में निसंतान दंपति होने के कारण संपत्ति को लेकर विवाद और भी गहरा गया था। हत्या की इस वारदात के बाद नामकुम पुलिस ने नौ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। हालांकि, जांच के बाद अदालत में चार्जशीट केवल एक आरोपित बाशो देवी उर्फ बसंती देवी के खिलाफ दाखिल की गई। मामले के सूचक मृतका के पति चामू लोहरा हैं। अब सभी की नजरें 25 जून को होने वाली सजा पर टिकी हैं, जहां अदालत दोषी को लेकर सजा का निर्धारण करेगी।

मिर्जाडीह में 50 महिलाओं को मिला सिलाई प्रशिक्षण का प्रमाण पत्र

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

एसटीपी बर्जर ग्रुप की ओर से आयोजित 60 दिवसीय निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन पर मंगलवार को 50 महिलाओं को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। समापन समारोह में एसटीपी के एचआर प्रतिनिधि प्रणाब बूटे मुख्य रूप से उपस्थित थे। उन्होंने प्रशिक्षित महिलाओं को प्रमाण पत्र सौंपते हुए कहा कि कौशल आधारित प्रशिक्षण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं अपने हुनर के बल पर स्वरोजगार से जुड़ती हैं तो इससे न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, बल्कि परिवार और समाज की प्रगति में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रशिक्षण प्राप्त महिलाएं सिलाई-कढ़ाई के क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर तलाशकर अपनी आय बढ़ाने में सफल होंगी। कार्यक्रम में सुभाशीष भट्टाचार्य की भी उपस्थिति थीं। इस आयोजन को सफल बनाने में शभा, रानीला, समिता और नीलमनी सहित कई लोगों ने सक्रिय योगदान दिया। प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं ने एसटीपी बर्जर ग्रुप का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के कौशल विकास कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान करते हैं और उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं।

पूर्वी सिंहभूम में पेसा कानून के अनुपालन को लेकर ग्राम सभाओं का प्रदर्शन, प्रशासन को 10 दिन का अल्टीमेटम

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड अंतर्गत रोहिणी बेड़ा, बड़ा झरनागीह, भाटिन और तिलाईटांड़ की संयुक्त ग्राम सभाओं ने मंगलवार को ग्राम सभा के अधिकारों और पेसा अधिनियम के अनुपालन की मांग को लेकर जिला मुख्यालय में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन की पुत्री दुखनी सोरेन ने किया। करीब 300 ग्रामीण पारंपरिक तीर-धनुष और सांस्कृतिक प्रतीकों के साथ उपायुक्त कार्यालय पहुंचे और अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान दुखनी सोरेन ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध जताया और वाहन के बोनट पर चढ़कर भी प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि बड़ा झरनागीह स्थित मां रंकिनी मंदिर परिसर में चल रहे सौंदर्यीकरण, पर्यटन विकास और निर्माण कार्य ग्राम सभा की अनुमति के बिना किए जा रहे हैं, जो पेसा अधिनियम और ग्राम सभा के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। संयुक्त ग्राम सभाओं का कहना है कि इस मामले में पहले भी कई बार प्रशासन को आवेदन दिए गए, लेकिन अब तक न तो निष्पक्ष जांच कराई गई और न ही परियोजनाओं से जुड़ी स्वीकृति, कार्यादेश और वित्तीय प्रावधानों की जानकारी सार्वजनिक की गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि इससे क्षेत्र में असंतोष और अविश्वास का माहौल बन रहा है। ग्राम सभा प्रतिनिधियों ने प्रशासन से 10 दिनों के भीतर विस्तृत जांच कर रिपोर्ट सार्वजनिक करने, पेसा अधिनियम का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने और विवादित कार्यों की वैधानिकता की समीक्षा करने की मांग की है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि समय सीमा में कार्रवाई नहीं हुई तो वे व्यापक जन आंदोलन शुरू करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस ज्ञापन पर चारों ग्राम सभाओं के प्रतिनिधियों और पारंपरिक ग्राम प्रधानों के हस्ताक्षर हैं।

झारखंड में मानसून कमजोर, बारिश की कमी से उमस और गर्मी बढ़ी

एजेंसी। रांची

दक्षिण-पश्चिम मानसून झारखंड में अपेक्षित गति नहीं पकड़ सका है, जिससे राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश की कमी बनी हुई है। 12 जून को मानसून के आगमन के बाद रांची सहित कुछ क्षेत्रों को छोड़कर बाकी हिस्सों में सामान्य से काफी कम वर्षा दर्ज की गई है। बारिश की कमी के कारण तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे भीषण गर्मी और उमस से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश में कमी का असर किसानों पर भी दिखने लगा है और वे अब मौसम के बदलते रुख को लेकर चिंतित हैं। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के पूर्वी और निकटवर्ती मध्य हिस्सों में 19 और 20 जून को गरज-चमक के साथ बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना है। इस दौरान 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, जिसे देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। विभाग ने यह भी बताया कि राज्य के विभिन्न जिलों में 22 जून तक बारिश, आकाशीय बिजली और तेज हवाओं की संभावना बनी रहेगी। इस अवधि में हवाओं की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है, जिसके लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। पिछले 24 घंटों में राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 40.4 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान लातेहार में 23.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी दौरान सबसे अधिक वर्षा पाकुड़ जिले के महेशपुर में 21.4 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई। मंगलवार को रांची में सुबह से ही मौसम साफ रहा और तेज धूप के कारण उमस और गर्मी बढ़ गई। यहां अधिकतम तापमान 34.2 डिग्री और न्यूनतम 24.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 40 डिग्री और न्यूनतम 29.4 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 40.4 और न्यूनतम 29.1 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 38.5 डिग्री और न्यूनतम 26.1 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

कार्यालय, जिला कृषि पदाधिकारी, पलामू
योधसिंह नामधारी महिला कॉलेज के सामने
मेदिनीनगर, पलामू – 822101

माल ढुलाई हेतु वाहन किराये पर लेने हेतु निविदा आमंत्रण

पलामू जिला में GST पंजीकृत इच्छुक फर्म/ट्रांसपोर्टर से कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं में कृषकों को अनुदान पर विभिन्न फसलों का बीज वितरण हेतु प्राप्त बीज एवं अन्य कृषि उपादान (INM/IPM) जिला मुख्यालय से प्रखण्ड मुख्यालय तक पहुँचाने हेतु माल ढुलाई वाहन भाड़े पर उपलब्ध कराने हेतु निम्नांकित शर्तो के अधीन तकनीकी बिड –A एवं वित्तीय बिड–B दो अलग–अलग मुहरबंद लिफाफे में निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय : 25.06.2026 संध्या 5 बजे तक।
तकनीकी निविदिा खुलने की तिथि एवं समय : 26.06.2026 अपरह्न 3 बजे।

नियम एवं शर्तें
1. वाहन की उपलब्धता निविदादाता को कार्यालय से मांग पत्र (Demand Letter/Phone call) मिलने के अधिकतम 24 घंटे के भीतर वांछित वाहन (पिकअप या बड़ा ट्रक) कार्यालय में बताए गए स्थान पर उपलब्ध कराना होगा।
2. अनुबंध की अवधि– यह अनुबंध कार्य आदेश (Work Order) जारी होने की तिथि से 01 वर्ष के लिए वैध होगा। कार्य संतोषजनक होने पर इसे आपसी सहमति से आगे बढ़ाया जा सकता है।

तकनीकी पात्रता (Technical Eligibility Criteria–लिफाफा 'A') –
1. निविदादाता को तकनीकी बोली के लिफाफे में निम्नलिखित दस्तावेजों की स्व–प्रमाणित (Self & Attested) प्रतियां।
2. फर्म/ट्रांसपोर्टर का **PAN** कार्ड और **GST** रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट।
3. कम से कम 2 वाहनों की कमर्शियल **RC,** वैध फिटनेस और प्रदूषण प्रमाण पत्र (**PUC**)।
4. वाहनों का वैध कमर्शियल इंश्योरेंस (**First Party Insurance**) और परमिट।
5. चालक (**Driver**) का वैध कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस (**TR/Commercial DL**)।
6. राशि (**EMD**) 40,000/– (चालीस हजार) का डिमांड ड्राफ्ट (**DD**) जो कि **"जिला कृषि पदाधिकारी, पलामू"** के नाम पर देय हो।

वित्तीय शर्तें एवं भुगतान प्रक्रिया (Financial Terms – लिफाफा 'B')
1. दूरी/किलोमीटर (**KM**) की गणना कार्यालयध्सामग्री लोडिंग प्वाइंट से लेकर अनलोडिंग प्वाइंट तक के वास्तविक दुरी के आधार पर की जाएगी।
2. वाहन का लॉगबुक का सत्यापन कार्यालय के कर्मचारी द्वारा किया जाएगा।
3. ट्रांसपोर्टर को प्रत्येक माह की समाप्ति पर लॉगबुक की प्रमाणित प्रति के साथ अपना कमर्शियल बिल जमा करना होगा।
4. भुगतान चेक/बैंक ट्रांसफर (**NEFT/RTGS**) के माध्यम से किया जाएगा।
5. नियमानुसार भुगतान राशि से **TDS** और अन्य वैधानिक करों (**Taxes**) की कटौती की जाएगी।
6. सामग्री की सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी ट्रांसपोर्टर की होगी। रास्ते में चोरी या प्राकृतिक आपदा से नुकसान होने पर ट्रांसपोर्टर को हर्जाना देना होगा।
7. किसी भी दुर्घटना (**Accident**) या यातायात नियमों के उल्लंघन (**Challan**) की स्थिति में सभी कानूनी और वित्तीय जिम्मेदारियां वाहन मालिक/ट्रांसपोर्टर की होंगी। कार्यालय का इससे कोई सरोकार नहीं होगा।
8. यदि वेंडर समय पर वाहन उपलब्ध कराने में असफल रहता है, तो कार्यालय को बाजार से दूसरे वाहन से माल मंगाने का अधिकार होगा। इसमें होने वाला अतिरिक्त खर्च वेंडर के बिल या धरोहर राशि (**EMD**) से काटा जाएगा।
9. बिना कोई कारण बताए निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का सर्वाधिकार जिला कृषि पदाधिकारी, पलामू के पास सुरक्षित रहेगा।

जिला कृषि पदाधिकारी
पलामू

PR 382526 Agriculture(26-27).D

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर के कांगपोकपी में आदिवासी संघर्ष, गोलीबारी में तीन घायल

कांगपोकपी, एजेंसी। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में आदिवासियों के दो गुटों के बीच हुई

गोलीबारी में तीन लोग घायल हो गए। घायलों को इंफाल स्थित रिम्स में भर्ती कराया गया। इसके बाद घायल युवकों को भर्ती किए जाने का विरोध करते हुए प्रदर्शनकारियों का एक समूह अस्पताल परिसर के पास जमा हो गया और विरोध- प्रर्दशन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि ये तीनों उग्रवादी थे, जिसके बाद सुरक्षा बलों को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े।बताया जा रहा है कि घायल तीनों युवकों में से एक फुटबालर था, जो मोहन बागान के लिए खेलता था। अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी सुबह करीब छह बजे लेइलोन वाइफेई गांव के पास हुई। कुकी-बहुल जिले में हथियारबंद लोगों ने गोलीबारी की। सभी घायल कुकी समुदाय के हैं। लेइलोन वाइफेई वही गांव है, जहां से 13 मई को नागा जनजाति के छह लोगों का अपहरण कर लिया गया था। 10 जून को छह लोगों के शव बरामद किए गए। जिनके बारे में माना जा रहा है कि वे वही लोग थे, जिनका अपहरण किया गया था।

अकाल तख्त ने मुख्यमंत्री भगवंत मान को 'गुरु द्रोही' और 'खालसा पंथ विरोधी' घोषित किया

चंडीगढ़, एजेंसी। सिखों की शीर्ष धार्मिक संस्था अकाल तख्त साहिब ने एक कथित आपत्तिजनक वीडियो में झूठ बोलने के मामले में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को सोमवार को 'गुरु द्रोही' और 'खालसा पंथ विरोधी' घोषित कर दिया. अमृतसर में 'पांच सिंह साहिबान' (सिख धर्मगुरुओं) की बैठक के बाद, अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गरगज ने अकाल तख्त की 'फसील' (मंच) से यह आदेश सुनाया. जानकारी के अनुसार, शुरू में चर्चा के लिए केवल दो अहम मुद्दों का जिक्र किया गया था. पहला मुद्दा बेअदबी कानून का था और दूसरा बलवंत सिंह राजोआना की दया याचिका वापस लेने का. इसी मौके पर जत्थेदार कुलदीप सिंह गरगज ने मुख्यमंत्री के कथित वीडियो का तीसरा मुद्दा भी शामिल किया. जत्थेदार ने कहा कि '15 जनवरी को मुख्यमंत्री को बुलाया गया था. उनसे गोलक (दान पेटी) पर दिए गए बयान पर स्पष्टीकरण मांगा गया था. उस समय सीएम ने कहा था कि वे गोलक पर आगे कोई बयान नहीं देंगे. लेकिन बाद में भी वे गोलक पर बयान देते रहे हैं. दूसरी बात, उनके कथित वीडियो के बारे में भी स्पष्टीकरण मांगा गया था, जिसे उन्होंने नकली बताया था और कहा था कि वीडियो की जांच किसी लैब से कराई जानी चाहिए।

महिलाओं के लिए मुफ्त बस सेवा की हो रही थी शुरुआत

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल में महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना की शुरुआत के समय एक अजीब हालात उस समय पैदा हो गए, जब कोल्लम में एक खचाखच भरी सरकारी बस में महिला एवं बाल विकास मंत्री बिंदु कृष्णा पर गलती से गर्म खीर गिर गई. उक्त घटना तब हुई जब मंत्री 'प्रियदर्शनी' योजना को लागू करने के सिलसिले में केरल राज्य सड़क परिवहन निगम की बस में यात्रा कर रही थीं. इस योजना के तहत प्रदेश भर में सामान्य केएसआरटीसी बसों में महिलाओं और ट्रांसजेंडर लोगों को फ्री यात्रा करने की सुविधा मिलती है. बताया जाता है कि मंत्री का स्वागत करने के लिए बस में सवार उनके समर्थक यात्रा के दौरान उनको खिलाने के लिए पायसम (खीर) लाए थे. इसी दौरान बस में भारी भीड़ के बीच, मिठाई वाला बर्तन गलती से मंत्री से टकरा गया, जिसकी वजह से खीर उनके सिर और कपड़ों पर गिर गई. वीडियो में बिंदु कृष्णा को अपने बालों और कपड़ों से खीर को साफ करते हुए देखा जा सकता है, जबकि उनके साथी उन्हें साफ-सफाई में मदद करने के लिए आगे आते हैं. हालांकि मंत्री कुछ सेकंड के लिए अपना आपा खो बैठीं।

एनसीपीआई में शामिल हुए टीएमसी के 20 सांसदों ने चली चाल, काकोली घोष को बनाया पार्टी अध्यक्ष

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजनीति और देश की संसद से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर आ रही है। तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों ने दलबदल विरोधी कानून के तहत अपनी सांसदी गंवाने से बचने के लिए एक अनोखा और बड़ा रास्ता निकाला है। इन बागी सांसदों ने एक छोटी और गुमनाम सी राजनीतिक पार्टी 'नेशनलिस्ट सिटीजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' का न सिर्फ दामन थाम लिया है, बल्कि पूरी पार्टी पर ही कब्जा कर लिया है।

इतना ही नहीं ममता बनर्जी की पुरानी और बेहद करीबी रहीं काकोली घोष दस्तीदार को इस नई पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया है। बता दें कि काकोली घोष ही लोकसभा में ममता बनर्जी के खिलाफ हुए इस विद्रोह का मुख्य चेहरा हैं।

देखा जाए तो पश्चिम बंगाल की राजनीति का इस नए अध्याय का पूरा खेल बहुत ही सोची-समझी रणनीति के तहत खेला गया है। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि सीक्रेट डील के तहत 30 मई को काकोली घोष दस्तीदार को अध्यक्ष चुना गया।

इससे ठीक दो दिन पहले, पार्टी की पुरानी अध्यक्ष शेवली कुंडू ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। यह सब आपसी सहमति से इस छोटी पार्टी को बागियों के हवाले करने के लिए किया गया।

इससे पहले टीएमसी के कुल 28 लोकसभा सांसदों में से 20 बागी सांसद रविवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मिले। उन्होंने स्पीकर को जानकारी दी कि

उनके पास दो-तिहाई से ज्यादा सांसदों का बहुमत है, इसलिए वे टीएमसी छोड़कर में शामिल हो रहे हैं, ताकि उनकी सदस्यता रद्द न हो।

देखा जाए तो भाजपा ने अभी तक इस पूरे मामले में कोई कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक इस पूरी रणनीति के पीछे भाजपा का ही हाथ है। ऐसा अनुमान इसलिए लगाया जा रहा है, क्योंकि पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और वरिष्ठ सांसद निशिकांत दुबे लगातार इन बागी सांसदों के संपर्क में थे। इसके अलावा गौर करने वाली बात यह भी है कि सभी बागी सांसदों की कई महत्वपूर्ण बैठकें केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के घर पर ही हुईं। फिर बीते रविवार को इन 20 सांसदों ने स्पीकर को साफ कर दिया कि वे में शामिल होकर भाजपा के नेतृत्व वाले ह्ह्ठ का हिस्सा बनने जा रहे हैं और उन्होंने सत्ताधारी गठबंधन की तरफ सीटें आवंटित करने की मांग की है।

आखिर ममता बनर्जी के भतीजे से क्यों है नाराजगी?

इस बात को ऐसे समझिए कि टीएमसी के सबसे सीनियर सांसद सुदीप बंद्योपाध्याय (6 बार के सांसद) भी पिछले दिनों इस बागी गुट में शामिल हो गए। इन सभी सांसदों के गुस्से की मुख्य वजह ममता बनर्जी के भतीजे और उनके राजनीतिक उत्तराधिकारी अभिषेक बनर्जी हैं। सांसदों का आरोप है कि अभिषेक बनर्जी बेहद घमंडी हैं और वे पार्टी के सीनियर नेताओं को दरकिनार कर अपनी मनमानी चला रहे हैं। गौरतलब है कि जिस पार्टी की किस्मत रातों-रात चमक गई है, उसका इतिहास ज्यादा बड़ा नहीं है या फिर यूं कहे कि बेहद मामूली है। रजिस्ट्रेशन जनवरी 2023 में हुआ था और इसका पता पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले के सांकराइल की एक बिल्डिंग का है। इसके बाद 2023 के त्रिपुरा विधानसभा चुनाव में इस पार्टी ने 4 उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें से सबसे ज्यादा वोट पाने वाले उम्मीदवार को सिर्फ 536 वोट मिले थे। चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में यह देश की उन 2000 से ज्यादा पार्टियों में शामिल है जिन्हें मान्यता नहीं मिली हुई है। ऐसे में अगर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला इस विलय को मंजूरी दे देते हैं, तो यह गुमनाम पार्टी रातों-रात लोकसभा की पांचवीं सबसे बड़ी पार्टी और एनडीए में भाजपा के बाद दूसरा सबसे बड़ा दल बन जाएगी।

गैस-पेट्रोल के दामों पर सरकार को घेरा

नागपुर में महंगाई के खिलाफ शरद पवार गुट का थाली बजाओ आंदोलन

नागपुर, एजेंसी। नागपुर के संविधान चौक पर बढ़ती महंगाई को लेकर जनता का गुस्सा फूट पड़ा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की महिला शहर अध्यक्ष प्रिया फुके के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने हाथ में गैस सिलेंडर लेकर और थाली बजाकर प्रदर्शन किया। विपक्ष ने इस आर्थिक संकट के लिए पूरी तरह सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया है।

देश में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की आसमान छूती कीमतों ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। ईंधन के दाम बढ़ने से रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं की लागत भी तेजी से बढ़ी है, जिससे मध्यमवर्ग और गरीब परिवार बुरी तरह प्रभावित हैं। इसी जन-असंतोष को आवाज देने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने नागपुर में एक बड़ा विरोध प्रदर्शन आयोजित किया।

महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और शरद पवार गुट के नेता अनिल देशमुख और नागपुर शहर अध्यक्ष दुनेश्वर पेठे के मार्गदर्शन में आयोजित इस आंदोलन में भारी संख्या में महिला और पुरुष कार्यकर्ता शामिल हुए। विरोध प्रदर्शन के दौरान केंद्र सरकार, राज्य सरकार एवं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की गई। थाली बजाकर केंद्र एवं राज्य सरकार की नीतियों का विरोध किया गया।

नागपुर के संविधान चौक में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान शरद पवार गुट के कार्यकर्ताओं ने हाथ सिलेंडर लेकर बढ़ती महंगाई की ओर ध्यान खींचा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथ में बैनर पोस्टर लिए केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ जमरक नारेबाजी की। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नागपुर शहर अध्यक्ष दुनेश्वर पैठे ने केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की देवेंद्र फडणवीस सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस तथा अन्य जीवनावश्यक वस्तुओं के दामों में कमी नहीं की गई तो शहर में चक्का जाम आंदोलन किया जाएगा। शरद पवार गुट की नागपुर महिला शहर अध्यक्ष प्रिया फुके ने कहा कि महंगाई से आम नागरिक, मजदूर एवं किसानों का जीवन अत्यंत कठिन हो गया है। यह स्थिति केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की गलत नीतियों का परिणाम है और इसके लिए दोनों सरकारें जिम्मेदार हैं।

गुरुग्राम आईटीआई दाखिले का एक और मौका, आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून तक बढ़ी

गुरुग्राम, एजेंसी। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों को राहत देते हुए कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग ने आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून से बढ़ाकर 30 जून कर दी है। इससे उन विद्यार्थियों को अतिरिक्त समय मिल गया है, जो अब तक किसी कारणवश आवेदन नहीं कर सके थे। हालांकि फिलहाल विद्यार्थियों को ट्रेड चयन का विकल्प उपलब्ध नहीं कराया गया है। आईटीआई के नोडल अधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि दो जून से विभिन्न ट्रेडों में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हुई थी और 15 जून अंतिम तिथि निर्धारित की गई थी। विभाग की ओर से जारी नए निर्देशों के तहत अब विद्यार्थी 30 जून तक आवेदन कर सकेंगे।

उन्होंने बताया कि गुरुग्राम आईटीआई में पहले 25 ट्रेडों में कुल 856 सीटें उपलब्ध थीं, लेकिन विभिन्न कारणों से 284 सीटें कम हो गई हैं। वर्तमान में 21 ट्रेडों की 572 सीटों पर ही प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। विभाग को उम्मीद है कि आवेदन तिथि बढ़ने से अधिक संख्या में विद्यार्थी प्रवेश प्रक्रिया से जुड़ेंगे। जिले के राजकीय महाविद्यालयों में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए भी छात्रों का उत्साह बना हुआ है। जिले के 10 सरकारी कॉलेजों में करीब 10 हजार सीटों के लिए 22 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। सेक्टर-9 राजकीय महाविद्यालय के नोडल अधिकारी संजय कत्याल ने बताया कि कालेज की 1430 सीटों के लिए लगभग 7200 आवेदन आए हैं। उन्होंने बताया कि बीबीए, बीसीए और बीकॉम पाठ्यक्रमों की मांग सबसे अधिक है। इन पाठ्यक्रमों के लिए करीब छह हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं।

जेवर बनेगा नया चमचमाता शहर, एयरपोर्ट से मिलेगा औद्योगिक विकास और रोजगार को बढ़ावा

जेवर, एजेंसी। जेवर में एयरपोर्ट के अलावा आसपास गांव की जमीनों पर 5,000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में यमुना प्राधिकरण कमर्शियल, रेजिडेंशियल और इंडस्ट्रियल हब तैयार कर रहा है। जहां मल्टीलक्जरी होटल, पब, रेस्तरां, खुदरा (रिटेल) दुकानें और मनोरंजन केंद्र शामिल होंगे। एयरपोर्ट और उसके आसपास के क्षेत्र में एयरोसिटी विकसित करने की योजना के साथ ही एयरपोर्ट के आसपास विकास की अन्य योजनाएं तेजी बढ़ रही हैं। कुछ समय पहले तक निवेश और औद्योगिक विकास के मामले में पिछड़ा माना जाने वाला जेवर क्षेत्र में उद्योग, व्यापार, पर्यटन, रोजगार और निवेश नई पहचान के साथ चमचमाता दिख रहा है। युवाओं को रोजगार के नए अवसर एयरपोर्ट के पास यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में देश-विदेश से बड़ी संख्या में निवेशक निवेश कर रहे हैं। पांच इंडस्ट्रियल पार्क स्थापित हो चुके है जहा हजारों युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। एयरपोर्ट केवल हवाई यातायात का विस्तार नहीं दे रहा, बल्कि क्षेत्र और प्रदेश में पर्यटन औद्योगिक विकास के साथ ही

अर्थव्यवस्था को एक नई उड़ान दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2021 में महत्वाकांक्षी परियोजना नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की नींव रखी थी। जिसके बाद यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में जेवर के आसपास अपैरल पार्क, हैंडीक्राफ्ट पार्क, एमएसएमई पार्क, टाय पार्क और मेडिकल डिवाइस पार्क स्थापित हो चुके हैं। इसके अलावा नए कमर्शियल, रेजिडेंशियल और इंडस्ट्रियल सेक्टरों का तेजी से विकास किया जा रहा है। डेटा सेंटर, फिल्म सिटी और राज्य का पहला सेमीकंडक्टर प्लांट के साथ पांच साल में क्षेत्र ने विकास और निवेश के मामले में नए आयाम स्थापित किए हैं।

सीक्रेट शादी, जहर पीने का समझौता और फिर मर्डर... बेंगलुरु में दिल दहला देने वाली वारदात

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहां 22 साल की भवानी की संदिग्ध मौत के मामले में उसके प्रेमी चंद्रशेखर को गिरफ्तार किया गया है। इन दोनों ने एक साल पहले गुपचुप तरीके से शादी कर ली थी और इसका राज भवानी की इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए खुला।

यह घटना शनिवार को ब्यादाराहल्ली पुलिस स्टेशन इलाके में जी होसाहल्ली रोड पर हुई। मृतक भवानी तुलसी नगर में रहती थी और मूल रूप से बेंगलुरु दक्षिण जिले के मगदी की रहने वाली थी। वह टिगलारापाल्या में एक मोबाइल फोन की दुकान पर बिलिंग एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम करती थीं। आरोपी चंद्रशेखर एक ऑटो-रिक्शा ड्राइवर है। पुलिस के मुताबिक, शनिवार सुबह भवानी की मौसी ने उसकी मां को फोन करके बताया कि भवानी ने एक लड़के के साथ इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट की है। उस फोटो के बारे में पूछने के लिए उसके पिता श्रीनिवास एन ने सुबह करीब 7:30 बजे उसे फोन किया। कई बार कॉल करने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला। फिर उन्होंने मकान मालिक से संपर्क किया और उनसे उसे देखने के लिए कहा। मकान मालिक ने श्रीनिवास को बताया कि घर के अंदर कोई मौजूद लग रहा था। हालांकि, बार-बार दरवाजा खटखटाने के बावजूद किसी ने जवाब नहीं दिया। उन्होंने पुलिस को सूचना दी तो मौके पर पहुंची पुलिस ने भवानी को मृत पाया, जबकि चंद्रशेखर बेहोश था लेकिन उनकी सांसें चल रही थीं। पुलिस ने बताया कि उन्हें पास के अस्पताल में ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि घर में किसी जहरीले पदार्थ की तेज गंध आ रही थी। भवानी और चंद्रशेखर दोनों के शरीर से भी वैसी ही गंध आ रही थी। इलाज के बाद चंद्रशेखर को पुलिस हिरासत में ले लिया गया।

जांच में पता चला कि चंद्रशेखर और भवानी ने एक साल पहले गुपचुप तरीके से शादी कर ली थी और वे किसी को बताए बिना साथ रह रहे थे। हाल ही में भवानी को पता चला कि चंद्रशेखर पहले से शादीशुदा था और उनका छह साल का एक बच्चा भी है। इस बात का पता चलने पर दुखी होकर उसने अपने परिवार को पूरी स्थिति बताई। उसके माता-पिता ने उसके लिए एक दूल्हा भी ढूंढ लिया था और उसकी सगाई की तैयारियां चल रही थीं, जो अगले हफ्ते होनी थी। यह बात पता चलने के बाद शनिवार को चंद्रशेखर उसके घर आया और उसकी उससे बहस हुई। उसने कथित तौर पर उससे कहा, 'मैं तुम्हारे बिना नहीं रह सकता। या तो हम साथ जिएंगे या साथ मरेंगे।' पुलिस का दावा है कि दोनों ने साथ मरने के लिए जहर पिया था और जब भवानी की जान नहीं गई तो चंद्रशेखर ने उसका गला दबाकर हत्या कर दी।

चेन्नई के पेरुंगुडी डंपयार्ड में लगी भीषण आग, आसमान में छाया काला धुएं का गुबार

चेन्नई, एजेंसी। सोमवार दोपहर करीब 2 बजे चेन्नई के पेरुंगुडी डंपयार्ड (कचरा डंपिंग ग्राउंड) में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते लैंडफिल से काले धुएं का एक बड़ा और घना गुबार आसमान में उठने लगा, जिसे दूर-दूर से देखा जा सकता था।

ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने बताया कि आग दिखते ही तुरंत एक्शन लिया गया। मौके पर तैनात स्टैंडबाय (आपातकालीन) गाड़ियों को तुरंत काम पर लगाया गया, जिसमें फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी, दो पानी के टैंकर और दो जेट-रोडिंग गाड़ियां शामिल थीं। अधिकारियों के मुताबिक, आग करीब 70 मीटर लंबी और 25 मीटर चौड़ी पट्टी में फैल गई थी। लेकिन फायर ब्रिगेड और निगम की टीमों ने तेजी से काम करते हुए शाम तक इसके 75% हिस्से को बुझा दिया और स्थिति को नियंत्रण में ले लिया। निगम कमिश्नर जीएस. समीरन ने खुद देर शाम मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (ठोस कचरा प्रबंधन) विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि कचरे के ढेरों

में सालों पुराना कबाड़ जमा होने से मीथेन गैस बनती है। इस गैस की वजह से यहां अक्सर आग सुलग जाती है। गर्मियों के मौसम में यह समस्या और बढ़ जाती है, क्योंकि तेज धूप, गर्मी और तेज हवाओं के कारण आग बहुत तेजी से फैलती है। ऐसे में 10 दिनों के भीतर चेन्नई के डंपयार्डों में आग लगने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले पल्लिकरनई के पुराने डंपयार्ड में भी एक बड़ी आग लगी थी, जिसे बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। बता दें कि बार-बार होने वाले इन हादसों को रोकने के लिए चेन्नई नगर निगम ने अब पेरुंगुडी और कोडुंगयूर डंपयार्डों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने का फैसला किया है।

300 साल बाद बहरामपुर अकबरपुर से हटेगा 'अकबर' का नाम, अब क्या होगा नया नाम

गाजियाबाद, एजेंसी। मुगल साम्राज्य के वजीर गाजी-उद-दीन ने गाजियाबाद की नींव रखीं। बहरामपुर अकबरपुर भी इसी दौर यानी 18वीं शताब्दी के मध्य में कृषि प्रधान ग्रामीण बस्ती के रूप में वजूद में आया था। इस गांव में 75 फीसदी आबादी हिंदू है। प्रदेश के राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप के पत्र पर नगर निगम की बोर्ड बैठक में गांव का नाम बदलने का प्रस्ताव पास हो गया। यह नाम अब नामकरण समिति के पास जाएगा। वहां इस पर अंतिम मुहर लगेगी। अंतिम मुहर लगते ही 300 वर्ष पुराना गांव का नाम बदल जाएगा। अकबरपुर बहरामपुर गाजियाबाद नगर निगम के विजय नगर जोन के वार्ड 35 में आता है। कभी यह कृषि-आधारित पारंपरिक गांव हुआ करता था। वर्तमान में यह सिद्धार्थ विहार और प्रताप विहार जैसे पॉश इलाकों के सटा हुआ एक प्रमुख आवासीय हब बन चुका है। वर्तमान में 40,000 की आबादी वाले इस गांव में हिंदू धर्म के लोग बहुसंख्यक यानी लगभग 75 प्रतिशत हैं। यहां मुस्लिम समुदाय लगभग 23 प्रतिशत हैं। इसके अलावा सिख, ईसाई और जैन धर्म के लोग भी यहां निवास करते हैं। यहां के मूल निवासियों के अलावा बिहार, पूर्वी व पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली से आकर बसे कामकाजी व मध्यमवर्गीय लोग रहते हैं।

इन प्रमुख स्थानों का नामकरण का प्रस्ताव भी हुआ पास

कौशांबी के सेंट्रल पार्क नाम होगा राम पार्क सूर्य नगर स्थित चौक का नाम होगा अणुव्रत चौक विजय नगर सेक्टर 11 स्थित सड़क का नाम होगा बालाजी मंदिर मार्ग वार्ड 15 में चरण सिंह कॉलोनी स्थित चौराहे के नाम होगा महाराणा प्रताप चौक कृष्णाकुंज कॉलोनी स्थित पार्क का नाम होगा प्रकाश वीर शास्त्री पार्क प्रताप विहार स्थित पार्क का नाम होगा देवी अहिल्याबाई होल्कर पार्क प्रताप विहार स्थित दूसरे पार्क का नाम रामजानकी पार्क मिर्जापुर के बंजारा चौक का नाम होगा वीर अब्दुल हमीद चौक बोर्ड बैठक में बहरापुर-अकबरपुर का नाम बदलने का प्रस्ताव पास हो गया है। यह प्रस्ताव नगर निगम की नामकरण समिति के पास जाएगा। समिति नाम का अवलोकन कर इस पर अपनी अंतिम मुहर लगाएगी। यहां के बहुसंख्यक लोग बहरामपुर अकबरपुर नाम को बदलवाने मांग कर रहे थे। पिछले कई वर्षों में लोग पत्राचार के अलावा सोशल मीडिया पर भी इस मांग को तेजी से उठा रहे थे। इसके लिए प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री नरेंद्र कश्यप ने नगर निगम को पत्र लिखा था। पत्र में लिखा कि इस गांव में अत्यधिक संख्या में हिंदू निवास करते हैं। अकबरपुर नाम मुस्लिम होने के कारण यहां रह रहे हिंदुओं की भावनाएं आहत होती हैं। जिसके बाद यह प्रस्ताव नगर निगम की बोर्ड बैठक में रखा गया गया। बहरामपुर अकबरपुर का नाम बहरामपुर रखने का प्रस्ताव पास हो गया है। बदलने हुए नाम को नामकरण समिति के पास भेजा जाएगा। समिति इस पर मंथन और अवलोकन करेगी। इसके बाद समिति इस पर अपनी अंतिम मुहर लगाएगी। अगर समिति पर इस पर अपनी मुहर लगा देती हैं तो भविष्य में बहरामपुर अकबरपुर को बेहरामपुर नाम से जाना जाएगा। नामकरण समिति के सदस्य प्रवीण चौधरी ने बताया कि नगर निगम की बोर्ड बैठक में 30 से अधिक नामकरण और नाम बदलने के प्रस्ताव पास हुए हैं। चौराहों, पार्क, सड़कों के नाम बदले गए हैं या नाम रखे गए हैं। समिति नाम बदलने या रखने पर इस बात पर विचार करती है कि उस व्यक्ति के नाम पर नाम रखा जाना चाहिए जिसने देश के लिए कुछ किया है। समिति सेना के जवानों के नाम पर नाम रखने को ज्यादा महत्व देती है। स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर भी नाम रखने पर जोर दिया जाता है।

विचार-मंथन

संपादकीय

ऑनलाइन धोखाधड़ी के बढ़ते नेटवर्क के पीछे संस्थागत लापरवाही व मिलीभगत

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के न्यू कोंडली इलाके में पुलिस ने ऐसे ही मामले में एक सहकारी बैंक के उप प्रबंधक को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि आरोपी कमीशन पर खाते खुलवाने और उनका संचालन करने में मदद करता था।बैंक के भीतर ही जब धोखाधड़ी का रास्ता बन जाए, तो साइबर अपराध पर अंकुश कैसे लगेगा? सुरक्षा एजेंसियों के तमाम दावों के बावजूद साइबर ठगी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। अपराधी ऑनलाइन माध्यम से धोखाधड़ी के नए-नए तरीके ईजाद कर रहे हैं।इस संजाल की जड़ें इतनी गहरी हैं कि अपराधियों तक पहुंचना जांच एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे में अगर बैंक या किसी अन्य संबंधित महकमे के अधिकारी एवं कर्मचारी भी सांठगांठ में शामिल हों, तो मामला और पेचीदा हो जाता है।राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के न्यू कोंडली इलाके में पुलिस ने ऐसे ही मामले में एक सहकारी बैंक के उप प्रबंधक को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि आरोपी कमीशन पर खाते खुलवाने और उनका संचालन करने में मदद करता था। साइबर अपराधी बैंक में किसी और के नाम से इस तरह के खाते खुलवाते हैं और फिर ठगी के जरिए उसमें आई रकम को दूसरे खाते में भेज देते हैं। सवाल है कि जब सरकारी तंत्र में शामिल कर्मी ही इस तरह की गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल हों, तो फिर अपराध पर अंकुश कैसे लग पाएगा?गौरतलब है कि देश भर में साइबर ठगी के मामले साल दर साल बढ़ते जा रहे हैं। अपराधी वित्तीय धोखाधड़ी के लिए 'डिजिटल अरेस्ट' जैसे तरीकों का इस्तेमाल करते हैं, जिस पर सर्वोच्च न्यायालय भी गंभीर चिंता जाहिर कर चुका है। ताजा मामला भी तभी पकड़ में आया, जब राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की जांच का मिलान किया गया। दरअसल, देश के कई हिस्सों में दर्ज साइबर ठगी की 159 शिकायतों में यह खाता शामिल पाया गया, जिससे करीब 67 करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ है।इस साजिश से पता चलता है कि देश में ऑनलाइन धोखाधड़ी का संजाल कहां तक फैला हुआ है। जांच में सामने आया है कि जिसने यह खाता खुलवाया था, वह कभी उस बैंक की शाखा में गया ही नहीं। जाहिर है कि किसी बैंक कर्मी की मदद के बिना यह संभव नहीं है। मगर सवाल यह भी है कि इस खाते से जब करोड़ों रुपए का लेन-देन हो रहा था, तो दूसरे अधिकारियों ने इसकी जांच की जरूरत क्यों नहीं समझी? ऐसे में जरूरी है कि साइबर ठगी के मामलों में बैंक अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की जाए।

अंधविश्वास की जड़ों तक पहुंचे बिना नहीं रुकेगी जादू-टोने के भ्रम वाली हिंसा

कुछ दिन पहले ओड़िशा के संबलपुर जिले में साठ साल की एक महिला और उसकी बेटी की सिर्फ इसलिए कुल्हाड़ी से हत्या कर दी गई कि उन पर कुछ लोगों को जादू-टोना करने का संदेह था।जिस दौर में देश की अर्थव्यवस्था की चमकती तस्वीर दुनिया के सामने पेश की जा रही हो, उसी बीच आए दिन जब महज अंधविश्वास की वजह से निर्दोष लोगों की हत्या की घटनाएं भी हो रही हों, तो यह अपने आप में विकास की मौजूदा परिभाषा पर एक सवालिया निशान है।कुछ दिन पहले ओड़िशा के संबलपुर जिले में साठ साल की एक महिला और उसकी बेटी की सिर्फ इसलिए कुल्हाड़ी से हत्या कर दी गई कि उन पर कुछ लोगों को जादू-टोना करने का संदेह था। यह कोई पहली या अकेली घटना नहीं है, जिसमें सिर्फ अंधविश्वास के कारण निर्दोष महिलाओं की हत्या कर दी गई।झारखंड और ओड़िशा सहित देश के अन्य इलाकों से भी डायन या जादू-टोना के अंधविश्वास की वजह से आदिवासी या कमजोर तबकों की महिलाओं को यातना देने से लेकर उनकी हत्या कर देने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। सरकारें मौजूदा कानूनी प्रक्रिया के तहत हत्या के आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करती हैं, लेकिन उसका असर इतना नगण्य है कि कुछ दिनों बाद फिर डायन या जादू-टोना के नाम पर हत्या की कोई अन्य घटना सामने आ जाती है।यह सोचने की जरूरत है कि विकास के दावों के बीच अंधविश्वास की जड़ें इतनी गहरी क्यों हैं। विकास की चकाचौंध के पीछे भारतीय समाज की इस स्याह तस्वीर को हम क्यों नहीं देख पा रहे हैं। एक तरफ हम आधुनिकता के दंभ में जीते हैं, तो दूसरी तरफ समाज का एक वर्ग ऐसा भी है, जिसमें मनुष्यता का बोध नहीं। वह बेगुनाह लोगों की हत्या होते देखता है।

मोदी सरकार ने शासन व्यवस्था को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया, यही सबसे बड़ी उपलब्धि : हरदीप सिंह पुरी

हरदीप सिंह पुरी
केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के अवसर पर एक विस्तृत लेख लिखते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी की सबसे बड़ी उपलब्धि उनके कार्यकाल की अवधि नहीं, बल्कि शासन व्यवस्था में किया गया व्यापक परिवर्तन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 10 जून 2026 को लगातार 4,399 दिन प्रधानमंत्री के रूप में पूरे कर स्वतंत्र भारत के इतिहास में लगातार सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। हरदीप सिंह पुरी ने अपने लेख "पंडित नेहरू के इंडिया से मोदीजी के भारत तक" में कहा कि उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन का अधिकांश समय भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था के भीतर बिताया है और इसी अनुभव के आधार पर वह मानते हैं कि किसी भी सरकार का मूल्यांकन केवल उसके कार्यकाल से नहीं, बल्कि इस बात से होना चाहिए कि उसकी नीतियों और योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक कितनी प्रभावी ढंग से पहुंचा। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के 'अंत्योदय' के सिद्धांत का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार ने इसी विचार को शासन का आधार बनाया है। लेख में उन्होंने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू को आजादी के बाद विभाजन, आर्थिक बदहाली, अशिक्षा और सीमित संसाधनों वाला भारत विरासत में मिला था। ऐसे कठिन दौर में उन्होंने लोकतांत्रिक संस्थाओं, संवैधानिक व्यवस्था, सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों, उच्च शिक्षा संस्थानों, परमाणु एवं अंतरिक्ष कार्यक्रमों की मजबूत नींव रखी, जिसने आधुनिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हालांकि उन्होंने यह भी लिखा कि समय के साथ उस व्यवस्था में कई कमियां सामने आने लगीं। योजनाएं तो बनती थीं, लेकिन उनका लाभ जरूरतमंद लोगों तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाता था। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री के उस कथन का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि सरकार द्वारा भेजे गए एक रुपये में से केवल 15 पैसे ही गरीबों तक पहुंचते हैं। उनके अनुसार, यही व्यवस्था परिवर्तन की आवश्यकता का संकेत था।

हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसी अर्थव्यवस्था की कमान संभाली, जो महंगाई, भ्रष्टाचार, अटकी विकास परियोजनाओं और कमजोर निवेश माहौल जैसी चुनौतियों से जूझ रही थी। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने शासन की पूरी कार्यप्रणाली में बदलाव करते हुए योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग का गठन किया और आधार, जनधन खाते तथा मोबाइल को जोड़कर प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) प्रणाली को मजबूत बनाया। इससे सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचने लगी और बिचौलियों की भूमिका काफी हद तक समाप्त हो गई। उन्होंने कहा कि सरकार ने डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का ऐसा मॉडल तैयार किया, जिसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा हो रही है। देशभर में 50 करोड़ से अधिक जनधन खाते खोले गए, जिससे करोड़ों परिवार पहली बार औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े। उनके अनुसार, नीति आयोग के आकलन के मुताबिक इस दशक में लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं, जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। ऊर्जा क्षेत्र का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण का स्तर केवल 1.53 प्रतिशत था, जो अब बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंच गया है। इससे किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि किसान अब केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि ऊर्जा उत्पादन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना को भी सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया। उनके अनुसार, इस योजना के तहत 10 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को पहली बार रसोई गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया गया और सब्सिडी सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी गई। उन्होंने इसे अंत्योदय की अवधारणा का व्यावहारिक उदाहरण बताया। हरदीप सिंह पुरी ने आधारभूत संरचना के क्षेत्र में हुए कार्यों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग चार करोड़ पक्के मकानों का निर्माण किया गया। वर्ष 2014 में जहां केवल पांच शहरों में मेट्रो सेवा उपलब्ध थी, वहीं अब 20 से अधिक शहरों तक इसका विस्तार हो चुका है। इसी प्रकार देश में हवाई अड्डों की संख्या लगभग दोगुनी हुई है और उड़ान योजना के माध्यम से छोटे शहरों को भी हवाई सेवा से जोड़ा गया है। रेलवे के लगभग पूर्ण विद्युतीकरण तथा स्वदेशी सेमी हाईस्पीड ट्रेनों के संचालन को भी उन्होंने महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

उन्होंने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने से पूरे देश में एकीकृत राष्ट्रीय बाजार की स्थापना हुई, जिससे व्यापार करना आसान हुआ और राज्यों के बीच विकास एवं बेहतर प्रशासन को लेकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ी। विदेश नीति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत अब केवल गुटनिरपेक्षता की नीति तक सीमित नहीं है, बल्कि बहुपक्षीय सहयोग की नीति के तहत वैश्विक मंचों पर अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने विकासशील देशों की आवाज को प्रमुखता से दुनिया के सामने रखा। लेख के अंत में हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार की प्राथमिकता केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनके परिणाम सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि आज जनता सरकार से वादों के बजाय काम का प्रमाण मांगती है और यही शासन व्यवस्था में आए बदलाव का सबसे बड़ा संकेत है। उनके अनुसार, 'विकसित भारत-2047' का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और शासन व्यवस्था पूरी तरह नागरिक केंद्रित बने।

नाविकों के बहाने भारत को युद्ध में झौंकने का षडयंत्र

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

अतिआधुनिकता की चकाचौंध में अंधे हो चुके लोगों के लिए विदेशी संस्कृति आदर्श बनती जा रही है। पढाई के लिए, नौकरी के लिए, व्यापार के लिए या फिर घूमने-फिरने के लिए सात समुन्दर पार जाने वालों की संख्या में पिछ्ले कुछ वर्षों में खासा इजाफा हुआ है। स्वयं की मर्जी से विदेश जाने वाले जब किसी विपत्ति में फंस जाते हैं तब वे तथा उनके परिवारजनों द्वारा देश की सरकार पर सुरक्षित वापिसी के लिए दबाव बनाया जाता है। ऐसे में यह कहना उपयुक्त होगा कि भारत में ऐसा कोई संवैधानिक प्राविधान नहीं है जो स्वयं की मर्जी से विदेश जाने वालों को सुरक्षा तथा जोखिम सहायता की गारंटी देता हो परन्तु मानवीय संवेदनाओं से जुडी सांस्कृतिक विरासत के कारण हर बार राष्ट की सरकारें अपने भागीरथी प्रयास करतीं रहीं है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो या फिर ईरान-अमेरिका जंग का दौर। अनेक उदाहरण इसके जीवन्त कथानक हैं। वर्तमान में भारतीय नाविकों की मौतों को लेकर चारों ओर हायतौबा मच रही है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने विगत 13 अप्रैल से होर्मुज जलडमरूमध्य और ईरानी बंदरगाहों की नौसैनिक नाकाबंदी की है। तब से अभी तक अमेरिकी सेना ने निर्देशों का पालन न करने वाले कुल नौ जहाजों को निष्क्रिय किया गया जबकि दिशा बदलने पर मजबूर हुए जहाजों की संख्या 135 है। वहीं मानवीय सहायता से जुड़े 42 जहाजों को गुजरने की अनुमति दी गई। विगत दिनों अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने तीन ऐसे वाणिज्यिक जहाजों पर हमले किए, जिन पर भारतीय नाविक सवार थे। मैरीवक्स पर 8 जून को, एमटी सेटेबेलो पर 10 जून को तथा एमटी जलवीर पर 11 जून को हमला किया गया। मारिवेक्स नामक जहाज का पंजीकरण पनामा ध्वज के साथ कराया गया था जबकि एमटी सेटेबेलो नामक जहाज का पंजीकरण पलाऊ ध्वज के साथ कराया गया था। एमटी जलवीर नामक जहाज का गिनी-बिसाऊ ध्वज के साथ पंजीकृत था। इन हमलों में भारतीय नाविकों की मृत्यु होने पर मानवीय संवेदनाओं के आधार पर भारत सरकार ने गहरी चिंता ही व्यक्ति नहीं की बल्कि विदेश मंत्रालय द्वारा अमेरिका के सामने कड़ा विरोध भी दर्ज कराया था। अमेरिका ने स्पष्ट किया कि ये जहाज ईरान के कब्जे वाले हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य से होते हुए ईरानी तेल का परिवहन करने की कोशिश में लगे हुए थे और अमेरिकी सुरक्षा बलों द्वारा दी गई चेतावनी व निर्देशों का पालन नहीं कर रहे थे। जब चालक दल ने अमेरिकी बलों के निर्देशों का बार-बार पालन नहीं किया, तो एक अमेरिकी विमान ने जहाज के इंजन रूम को निशाना बनाते हुए हेलफायर मिसाइलें दागीं और जहाज को निष्क्रिय कर दिया। किसी भी जहाज पर भारत का झंडा नहीं था। ऐसे में यह प्रश्न विचारणीय हो जाता है कि किसी अन्य देश के झंडे तले काम करने वालों को केवल भारतीय होने के नाते वहां की तात्कालिक परिस्थितियों के विपरीत कार्य करने की छूट क्यों मिलना चाहिए। एक रिपोर्ट के अनुसार खाडी में इस समय 18 हजार से अधिक भारतीय नाविक फंसे हुए हैं जो भारतीय झंडे से इतर पंजीकृत जहाजों का परिवहन सम्हाले हुए हैं। तो क्या भारतीय नाविकों को नौकरी देने की आड में विदेशी जहाज कम्पनियां डीप स्टेट के किसी षडयंत्र को अंजाम तक पहुंचाने में जुटीं हैं। इतिहास गवाह है कि विदेशों से पढाई करके लौटने वाले अनेक छात्रों ने कट्टरता, राष्ट्रद्रोह और आन्तरिक कलह के अनेक हथियारों से मां भारती को लहूलुहान किया है। देश की सांस्कृतिक विरासत को नस्तनाबूत किया है।

सुडोकू पहेली क्रमांक-6124

4		6		2				
	8		4				9	3
3				8	5			2
7		9						8
	5			7			4	
6						7		1
9			2	4				5
2	6				8		7	
				3		1		9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6123

1	9	8	7	5	6	4	3	2
3	2	6	1	9	4	8	5	7
5	4	7	3	2	8	1	6	9
2	6	9	5	1	7	3	8	4
7	1	3	4	8	9	5	2	6
4	8	5	6	3	2	7	9	1
9	3	2	8	4	1	6	7	5
6	5	4	9	7	3	2	1	8
8	7	1	2	6	5	9	4	3

वर्ग पहेली 6124

1		2	3	■	4	5	6
	■	7		■	8		
9	10		■	11		■	
12		■	13	■	14	15	■
■	16	17	■	18			■
19			20	■		■	21
22		■	23		■	24	
25				■	26		

संकेत: बाएं से दाएं
1. इस मुगल शासक ने 24 अक्टूबर 1605 को आगरा में गद्दी संभाली थी (4)
4. 24 अक्टूबर 1915 को फिल्मों के जाने-माने इस खलनायक ने जन्म लिया था, जिंदगी, हयात (3)
7. अकल्याणकारी, दुष्कर्मी, दुश्चरित्र (2)
8. वन में उत्पन्न वस्तु (3)
9. ग्राम, गांव (3)
11. खामोश, निरूत्तर, चुप (2)
12. किसी देवता आदि से मांगा हुआ मनोरथ, दूल्हा (2)
13. अतीती, भूतकालीन सूचक शब्द (1)
14. मोहित करने का प्रयत्न (2)
16. माक्षिक मल, भ्रमरज, पीतराग (2)
18. हिंदी के बारह महिनों में से एक (3)
19. चूड़िदार, चूड़ी बनाने या पहनाने वाला (4)
22. घोड़ा, अश्व (2)
23. मध्यप्रदेश की एक नदी जिसका उद्‌गम होशंगाबाद जिले के समीप कालीभीत महाडियों से हुआ है (2)
24. बिहार का एक पवित्र स्थान (2)
25. कम उम्र की लड़की या लड़का (4)
26. लालू यादव वाली राजनीतिक पार्टी का संक्षिप्त नाम (3)

ऊपर से नीचे
1. संस्कृत के महाकवि जिनकी गीत गोविंद नाम कृति है, पुरानी फिल्मों के प्रसिद्ध संगीतकार (1960-77)(4)
2. अनुपस्थिती, गैर हाजिरी, चुगलखोरी (3)
3. दंत, दांत (2)
4. जीने की उम्र या अवधि (6)
5. जंगल, अरण्य, कानन (2)
6. दृष्टि, निगाह, पर्यवेक्षण (3)
10. शास्त्रीय संगीत संबंधी सिंदक संबंधी एक वाद्य (6)
15. स्वेच्छा से दिया गया धन, द्रव्यादि (2)
17. बड़ा, महान, अत्यधिक, उच्च (2)
19. खुशबू, सुगंध, गमक (3)
20. रत्न का अपभ्रंश (3)
21. दिया गया समय, अवधि (3)
24. हाथी, लंबाई की एक प्राचीन नाम (2)

वर्ग पहेली 6123 का हल

सिं	गा	पु	र	■	न	न	द
दू	ना	■	ह	म	स	फ	र
र	■	शा	म	त	■	र	मा
■	■	य	दि	■	भू	त	हा
द	ल	द	ल	■	त	■	■
ह	स्त	■	■	स	ना	त	न
श	■	है	■	र	थ	■	र्म
त	र्क	■	बां	स	■	स	दा

आज का राशिफल

मेष
आज कोई छोटी-सी बात आपका ध्यान उम्मीद से ज्यादा खींच सकती है। कोई संदेश, बातचीत या अचानक मिला संकेत मन में नए विचार जगा सकता है। दिन की शुरुआत हल्की और सहज ऊर्जा के साथ होगी, मगर आसपास के लोगों की अलग-अलग राय आपको किसी विषय पर अपना पक्ष मजबूत करने के लिए प्रेरित कर सकती है।

वृष
आज आपका ध्यान भविष्य की योजनाओं पर रहेगा। आप किसी नए कदम, बदलाव या अवसर के बारे में गंभीरता से सोच सकते हैं। मन और दिमाग दोनों सक्रिय रहेंगे। किसी व्यक्ति की भावनाओं को समझने या किसी रिश्ते को नए नजरिए से देखने का मौका भी मिल सकता है।दिन के दूसरे हिस्से में किसी पुराने तनाव या परेशानी का असर कम होता दिखाई देगा।

कर्क
आज आपका मन किसी काम को जल्दी आगे बढ़ाने का कर सकता है। दिन की शुरुआत में ऊर्जा भरपूर रहेगी और आप इंतजार करने के मूड में नहीं दिखेंगे। किसी अवसर को हाथ से जाने देने का मन नहीं करेगा।दिन के आगे बढ़ने के साथ आप किसी ऐसी चीज को बचाए रखने की कोशिश कर सकते हैं जिसे आप महत्वपूर्ण मानते हैं।

सिंह
आज कोई नई जानकारी, नया अवसर या सीखने से जुड़ा विषय आपके सामने आ सकता है। फिर भी आपका ध्यान बार-बार किसी ऐसी बात पर जा सकता है जो आपकी उम्मीद के मुताबिक नहीं हुई। आप किसी पुराने फैसले या छूटे हुए अवसर के बारे में सोच सकते हैं।दिन के दूसरे हिस्से में परिस्थितियां अचानक नया मोड़ ले सकती हैं।

मिथुन
आज कोई पुरानी याद, पुराना रिश्ता या पहले हुई कोई घटना आपके मन में फिर से जगह बना सकती है। आप किसी ऐसी बात के बारे में सोच सकते हैं जिसे आप पीछे छोड़ चुके थे। अतीत से जुड़ी भावनाएं आज आपके फैसलों को प्रभावित कर सकती हैं।

कन्या
आज आपका मन शोर-शराबे से दूर रहकर किसी महत्वपूर्ण विषय पर सोचने का कर सकता है। आप किसी फैसले या योजना को लेकर जल्दबाजी नहीं करेंगे। दिन की शुरुआत आत्ममंथन और शांत सोच के साथ हो सकती है।

तुला
आज कोई नया विचार, नई योजना या नया अवसर आपका ध्यान खींच सकता है। किसी काम को लेकर उत्साह रहेगा और मन उसे जल्द शुरू करने का कर सकता है। फिर भी परिस्थितियां आपको थोड़ा ठहरकर सोचने की सलाह दे रही हैं। जल्दबाजी के बजाय सही तैयारी पर ध्यान देना आपके लिए ज्यादा फायदेमंद रहेगा।

वृश्चिक
आज आप किसी मामले को भावनाओं के बजाय तर्क से देखने की कोशिश करेंगे। किसी बातचीत या निर्णय में आपकी स्पष्ट सोच काम आएगी। लोग आपकी सलाह या राय को महत्व दे सकते हैं। दिन की शुरुआत में किसी जरूरी विषय पर खुलकर बात होने की संभावना है।दिन आगे बढ़ने के साथ माहौल हल्का और सामाजिक हो सकता है।

मकर
आज आत्मविश्वास आपकी सबसे बड़ी ताकत रहेगा। जिस काम को लेकर आप कुछ समय से सोच रहे थे, उसमें गति आने के संकेत हैं। कोई महत्वपूर्ण संदेश, कॉल या बातचीत दिन को व्यस्त बना सकती है। रुके हुए काम भी अचानक आगे बढ़ते दिखाई दे सकते हैं।दिन के दूसरे हिस्से में किसी रिश्ते या साझेदारी से जुड़ी सकारात्मक ऊर्जा महसूस होगी।

कुंभ
आज आपके सामने एक से ज्यादा विकल्प या संभावनाएं आ सकती हैं। किसी काम, योजना या फैसले को लेकर मन अलग-अलग दिशाओं में जा सकता है। शुरुआत में यह तय करना आसान नहीं होगा कि किस रास्ते पर आगे बढ़ना बेहतर रहेगा। दिन के आगे बढ़ने के साथ आपकी सोच पहले से ज्यादा स्पष्ट होगी। आप भावनाओं के बजाय तथ्यों और अनुभव के आधार पर निर्णय लेने की कोशिश करेंगे।

धनु
आज आपका ध्यान अपने काम और जिम्मेदारियों पर रहेगा। किसी अधूरे काम को पूरा करने या किसी योजना को बेहतर बनाने में समय लग सकता है। पिछले कुछ दिनों से जिस बात को लेकर मन में संशय था, वह धीरे-धीरे साफ होने लगेगा। कोई जानकारी या बातचीत आपको स्थिति को नए नजरिए से देखने में मदद कर सकती है।

मीन
आज आपका ध्यान उन चीजों पर रहेगा जो आपको स्थिरता और सुकून देती हैं। घर, परिवार, काम या आर्थिक मामलों में आप व्यावहारिक सोच रखेंगे। दिन का माहौल काफी सकारात्मक रह सकता है और किसी काम में मिली प्रगति आपका आत्मविश्वास बढ़ा सकती है।दिन के आगे बढ़ने के साथ किसी पुराने मतभेद या तनाव का असर कम होता दिखाई देगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

नीरज चोपड़ा दोहा डायमंड लीग में लेंगे हिस्सा

● 9 महीने बाद करेंगे वापसी; श्रीलंका के रुमेश से मिल सकती है टक्कर

नई दिल्ली। भारत के स्टार जैवलिन थ्रो एथलीट नीरज चोपड़ा वापसी के लिए तैयार हैं। पिछले साल टोक्यो में आयोजित वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 8वें स्थान पर रहने के बाद नीरज 19 जून से आयोजित होने वाली दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे। पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में उनके बैक इंजरी हुई थी और अब वह रिकवरी के बाद वापसी को तैयार हैं। गौरतलब है कि 14 जून (रविवार) को भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने नीरज का नाम कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के स्क्वाड में जोड़ा था। अब वह आगामी दोहा डायमंड लीग में भी जलवा बिखेरते दिखेंगे। उनकी वापसी को लेकर एएफआई चयन समिति के चेयरमैन

अदिले सुमारिवल्ला ने बताया, 'नीरज पूरी तरह रिकवर हो चुके हैं और अगले कुछ दिनों में प्रतियोगिता के लिए भी तैयार हैं। उन्होंने हमसे खुद को स्क्वाड में जोड़ने के लिए कहा है और हमें उम्मीद है कि आने वाली प्रतियोगिताओं में वह खेलेंगे भी।'

नीरज को रुमेश से मिलेगी नई चुनौती

केशोर्न वालकॉट, एंडरसन पीटर्स, जूलियस येगो, जाकूब वाडलेच के अलावा नीरज के लिए अब नई चुनौती श्रीलंका के एथलीट रुमेश पथिरागे की भी होगी। रुमेश ने हाल ही में 92.62 मीटर की दूरी पर भाला फेंकते हुए रिकॉर्ड बनाया था।

उन्होंने पिछले साल नीरज द्वारा 90.23 मीटर के रिकॉर्ड को तोड़ा था। यानी इस बार दोहा में नीरज के सामने कई बड़ी चुनौतियों के बीच रुमेश का नाम भी जुड़ गया है।

भारतीय टीम ने जीत के साथ किया आगाज

रोमांचक मैच में अमेरिका को 3-2 से हराया

ऑकलैंड । भारतीय विमेंस हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी विमेंस नेशंस कप का आगाज जीत के साथ किया है। भारत की बेटियों ने मैच में दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए पूल एक के मुकाबले में अमेरिका को 3-2 से हराया। भारतीय टीम की ओर से इस मुकाबले में दीपिका ने दो, नवनीत कौर ने एक गोल किया। दीपिका को उनके दमदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। अमेरिका ने मैच की शानदार शुरुआत की और एश्ले सेसा ने चौथे मिनट में फील्ड गोल करके टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी।

अमेरिका ने महज तीन मिनट बाद ही अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। मैडेलिन जिमर ने सातवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत पर शुरुआती दबाव बना दिया। दो गोल से पीछे चल रही

भारतीय टीम ने धीरे-धीरे अटैक में अपनी पकड़ बनानी शुरू की। दूसरे क्वार्टर में उनकी कोशिशें रंग लाईं, जब ड्रैग-फ्लिक स्पेशलिस्ट दीपिका ने 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को सफलतापूर्वक गोल में बदलकर स्कोर कम किया और भारत को मैच में वापस ला दिया।

जीएनपीएस रेड ने जीता जूनियर प्रीमियर लीग अंडर-13 टूर्नामेंट

● फाइनल मुकाबले में 49 रनों से दर्ज की शानदार जीत

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर 36 स्थित गुरु नानक पब्लिक स्कूल क्रिकेट एकेडमी के मैदान पर आयोजित जूनियर प्रीमियर लीग अंडर- 13 क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य समापन हो गया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में जीएनपीएस रेडने शानदार और आक्रामक प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम को 49 रनों से करारी शिकस्त देकर खिताबी ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान नन्हे खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल भावना, गजब के अनुशासन और उत्कृष्ट क्रिकेट कौशल का प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष पीएमएस बांगा रहे मुख्य अतिथि टूर्नामेंट के समापन और पुरस्कार वितरण समारोह में पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष श्री पीएमएस बांगा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। स्कूल की प्रिंसिपल गुरनाम कौर ग्रेवाल, जीएनपीएस क्रिकेट एकेडमी के मुख्य कोच काकू तथा मुख्य आयोजक जगतेश्वर सिंह ने मुख्य अतिथि बांगा के साथ मिलकर संयुक्त रूप से विजेता और उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को चमचमाती ट्रॉफियां एवं व्यक्तिगत पुरस्कार प्रदान किए। इस दौरान अतिथियों ने युवा खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई करते हुए उन्हें खेलों में निरंतर कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

सौरव गांगुली ने सोशल मीडिया पेज के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के प्रेसिडेंट सौरव गांगुली ने कोलकाता पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के मुताबिक उन्होंने आरोप लगाया कि 'सौरव गांगुली फैंस' नाम का एक फेसबुक पेज उनकी इमेज खराब करने की कोशिश कर रहा है और मीडिया प्लेटफॉर्म स्पोर्टजविकी का भी जिक्र किया है। ठाकुरपुकुर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। गांगुली ने कहा कि पेज लगातार ऐसे पोस्ट शेयर कर रहा था जिनका मकसद मेरी रेप्युटेशन खराब करना और जनता के बीच नेगेटिव इमेज बनाना है। गांगुली ने अपनी शिकायत में कहा, 'एक पब्लिक फिगर होने के नाते मैं समझता हूं कि राय और आलोचना पब्लिक लाइफ का हिस्सा हैं, हालांकि, मेरी छवी को नुकसान पहुंचाने के इरादे से गुमराह करने वाला, बदनाम करने वाला और नुकसान पहुंचाने वाला कंटेंट फैलाना मंजूर नहीं है और इसके लिए सही कानूनी कार्रवाई की जरूरत है।

केप वर्डे के सामने स्पेन बेबस

नहीं कर पाया एक भी गोल, बेल्जियम-उरुग्वे को भी नहीं मिली जीत

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का कारवां धीरे-धीरे आगे बढ़ता जा रहा है और अब तक हमें कई बेहतरीन मुकाबले देखने को मिले हैं। इस इवेंट के 5वें दिन बेहद मजबूत टीम स्पेन और पहली बार वर्ल्ड कप खेल रही केप वर्डे के बीच जिस तरह का मैच हुआ उसने सबको चौंका दिया। कमाल की बात ये रही कि इस सीजन में डेब्यू करने वाली टीम ने स्पेन को एक भी गोल नहीं करने दिया और दोनों टीमों के बीच मैच 0-0 के अंतर से समाप्त हुआ।

वहीं इस वर्ल्ड कप के 5वें दिन हुए अन्य मुकाबलों में मिस्र ने भी बेल्जियम जैसी मजबूत टीम को बेहद कड़ी टक्कर दी और दोनों के बीच मैच एक-एक की बराबरी पर समाप्त हुआ तो वहीं ग्रुप ए के मुकाबले में सऊदी अरब ने उरुग्वे को नहीं जीतने दिया और ये मैच भी एक-एक की बराबरी पर खत्म हुआ। यानी पांचवें दिन स्पेन, मिस्र और उरुग्वे को अपने-अपने मैचों में जीत नहीं मिला और इन टीमों को ड्रॉ खेलना पड़ा।

उरुग्वे-सऊदी अरब का मैच रहा ड्रॉ- ग्रुप एच के दूसरे मैच में उरुग्वे का सामना सऊदी अरब के साथ हुआ जो काफी रोमांचक रहा। इस मुकाबले में सऊदी अरब ने पहले हाप में एक गोल करके बढ़त बना ली थी। सऊदी अरब के लिए ये गोल अब्दुलेलाह अल अमरी ने की थी।

दूसरे हाफ में उरुग्वे ने सऊदी अरब पर दवाब बनाया और मैच समाप्त होने में जब दस मिनट बचे थे तब मैक्सी अराउजो ने गोल करके टीम के स्कोर को 1-1 की बराबरी पर ला दिया और अपनी टीम को हार से बचा लिया।

स्पेन है खिताब का प्रबल दावेदार

स्पेन को इस बार भी खिताब के प्रबल दावेदारों में से एक माना जा रहा है, लेकिन इस टीम की केप वर्डे के खिलाफ एक भी नहीं चली और इसके खिलाफ स्पेन एक भी गोल करने में सफल नहीं हो पाया। वहीं स्पेन ने भी केप वर्डे को एक भी गोल नहीं करने दिया और नतीजा अंत में 0-0 का रहा। इस मैच में केप वर्डे से 40 साल के अनुभवी गोलकीपर वोजिन्हा ने गजब का खेल दिखाया और उन्होंने अपने गोल पोस्ट में स्पेन के एक भी शॉट को अंदर नहीं आने दिया।

बेल्जियम-मिस्र का मैच रहा ड्रॉ

ग्रुप जी के मुकाबले में मिस्र के सामने बेल्जियम की चुनौती थी और दो मजबूत टीमों के बीच हुआ ये मैच काफी रोमांचक रहा।

मिस्र के स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सालाह ने पहले हाफ के 19वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी, लेकिन इसके बाद ये टीम मैच के अंत तक कोई गोल नहीं कर पाया।

स्वीडन का दमदार आगाज

ट्यूनीशिया को 5-1 से रौंदा

मॉन्टेरी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप एफ मुकाबले में सोमवार को स्वीडन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्यूनीशिया को 5-1 से रौंदा। मॉन्टेरी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में स्वीडन का पूरी तरह से दबदबा देखने को मिला और टीम ने ट्यूनीशिया को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। स्वीडन की ओर से यासीन अयारी, अलेक्जेंडर इसाक और विक्टर ग्योकेरेस ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और टीम की बड़ी जीत में अहम भूमिका निभाई। मैच की शुरुआत से ही स्वीडन ने आक्रामक खेल दिखाया और ट्यूनीशिया के डिफेंस पर लगातार दबाव बनाए रखा। पहले हाफ में ही स्वीडन ने पहला गोल करते हुए 1-0 की बढ़त हासिल की। यासीन अयारी ने बॉक्स के बाहर से शानदार शॉट लगाते हुए मैच का पहला गोल दागा। इसके कुछ समय बाद अलेक्जेंडर इसाक ने विक्टर ग्योकेरेस के बेहतरीन पास पर गोल करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। स्वीडन लगातार हमले करता रहा और ट्यूनीशिया को अटैक करने का कोई मौका नहीं दिया।

हालांकि, ट्यूनीशिया ने भी वापसी की कोशिश की और उमर रेकिक ने हैनिबल मेजबरी के क्रॉस पर हेडर लगाकर अपनी टीम के लिए पहला गोल किया। रेकिक के गोल से ट्यूनीशिया के फैंस की उम्मीदें जागीं और स्कोर 2-1 हो गया। मगर मैच के दूसरे हाफ में स्वीडन ने जबरदस्त खेल दिखाया और मुकाबले को एकतरफा कर दिया। ट्यूनीशिया के डिफेंस की गलती का फायदा उठाते हुए अलेक्जेंडर इसाक ने गेंद छीनी और विक्टर ग्योकेरेस को पास दिया। इसके बाद ग्योकेरेस ने आसान फिनिश करते हुए स्कोर 3-1 कर दिया। इसके बाद बतौर सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी मैदान पर उतरे मैटियास स्वानबर्ग ने स्वीडन के लिए चौथा गोल दागा और ट्यूनीशिया की वापसी करने की उम्मीदों को झकझोर रख दिया। स्वीडन का आक्रामक खेल यहीं नहीं रुका। मैच के अंतिम हिस्से में यासीन अयारी ने एक और शानदार लंबी दूरी का शॉट लगाकर अपना दूसरा गोल किया और टीम की 5-1 की बड़ी जीत पक्की कर दी।

नेशनल आइस हॉकी चैंपियनशिप में चंडीगढ़ का जलवा, अंडर-12 बॉयज ने जीता गोल्ड

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आयोजित पहली नेशनल आइस हॉकी चैंपियनशिप में चंडीगढ़ की अंडर-12 बॉयज टीम ने सभी मुकाबले जीतकर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया. जबकि, लड़कियों की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया आइस हॉकी एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ओर से देहरादून के हिमाद्री आइस स्केटिंग रिंक में आयोजित की जा रही पहली नेशनल आइस हॉकी चैंपियनशिप में चंडीगढ़ की टीम का दबदबा देखने को मिला. अंडर-12 वर्ग में चंडीगढ़ के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किए। उन्होंने न केवल पदक जीते बल्कि, पूरे टूर्नामेंट में अपनी प्रतिभा और मेहनत का लोहा भी मनवाया. जहां अंडर-12 बॉयज टीम ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया, तो वहीं अंडर-12 गर्ल्स टीम ने कांस्य पदक जीतकर चंडीगढ़ का गौरव बढ़ाया।

बेमिसाल रहे अंडर-12 बॉयज, जीते सभी मुकाबले: पहली बार आयोजित हो रही इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप में चंडीगढ़ के अंडर-12 बॉयज खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही अपने इरादे जाहिर कर दिए थे. टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया और सभी मुकाबलों में एकतरफा जीत दर्ज कर गोल्ड मेडल हासिल किया।

खास बात यह रही कि चंडीगढ़ में आइस हॉकी के लिए समर्पित मैदान तक उपलब्ध नहीं है, इसके बावजूद खिलाड़ियों ने जिस स्तर का प्रदर्शन किया, उसने सभी को प्रभावित किया. खिलाड़ियों की इस सफलता के पीछे उनके कोचों की मेहनत और लगातार प्रशिक्षण की बड़ी भूमिका रही।

पांच मैचों में दागे 84 गोल: चंडीगढ़ की अंडर-12 बॉयज टीम ने पहले ही मैच से विपक्षी टीमों पर अपना दबदबा बनाना शुरू कर दिया था. टीम ने अपने पहले मुकाबले में राजस्थान को 16-0 से हराकर शानदार शुरुआत की. इसके बाद दूसरे मैच में तमिलनाडु को 12-1 से मात दी।

तीसरे मुकाबले में महाराष्ट्र के खिलाफ चंडीगढ़ के खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए 23-2 की बड़ी जीत दर्ज की. सेमीफाइनल में पंजाब के खिलाफ भी टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और 21-1 से मुकाबला जीतकर फाइनल में जगह बनाई।

खिताबी मुकाबले में कर्नाटक की टीम सामने थी, लेकिन चंडीगढ़ के खिलाड़ियों ने यहां भी कोई मौका नहीं छोड़ा. टीम ने 12-2 से जीत दर्ज करते हुए पहली नेशनल आइस हॉकी चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया. पूरे टूर्नामेंट के पांच मुकाबलों में टीम ने कुल 84 गोल किए, जो उनकी आक्रामक क्षमता और बेहतरीन टीम समन्वय को दर्शाता है।

अंडर-12 गर्ल्स टीम ने जीता कांस्य पदक: बॉयज टीम के साथ-साथ चंडीगढ़ की अंडर-12 गर्ल्स टीम ने भी शानदार प्रदर्शन किया. लड़कियों ने अपने पहले मुकाबले में महाराष्ट्र को 22-0 से हराकर दमदार शुरुआत की. इसके बाद दूसरे मैच में आंध्र प्रदेश को 10-4 से हराकर जीत का सिलसिला जारी रखा।

हालांकि कर्नाटक के खिलाफ मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें चंडीगढ़ की टीम को 3-2 से हार का सामना करना पड़ा. इसके बावजूद टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल दिखाया और कांस्य पदक जीतकर अपने अभियान का सफल समापन किया. लड़कियों के इस प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि चंडीगढ़ में आइस हॉकी का भविष्य उज्ज्वल है. आने वाले सालों में यह टीम राष्ट्रीय स्तर पर और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं।

कोच और मैनेजर की हर तरफ हो रही सराहना: चंडीगढ़ टीम की इस सफलता के पीछे कोच उज्जवल प्रताप सिंह और टीम मैनेजर आदित्य रामपाल की मेहनत को महत्वपूर्ण माना जा रहा है. उनकी अगुवाई में दोनों टीमों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया।

खिलाड़ियों के अभिभावकों के साथ-साथ अन्य राज्यों से आए प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों ने भी टीम के कोचिंग स्टाफ की जमकर प्रशंसा की. विशेषज्ञों का मानना है कि सीमित संसाधनों के बावजूद खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है. यही कारण है कि चंडीगढ़ टीम के प्रदर्शन की चर्चा पूरे टूर्नामेंट में होती रही।

उर्मिंदर पाल सिंह की मेहनत भी लाई रंग: चंडीगढ़ में आइस हॉकी के लिए पर्याप्त सुविधाएं नहीं होने के बावजूद खिलाड़ियों का यह प्रदर्शन कई लोगों की सालों की मेहनत का परिणाम है. इनलाइन हॉकी के वरिष्ठ कोच उर्मिंदर पाल सिंह का भी इस टीम को तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान माना जा रहा है. उनकी देखरेख में खिलाड़ियों ने पहले इनलाइन हॉकी में अपनी पहचान बनाई और अब आइस हॉकी में भी राष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल की है?

उधर, चैंपियनशिप का अगला चरण शुरू हो चुका है, जिसमें अंडर-15 वर्ग के मुकाबले खेले जा रहे हैं. चंडीगढ़ टीम से इस वर्ग में भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीदें हैं. इसके बाद अंडर-18 और सीनियर वर्ग के मुकाबले आयोजित होंगे, जिन पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं. पहली नेशनल आइस हॉकी चैंपियनशिप में अंडर-12 वर्ग की इस सफलता ने चंडीगढ़ को देश के उभरते आइस हॉकी केंद्रों में शामिल कर दिया है।

श्रीलंका ए से हारने के बाद बीसीसीआई ने इंडिया ए स्क्वाड में किया बड़ा बदलाव

डंबुला (एजेंसी)। इंडिया ए टीम अभी डंबुला में श्रीलंका ए और अफगानिस्तान ए के खिलाफ 50-ओवर की ट्राई-सीरीज खेल रही है. सोमवार 15 जून को खेले गए सीरीज के एक मैच में इंडिया ए को श्रीलंका ए के खिलाफ सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा. उसके बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने इंडिया ए स्क्वाड में बड़ा बदलाव किया है।

बोर्ड ने तेज गेंदबाज अशोक शर्मा को ट्राई-सीरीज के लिए इंडिया टीम में चोटिल युधवीर सिंह की जगह चुना गया है. हालांकि युधवीर को सीरीज में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला सका था।

बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, 'पुरुष चयन समिति ने श्रीलंका में चल रही ट्राई-सीरीज के लिए इंडिया टीम में युधवीर सिंह की जगह अशोक शर्मा को शामिल किया है. युद्धवीर ने 13 जून को गेंदबाजी करते समय अपने दाहिने कंधे में तकलीफ की शिकायत की थी और इससे पहले 11 जून को फील्डिंग सेशन के दौरान भी उन्हें ऐसा ही दर्द महसूस हुआ था।

बयान में आगे कहा गया, 'बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने एक स्पेशलिस्ट से सलाह लेने के बाद सुझाव दिया कि युद्धवीर को दाहिने रोटेटर कफ की चोट से पूरी तरह ठीक होने के लिए बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की देखरेख में एक ग्रेजुएटेड रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम से गुजरना चाहिए।'

अशोक का घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन - अशोक ने आईपीएल 2026 में अपनी तेज गेंदबाजी से काफी प्रभावित किया था. उन्होंने उस सीजन 154.2 किमी की रफ्तार से गेंद फेंकी थी. हालांकि उन्हें गुजरात टाइटन्स के लिए छह मैच ही खेलने का मौका मिला. जिसमें वो छह विकेट लिए थे. लेकिन अशोक 2025/26 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में दस मैचों में 22 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने थे।

ट्राई-सीरीज में इंडिया ए का प्रदर्शन - ट्राई सीरीज में तिलक वर्मा की कप्तान में इंडिया का प्रदर्शन मिला जुला रहा है. टीम ने अब तक तीन मैच खेले हैं, जिसमें उसे दो में हार और एक में जीत मिली है. जिसमें एक सुपर ओवर में हार भी शामिल है. सीरीज के पहले मैच में इंडिया ए ने श्रीलंका ए को 8 रनों से मात दी थी. जबकि दूसरे मैच में उन्हें अफगानिस्तान ए से डक्वर्थ लुईस नियम के आधार पर 4 रनों से हार का सामना करना पड़ा था. उसके बाद इंडिया ए अपने तीसरे मैच में श्रीलंका के खिलाफ सुपर ओवर में हार गई. अब इंडिया ए का अगला मैच अफगानिस्तान ए से 17 जून को है. फाइनल की रेस में बने रहने के लिए उन्हें ये मैच हर हाल में जीतना होगा।

● **इंडिया ए की अपडेटेड टीम -** तिलक वर्मा (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (उप-कप्तान), प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी, आयुष बडोनी, निशांत सिंधु, सूर्यांश शेडगे, प्रभसिमरन सिंह (विकटेकीपर), कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), विपराज निगम, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज, अरशद खान, अनुकूल रॉय, अशोक शर्मा।

न्यूज बाइट्स

अष्टभुजी धाम पिपरा में हाई मास्ट लाइट लगाने की उठी मांग

बारूण (औरंगाबाद) (नि. सं.)। बारुण प्रखंड के पिपरा स्थित प्रसिद्ध अष्टभुजी धाम परिसर में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों ने हाई मास्ट लाइट लगाने की मांग जिला प्रशासन से की है। लोगों का कहना है कि अष्टभुजी धाम को बिहार सरकार के सरकारी कैलेंडर में शामिल किए जाने के बाद यहां श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। वैसे भी यह धार्मिक स्थल वर्षों से आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। स्थानीय ग्रामीणों एवं आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि शाम ढलते ही मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं रहने के कारण श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ता है। विशेषकर पर्व-त्योहारों एवं धार्मिक आयोजनों के दौरान देर रात तक लोगों की आवाजाही बनी रहती है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से मांग करते हुए कहा है कि अष्टभुजी धाम परिसर में एक हाई मास्ट लाइट लगाई जाए, ताकि पूरे क्षेत्र में बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित हो सके और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

विभिन्न संस्थानों में अग्निशमन विभाग ने कराया मॉक ड्रिल

दाउदनगर (औरंगाबाद) (नि. सं.)। अनुमंडल अग्निशमन विभाग, दाउदनगर द्वारा अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न संस्थानों में मॉक ड्रिल आयोजित कर लोगों को आग से बचाव एवं अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान आग लगने की स्थिति में त्वरित बचाव, प्राथमिक सुरक्षा उपाय एवं आपातकालीन कार्रवाई का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया। अग्निशमन विभाग की टीम ने श्याम किशोर इंडेन गैस (ग्राम फतेहपुर, पंचायत टाल, वार्ड संख्या-5, थाना हसपुरा), एक निजी क्लीनिक (ग्राम हैब्सपुर, अहियापुर, हसपुरा) तथा सैनिक कैंटीन (ग्राम हैब्सपुर) में मॉक ड्रिल का आयोजन किया। मॉक ड्रिल में प्रधान अग्निक महेश यादव, अग्निक चालक प्रमोद कुमार एवं अग्निक नीतीश कुमार शामिल रहे। टीम ने गैस सिलेंडर के सुरक्षित उपयोग, आग लगने पर तत्काल अपनाए जाने वाले प्राथमिक उपाय, अग्निशामक यंत्रों के सही इस्तेमाल तथा दुर्घटना की स्थिति में सतर्कता बरतने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

प्रवचन सुनकर घर लौटते समय हुआ हादसा, विरोध में रोड जाम

तेज रफ्तार हाइवा ने ली बच्ची की जान मां और बड़ी बहन की हालत गंभीर

निज संवाददाता | हसपुरा(औरंगाबाद)

औरंगाबाद जिले के हसपुरा प्रखंड अंतर्गत फतेहपुर-सिहाड़ी मार्ग पर तेज रफ्तार हाइवा की चपेट में आने से पांच वर्षीय बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी मां और बड़ी बहन गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया और दोषी चालक की गिरफ्तारी तथा भारी वाहनों की आवाजाही पर नियंत्रण की मांग की। मृत बच्ची की पहचान फतेहपुर गांव निवासी इंद्र कुमार की पांच वर्षीय पुत्री प्रतीक्षा कुमारी के रूप में हुई है। हादसे में उसकी मां सीता देवी और बड़ी बहन इच्छा कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों का इलाज दाउदनगर के एक अस्पताल में चल रहा है।

बताया जाता है कि सिहाड़ी गांव में आयोजित महायज्ञ में प्रवचन सुनने के बाद सोमवार की रात सीता देवी अपनी दोनों बेटियों और अन्य ग्रामीणों के साथ घर लौट रही थीं। इसी दौरान सड़क पार करते समय तेज रफ्तार हाइवा ने तीनों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि प्रतीक्षा कुमारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि मां और बहन गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। मृतका के चाचा कुंदन कुमार ने बताया कि प्रतीक्षा बेहद चंचल और मिलनसार स्वभाव की बच्ची थी तथा पूरे गांव की लाडली थी। उन्होंने बताया कि बच्ची के पिता इंद्र कुमार सूरत की एक साड़ी फैक्ट्री में कार्यरत हैं और अपनी दोनों बेटियों को पढ़ा-लिखाकर बड़ा अधिकारी बनाना चाहते थे। इस हादसे ने परिवार के सपनों को तोड़ दिया।

घटना से आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने सोमवार रात करीब साढ़े दस बजे फतेहपुर-सिहाड़ी मार्ग को जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

ट्रेन से गिरकर माइंस सुपरवाइजर घायल

निज सं. | नवीनगर (औरंगाबाद)

नवीनगर प्रखंड के अंकोरहा रेलवे स्टेशन स्थित गेट संख्या-15 के समीप मंगलवार सुबह चलती ट्रेन से गिरकर एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की टीम मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर करने की सलाह दी। आरपीएफ को अंकोरहा स्टेशन के पास एक युवक के घायल अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची टीम ने देखा कि युवक बेहोश था और उसके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई कि वह किसी चलती ट्रेन से गिरा है।

बेहोशी के कारण वह अपना नाम और पता बताने में असमर्थ था। युवक की पहचान नहीं होने पर आरपीएफ, अस्पताल प्रशासन और स्थानीय लोगों की मदद से उसकी तस्वीर सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर साझा की गई। करीब डेढ़ घंटे बाद कुछ लोग सदर अस्पताल पहुंचे और घायल युवक की पहचान दरभंगा जिले के बहेरा थाना क्षेत्र के खटवासा गांव निवासी कृष्ण यादव के पुत्र के रूप में की।

राज्य सरकार के निर्देश पर जिले की 25 पंचायतों में लगे सहयोग शिविर, ग्रामीणों को मिला योजनाओं का लाभ

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

राज्य सरकार के निर्देश के आलोक में मंगलवार को औरंगाबाद जिले की 25 ग्राम पंचायतों में 'सहयोग शिविर' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं के समाधान तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ कर दी गई। वहीं, पूर्व से लंबित कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर ग्रामीणों को राहत प्रदान की गई। इस पहल से लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रखंड एवं जिला मुख्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़ा और पंचायत स्तर पर ही विभिन्न सरकारी सेवाओं का लाभ मिला।

सहयोग शिविरों में राजस्व, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, बिजली, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, मनरेगा, भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांगजन सहायता, कृषि तथा छात्रवृत्ति सहित विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों की सुनवाई की गई। संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मियों ने ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा पात्र लाभुकों को योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया भी शुरू की। जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निर्देश पर जिला उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह, अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी जयप्रकाश नारायण, अपर समाहर्ता (आपदा) उपेंद्र पंडित, सदर अनुमंडल पदाधिकारी संतन कुमार सिंह, दाउदनगर अनुमंडल पदाधिकारी अमित राजन, जिला पंचायती राज पदाधिकारी इफ्तेखार अहमद, जिला परिवहन पदाधिकारी सुनंदा कुमारी सहित जिले के सभी जिलास्तरीय पदाधिकारियों ने विभिन्न पंचायतों में आयोजित शिविरों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा इसके प्रभावी एवं सुचारु संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला पदाधिकारी ने प्रत्येक सहयोग शिविर के लिए वरीय पदाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं सहयोगी पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की है। साथ ही संबंधित प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारियों को शिविर के सफल संचालन तथा आवश्यक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि सहयोग शिविरों का आयोजन सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं परिणामोन्मुखी ढंग से सुनिश्चित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे अपने पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याओं एवं योजनाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत करें और सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।

जन शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए कर्मा भगवान पंचायत में लगा सहयोग शिविर

एसएसवी संवाददाता | औरंगाबाद

सदर प्रखंड अंतर्गत कर्मा भगवान पंचायत स्थित मध्य विद्यालय, कर्मा भगवान परिसर में मंगलवार को जन शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से 'सहयोग शिविर' का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता विधान पार्षद दिलीप कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम की शुरुआत बिहार गीत के सामूहिक गायन से हुई। इसके बाद विधान पार्षद दिलीप कुमार सिंह, सदर अनुमंडल पदाधिकारी संतन कुमार सिंह एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने विधान पार्षद का बुके एवं शॉल भेंट कर स्वागत किया, जबकि अन्य अतिथियों का भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा सम्मान किया गया। मध्य विद्यालय, कर्मा भगवान की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। अंचल अधिकारी ने स्वागत भाषण में बताया कि सहयोग शिविर को लेकर पिछले एक माह से आवेदन प्राप्त किए जा रहे थे। अब तक कुल 134 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका निष्पादन कर दिया गया है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि यदि किसी की कोई समस्या शेष रह गई हो तो शिविर में स्थापित काउंटर पर आवेदन दें। ऐसे आवेदनों का निष्पादन 30 दिनों के भीतर किया जाएगा।

सदर अनुमंडल पदाधिकारी संतन कुमार सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को इस प्रकार के संयुक्त सहयोग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य आम लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने से मुक्ति दिलाना तथा प्रशासन को पंचायत स्तर तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि शिविर में प्राप्त अधिकतम आवेदनों का निष्पादन उसी दिन कर लाभुकों को राहत दी जाए। उन्होंने कहा कि सहयोग शिविर केवल आवेदन प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने की पहल है। साथ ही प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। अपने संबोधन में विधान पार्षद दिलीप कुमार सिंह ने कहा कि सरकार की मंशा है कि गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिले और उन्हें अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े।

सभी प्रखंडों में आयोजित हुआ प्रखंड सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर, योजनाओं का लाभ लेने उमड़े लोग

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार सरकार के मुख्य सचिव के निर्देश तथा जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा के मार्गदर्शन में मंगलवार को औरंगाबाद जिले के सभी प्रखंडों में 'प्रखंड सहयोग-सह-जन कल्याण शिविर' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। तीन दिवसीय इस विशेष अभियान के तहत आयोजित शिविरों में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन जमा किए तथा अपनी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों से संपर्क किया। जिला प्रशासन के अनुसार यह विशेष शिविर 16, 17 एवं 18 जून 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। शिविरों का संचालन जिला स्तर पर प्रतिनियुक्त वरीय पदाधिकारियों की अध्यक्षता एवं संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारियों के समन्वय में किया गया।

शिविर का मुख्य उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा आम नागरिकों की शिकायतों एवं आवेदनों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करना है। इसके लिए विभिन्न विभागों द्वारा अलग-अलग काउंटर स्थापित किए गए, जहां लोगों से आवेदन प्राप्त किए गए और उन्हें योजनाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई गई।

शिविर में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई), आयुष्मान वय वंदना कार्ड, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), पीएम सूर्य घर योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, लखपति दीदी योजना, पीएम स्वनिधि योजना, दिव्यांगजन कल्याण योजना सहित अनेक योजनाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए।

जिला पदाधिकारी के निर्देश पर प्रत्येक शिविर स्थल पर हेल्प डेस्क की स्थापना की गई थी। यहां तैनात कर्मियों ने आम लोगों को आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों तथा संबंधित काउंटर तक पहुंचने में सहायता प्रदान की। इससे लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ लेने में काफी सुविधा हुई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रत्येक शिविर में मेडिकल स्टॉल भी लगाए गए, जहां लोगों की प्राथमिक स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप एवं शुगर की जांच के साथ स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया। इसके अलावा आयुष्मान भारत कार्ड एवं आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाने एवं उनसे संबंधित अन्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। शिविर के दौरान प्राप्त सभी आवेदन एवं शिकायतों का विधिवत पंजीकरण किया गया। जिला प्रशासन ने बताया कि सभी मामलों को संबंधित विभागों को समयबद्ध निष्पादन के लिए भेजा गया है तथा इनके अनुश्रवण एवं शिकायतों के निस्तारण की प्रक्रिया 'शिविर संवाद समाधान पोर्टल' के माध्यम से की जाएगी। जिला प्रशासन ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे आगामी शिविर दिवसों में भी अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अपनी समस्याओं के समाधान के लिए आवेदन दें तथा केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।

हत्या के मामले में लखन भुईयां को आजीवन कारावास, 20 हजार रुपये का जुर्माना

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

व्यवहार न्यायालय, औरंगाबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजीव रंजन कुमार ने टंडवा थाना कांड संख्या 16/2004 से संबंधित सेशन केस संख्या 1440/13 में सजा के बिंदु पर सुनवाई करते हुए एकमात्र दोषी अभियुक्त लखन भुईयां को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

लोक अभियोजक अजय कुमार संतोष ने बताया कि मनोहरी टोला, नागाडीह, टंडवा निवासी लखन भुईयां को भारतीय दंड संहिता (भादंवि) की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास एवं 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा दी गई है। न्यायालय ने उसे 6 जून 2026 को हत्या के मामले में दोषी करार दिया था। वहीं, सह-अभियुक्त संतोष भुईयां को साक्ष्य के अभाव में दोषमुक्त कर दिया गया। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि प्राथमिकी सूचक ने 12 मार्च 2004 को आरोप लगाया था कि अभियुक्तों ने एक व्यक्ति के साथ गंभीर मारपीट की थी। उपचार के दौरान घायल व्यक्ति की मृत्यु हो जाने के बाद न्यायालय की अनुमति से प्राथमिकी में भादंवि की धारा 302 जोड़ी गई और मामले का ट्रायल शुरू हुआ। करीब दो दशक तक चली न्यायिक प्रक्रिया के बाद न्यायालय ने मुख्य अभियुक्त को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई, जिससे मृतक के परिजनों को न्याय मिला।

विभिन्न मामलों में 50 गिरफ्तार, 23 आरोपित भेजे गए जेल

औरंगाबाद(एसवीवी.सं.)। जिले में मंगलवार को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने विभिन्न मामलों में कार्रवाई करते हुए 50 लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें से 23 आरोपितों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। औरंगाबाद पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, एनडीपीएस एक्ट के तहत चार, मद्य निषेध अधिनियम के तहत छह तथा अन्य मामलों में 40 लोगों को गिरफ्तार किया गया। अभियान के दौरान पुलिस ने 19 लीटर देशी शराब बरामद की। इसके अलावा विभिन्न न्यायालयों से निर्गत 40 वारंटों का निष्पादन भी किया गया। वाहन जांच अभियान के तहत जिले में 1,177 वाहनों की जांच की गई। इस दौरान यातायात नियमों के उल्लंघन के मामले में 80 हजार रुपये का शमन शुल्क (जुर्माना) वसूला गया। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 51 किलोग्राम गांजा, एक चारपहिया वाहन, तीन मोबाइल फोन तथा एक जीपीएस डिवाइस भी बरामद किया है।

मुख्य सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की योजनाओं की समीक्षा, दिये कई महत्वपूर्ण निर्देश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार के मुख्य सचिव ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0, राजस्व महाअभियान, एग्रीस्टैक तथा पंचायत विकास दिवस के क्रियान्वयन एवं प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा के निर्देशानुसार अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह, जिला पंचायती राज पदाधिकारी इफ्तेखार अहमद, वरीय उप समाहर्ता श्वेता प्रियदर्शी, रितेश यादव सहित संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल हुए। समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत सभी नगर निकायों को ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के लिए मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) तथा अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना हेतु आवश्यक भूमि जल्द से जल्द चिन्हित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी नगर निकाय अगले 10 दिनों के भीतर भूमि की पहचान कर इसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराएं, ताकि योजनाओं का क्रियान्वयन समय पर सुनिश्चित किया जा सके। राजस्व महाअभियान की समीक्षा के दौरान बताया गया कि उत्तराधिकार नामांतरण एवं बंटवारा नामांतरण मामलों से संबंधित दस्तावेजों की स्कैनिंग में औरंगाबाद जिला राज्य के शीर्ष 10 जिलों में शामिल है। जिले में अब तक 49,207 दस्तावेजों की स्कैनिंग पूरी की जा चुकी है। वहीं, जमाबंदी अभिलेखों को ऑनलाइन करने की प्रक्रिया के तहत 2,50,105 अभिलेखों की स्कैनिंग सफलतापूर्वक पूर्ण कर ली गई है। एग्रीस्टैक योजना की समीक्षा में अधिकारियों ने बताया कि जिले में अब तक 1,32,952 किसानों का फार्मर रजिस्ट्री कार्य पूरा किया जा चुका है। मुख्य सचिव ने इस कार्य में और तेजी लाने तथा निर्धारित लक्ष्य को शत-प्रतिशत हासिल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।

चोरी का सामान बरामद, आरोपी चोर को पुलिस ने भेजा जेल

निज सं. | दाउदनगर (औरंगाबाद)

दाउदनगर थाना पुलिस ने भारत पेट्रोल पंप परिसर में हुई चोरी की घटना का सफल उद्भेदन करते हुए चोरी गए सभी सामान बरामद कर लिए हैं। मामले में गिरफ्तार आरोपी ब्रजेश पासवान को मंगलवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। आरोपी दाउदनगर थाना क्षेत्र के अरई गांव का निवासी है। थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि 15 जून को शमशेरनगर स्थित भारत पेट्रोल पंप परिसर से पानी का मोटर, जनरेटर के पार्ट्स, लोहे का सामान तथा बक्से का ताला तोड़कर उसमें रखे 50 पीस ट्यूब और 20 किलोग्राम ग्रीस की एक बाल्टी चोरी कर ली गई थी। घटना के दौरान एक चोर को मौके पर ही पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया था, जबकि उसके अन्य साथी फरार हो गए थे। मामले में अरई गांव निवासी अभिषेक कुमार के बयान पर दाउदनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चोरी गए सभी सामान बरामद कर लिए हैं। साथ ही मामले में गिरफ्तार आरोपी ब्रजेश पासवान को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं, फरार अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर लगेगा विशेष योग शिविर

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आगामी 21 जून को स्थानीय सत्येन्द्र नारायण पार्क में विशेष योग शिविर का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन देव भूमि आरोग्य ट्रस्ट के तत्वावधान में होगा। इसे लेकर ट्रस्ट की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

ट्रस्ट की अध्यक्ष डॉ. पूर्णिमा सिंह ने बताया कि संस्था के माध्यम से सत्येन्द्र नारायण पार्क में प्रतिदिन सुबह 6 बजे से 7:30 बजे तक नियमित योग सत्र का संचालन किया जा रहा है। इसमें शहर के विभिन्न मोहल्लों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचकर योगाभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि योग को जन-जन तक पहुंचाने तथा लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। योग से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि मानसिक तनाव भी दूर होता है और व्यक्ति का समग्र स्वास्थ्य बेहतर होता है। योग शिविर में प्रशिक्षित योगाचार्यों द्वारा विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया जाएगा।

ग्राम रक्षा दल के सदस्यों का एक माह का प्रशिक्षण शुरू

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

गोह प्रखंड के देवकुंड खेल मैदान में मंगलवार से बिहार ग्राम रक्षा दल के सदस्यों का एक माह का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हो गया। यह प्रशिक्षण 10 जून से 10 जुलाई तक चलेगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्राम रक्षा दल के सदस्यों को उनके कर्तव्यों, दायित्वों एवं सामाजिक सुरक्षा संबंधी कार्यों के प्रति दक्ष बनाना है। प्रशिक्षण शिविर में हसपुरा प्रखंड के डिंडीर तथा गोह प्रखंड के हथियारा और बनतारा पंचायतों सहित कुल तीन पंचायतों के 100 से अधिक ग्राम रक्षा दल के सदस्य भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें कानून-व्यवस्था में सहयोग, आपदा प्रबंधन, सामाजिक सुरक्षा, अनुशासन तथा ग्रामीण स्तर पर जनसेवा से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी दी जा रही है। जिलाध्यक्ष प्रमोद सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्राम रक्षा दल के सदस्यों को गांवों में सुरक्षा व्यवस्था एवं सामाजिक जिम्मेदारियों का बेहतर निर्वहन करने के लिए प्रशिक्षित करना है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा प्रशिक्षण शुरू किए जाने से लंबे समय से संघर्ष कर रहे ग्राम रक्षा दल के सदस्यों में नई उम्मीद जगी है।